मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	26.0	13.0
डालटनगंज	29.0	12.0
धनबाद	27.4	16.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, गुरुवार 20 नवंबर 2025 I मार्गशीर्ष कृष्ण अमावस्या, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 220 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

ब्रीफ न्यूज

भारत दौरे पर आए अफगानिस्तान के उद्योग मंत्री अजीजी

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के उद्योग और वाणिज्य मंत्री अलहाज नूरुद्दीन अजीजी पांच दिनों के भारत के आधिकारिक दौरे पर आए हैं. जहां वह भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग को मजबूत करने समेत तमाम मुद्दों पर बातचीत करेंगे. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा है कि यह यात्रा भारत-अफगानिस्तान आर्थिक साझेदारी को एक नई दिशा का अवसर है.

किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी

कोयंबटूर । प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत केंद्र सरकार ने किसानों को बड़ी राहत देते हुए 21वीं किस्त जारी कर दी. कोयंबटूर में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह किस्त जारी की और लगभग 9 करोड़ से अधिक किसानों के बैंक खातों में सीधे राशि हस्तांतरित की. पीएम किसान योजना देश की सबसे चर्चित और प्रभावी योजनाओं में से एक मानी जाती है, जिसके माध्यम से करोड़ों किसानों को नियमित आर्थिक सहायता मिलती है.

ट्राई : अब फर्जी कॉल पर लगेगी रोक

नयी दिल्ली । टेलीकॉम रेगुलेटर ऑफ इंडिया ने वित्तीय धोखाधड़ी पर रोक लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है. अब बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस सेक्टर को निर्धारित समय सीमा के भीतर 1600 सीरीज अपनानी होगी. इस नई सीरीज के लागू होने से यूजर्स आसानी से असली और फर्जी कॉल्स में अंतर कर पाएंगे. ट्राई का मानना है कि इस नियम से ठगी और फर्जी फ्रॉड कॉल्स में बड़ी कमी आएगी.

ऑस्ट्रेलिया में गर्भवती महिला की मौत

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के सिडनी स्थित हॉर्न्सबी में एक सड़क हादसे में 8 महीने की गर्भवती भारतीय मूल की महिला समन्विता धरेश्वर की मौत हो गई. हादसे के बाद पुलिस ने आरोपी कार ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया है. पुलिस ने बताया ये घटना उस वक्त हुए जब वह शुक्रवार रात को अपने पति और तीन साल के बेटे के साथ एक पार्किंग गैरेज के प्रवेश द्वार के पास से गुजर रही थीं. इसी दौरान पीछे से बीएमडब्ल्यू ने कार को जोरदार टक्कर मार दी. जिससे उसकी मौत हो गयी.

भारत-पाक के बीच नहीं होगी टक्कर

नयी दिल्ली । आईसीसी अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 का शेड्यूल घोषित कर दिया गया है. लेकिन इस शेड्यूल में एक चौंकाने वाली बात सामने आई है. दरअसल, जनवरी–फरवरी में होने वाले इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग ग्रुप में रखा गया है, जिसके चलते दोनों टीमें ग्रुप स्टेज में आमने-सामने नहीं होंगी. लेकिन अंडर-19 स्तर पर आईसीसी ने अलग रास्ता अपनाते हुए दोनों को अलग ग्रुप में रखा है.

विशेष पेज 10 पर

'लोकतंत्र के लिए खतरा': पूर्व जज-नौकरशाहों का राहुल गांधी पर गंभीर आरोप, लिखा-

नेताओं की बयानबाजी से लोकतंत्र खतरे में

- 272 प्रतिष्ठित नागरिकों ने खुले पत्र में कहा–सैन्य बलों, न्यायपालिका और अब चुनाव आयोग पर बेबुनियाद हमले किए; राजनीतिक हताशा को बताया बयानबाजी का कारण

एजेंसी । नयी दिल्ली

भारत के 272 प्रतिष्ठित नागरिकों- जिनमें 16 पूर्व जज, 123 रिटायर्ड नौकरशाह (14 पूर्व राजदूत समेत), और 133 सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी शामिल हैं, ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को निशाना बनाने का गंभीर आरोप लगाया है. इन हस्तियों ने एक खुले पत्र के माध्यम से कहा कि भारत का लोकतंत्र किसी बाहरी हमले से नहीं, बल्कि नेताओं की 'जहरीली बयानबाजी' से खतरे में है. पत्र में सबसे बड़ा आरोप चुनाव आयोग (ईसीआई)पर हमलों को 'षड्यंत्रकारी' बताने का है.

चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए : वरिष्ठ नागरिकों ने लिखा कि राहुल गांधी ने कई बार चुनाव आयोग पर वोट चोरी में शामिल होने जैसे गंभीर आरोप लगाए, यहां तक कि 'परमाणु बम' जैसी भाषा का इस्तेमाल किया. पत्र में कहा गया कि इतनी गंभीर बातें कहने के बावजूद न तो कोई औपचारिक शिकायत दी गई और न ही कोई शपथपत्र पेश किया गया. इन हस्तियों ने यह भी कहा कि

चुनाव आयोग की छवि खराब करने का आरोप तेज

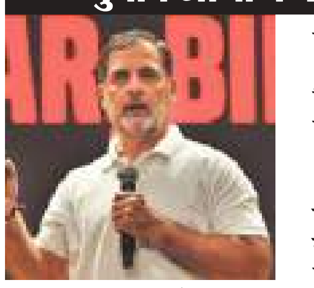

लगातार चुनावी हार और जनता से बढ़ती दूरी के कारण यह 'राजनीतिक गुस्सा' सामने आ रहा है. आरोप लगाया गया कि कांग्रेस और कुछ विपक्षी दल मुद्दों की बजाय नाटकीय बयानबाजी की राजनीति को बढ़ावा दे रहे हैं. उन्होंने यह भी लिखा कि जब चुनाव परिणाम विपक्ष के पक्ष में आते हैं तो आयोग की आलोचना गायब हो जाती है, लेकिन विपरीत परिस्थितियों में आयोग को खलनायक बना दिया जाता है-यह 'चुनिंदा गुस्सा' राजनीतिक अवसरवाद का उदाहरण है.

चुनाव आयोग हमेशा निष्पक्षता के लिए जाना जाता है : पत्र में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन और एन. गोपालस्वामी जैसी हस्तियों का उल्लेख करते हुए कहा गया कि चुनाव आयोग हमेशा निष्पक्षता और कानून के कठोर पालन के लिए जाना जाता रहा है. संस्थाओं को राजनीतिक हमलों का निशाना बनाना देश की परंपरा और लोकतांत्रिक विरासत के खिलाफ है. वरिष्ठ नागरिकों ने चुनाव आयोग से पारदर्शिता जारी रखने, सभी आंकड़ों को सार्वजनिक करने और आवश्यक होने पर कानूनी बचाव अपनाने की अपील की. साथ ही राजनीतिक दलों से कहा कि वे बिना सबूत के आरोप लगाने की बजाय नीतियों और विज़न की राजनीति करें.

भारत का लोकतंत्र मजबूत है : अंत में, पत्र में देश की सेना, न्यायपालिका, कार्यपालिका और विशेष रूप से चुनाव आयोग पर 'पूर्ण विश्वास' जताते हुए कहा गया कि भारत का लोकतंत्र मजबूत है और राजनीति को अब नाटकीयता से हटकर सत्य और सेवा के मार्ग पर लौटना चाहिए.

आंध्र प्रदेश में मारा गया

एक करोड़ का इनामी नक्सली थिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवजी

- बस्तर में 131 से ज्यादा जवानों की हत्या का आरोप

एजेंसी । आंध्र प्रदेश

छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षा बलों के 131 जवानों की हत्या का आरोपित माओवादी नक्सली थिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवजी आज रामपचोदवरम वन क्षेत्र में हुई गोलीबारी में ढेर हो गया. आंध्र प्रदेश इंटेलिजेंस के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजी) महेश चंद्र लड्डा ने इसकी पुष्टि की. एडीजी महेश चंद्र ने बताया कि बुधवार तड़के सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच भीषण गोलीबारी में छह से सात माओवादी मारे गए. वहीं 50 से ज्यादा नक्सली को गिरपफ्तार किया गया है. मारे गए नक्सलियों में थिप्पिरी तिरुपति उर्फ देवजी भी है. देवजी ओडिशा-आंध्र प्रदेश बॉर्डर में सक्रिय रहा है. नक्सल संगठन ने देवजी को महासचिव नियुक्त किया था. देवजी के ऊपर बस्तर इलाके में सुरक्षा बलों के 131 से ज्यादा जवानों की हत्या का आरोप है. सरकार ने इस खूंखार नक्सली को गिरफ्तार करने के लिए एक करोड़ रुपये से ज्यादा का इनाम घोषित किया था.

नई सरकार के गठन का रास्ता साफ : नीतीश ने पेश किया दावा

आज गांधी मैदान में 10वीं बार लेंगे सीएम पद की शपथ

- एनडीए विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से नीतीश चुने गए नेता; चिराग पासवान बोले–जनादेश विकास, अनुभव और 'बिहार फर्स्ट' की जीत
- राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को अपना इस्तीफा सौंपा

संवाददाता । पटना

पटना में बुधवार को आयोजित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की अहम बैठक में बिहार की नई सरकार के गठन का मार्ग पूरी तरह स्पष्ट हो गया. विधानसभा के सेंट्रल हॉल में हुई इस बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जनता दल यूनाइटेड (जदयू), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिन्दुस्तानी आवाम मोर्चा और लोजपा (आरवी) के सभी नव-निर्वाचित विधायक तथा शीर्ष नेता- नीतीश कुमार, चिराग पासवान, संतोष सुमन, उपेंद्र कुशवाहा, सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा उपस्थित रहे. बैठक के दौरान भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी ने मुख्यमंत्री पद के लिए नीतीश कुमार के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे सभी सहयोगी दलों ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया. 'फिर से नीतीश कुमार' के नारों के बीच एनडीए ने शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया.

राजभवन जाकर राज्यपाल को सौंपा इस्तीफा

एनडीए विधायक दल का नेता चुने जाने के तुरंत बाद नीतीश कुमार राजभवन पहुंचे और राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान को अपना इस्तीफा सौंपा. कुछ देर चली औपचारिक बातचीत के बाद वे बाहर निकले. इसके साथ ही नई सरकार गठन की प्रक्रिया औपचारिक रूप से आगे बढ़ गई. बता दें कि गुरुवार को पटना के गांधी मैदान में भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहेंगे. समारोह सुबह 11:30 बजे शुरू होगा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लगभग 12 बजे दसवीं बार पद की शपथ लेंगे. बिहार के राजनीतिक इतिहास में यह अभूतपूर्व क्षण होगा, जहां एक नेता दसवीं बार मुख्यमंत्री पद संभालने जा रहा है.

चिराग पासवान बोले-जनता ने भरोसे का बड़ा जनादेश दिया

एनडीए की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि बिहार की जनता ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व, नीतीश कुमार के अनुभव और 'बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट' की नीति पर भरोसा जताते हुए एनडीए को भारी जनादेश दिया है. उन्होंने कहा कि गठबंधन की अब यह जिम्मेदारी है कि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए संकल्प पत्र के वादों को पूरा किया जाए. शपथ ग्रहण के तुरंत बाद सरकार प्राथमिकता के आधार पर वादों पर काम शुरू करेगी.

कैबिनेट गठन की कमान नीतीश के हाथों में : इस बीच बिहार भाजपा अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि सरकार गठन की प्रक्रिया सुचारु रूप से आगे बढ़ रही है. उन्होंने स्पष्ट किया कि कैबिनेट का अंतिम रूप मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तय करेंगे. वहीं जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि एनडीए के सभी घटकों ने एकमत होकर नीतीश कुमार को अपना नेता चुना है और इसमें कोई मतभेद नहीं है. वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं सीवान सदर से विधायक मंगल पांडेय ने नीतीश कुमार को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में राज्य में समावेशी विकास और सुशासन की मजबूत नींव रखी गई है.

एनडीए में एकजुटता का संदेश : एनडीए की बैठक से साफ संदेश गया है कि गठबंधन पूरी तरह एकजुट है और नई सरकार स्थिर विकास, सुशासन और जनकल्याण के एजेंडे पर आगे बढ़ने को तैयार है. नीतीश कुमार के अनुभव और पीएम मोदी के सहयोग से बिहार में विकास की गति को नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है.

कसा शिकंजा : 500 करोड़ रुपये की ठगी का आरोप

लालू के करीबी कारोबारी अमित कात्याल को ईडी ने किया गिरफ्तार

एजेंसी । नयी दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को लालू यादव के करीबी और कारोबारी अमित कात्याल को रियल एस्टेट मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार कर लिया. यह गिरफ्तारी गुरुग्राम स्थित ईडी की टीम ने की है. मामला कृष रियलटेक प्राइवेट लिमिटेड से जुड़े बड़े रियल एस्टेट फ्रॉड का है, जिसमें सैकड़ों होमबायर्स से करोड़ों रुपये की कथित ठगी की गई. ईडी की जांच के अनुसार, अमित कात्याल,

उनके परिवार के सदस्य और संबंधित कंपनियों ने 400 से अधिक ग्राहकों से 500 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि वसूल की, जबकि उनके पास किसी भी वैध लाइसेंस की मंजूरी नहीं थी. एजेंसी के मुताबिक, इन आरोपियों ने प्लॉट खरीदने के इच्छुक लोगों को आकर्षक प्रोजेक्ट दिखाकर बुकिंग करवाई और फिर धन को अपने निजी खातों तथा शेल कंपनियों में डायवर्ट कर दिया. जांच में यह भी सामने आया कि इन शेल कंपनियों में डमी डायरेक्टर्स को बैठाया गया था, ताकि असली लाभार्थियों का नाम छिपाया जा सके. ईडी का कहना है कि आरोपियों ने प्लॉट खरीददारों के साथ व्यवस्थित तरीके से धोखाधड़ी की और 'प्रोसीड्स ऑफ क्राइम' को अपने परिवार के फायदे के लिए उपयोग किया.

2030 तक द्विपक्षीय व्यापार 100 बिलियन डॉलर होगा : जयशंकर

मॉस्को । भारत ने रूस के येकातेरिनबर्ग और कजान में दो नए महावाणिज्य दूतावासों का उद्घाटन किया. इस मौके पर विदेश मंत्री ने कहा, यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण दिन है जब हम इस देश में दो और महावाणिज्य दूतावास जोड़ रहे हैं. एस जयशंकर ने कहा कि ये महावाणिज्य दूतावास दोनों देशों के बीच सिर्फ संबंध मजबूत नहीं करेंगे, बल्कि इससे आशा है कि भारत के साथ रूस का द्विपक्षीय व्यापार 2030 तक 100 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा.

476 ड्रोन और 48 मिसाइल...

रूस ने यूक्रेन में मचाई तबाही 19 लोगों की मौत, कई घायल

कीव । यूक्रेन के पश्चिमी शहर टर्नोपिल में रूस के बड़े ड्रोन और मिसाइल हमले ने भारी तबाही मचा दी. रात में हुए इस हमले में 19 लोगों की मौत हो गई जबकि कई आवासीय इमारतें मलबे में बदल गईं. यह हमला ऐसे समय हुआ जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की रूस के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाने के लिए तुर्की पहुंचे हैं. यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लाइमेंको के अनुसार, हमला दो नौ मंजिला इमारतों पर हुआ, जिनमें कई परिवार सो रहे थे. 66 से ज्यादा लोग घायल हुए, जिनमें 16 बच्चे शामिल हैं. यूक्रेनी वायुसेना ने बताया कि रूस ने रातभर में 476 ड्रोन और डिकॉय ड्रोन के साथ 48 मिसाइलें दागीं. इसमें 47 क्रूज मिसाइलें थीं, जिनमें से 6 को छोड़कर बाकी को इंटरसेप्ट कर लिया गया.

कोर्ट ने गैंगस्टर लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई को भेजा 11 दिन की रिमांड पर

- गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई अमेरिका से भारत आया, एनआईए ने किया गिरफ्तार

एजेंसी । नयी दिल्ली

अमेरिका से प्रत्यर्पित लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरते ही एनआईए ने गिरफ्तार कर लिया. जिसके बाद एनआईए की टीम ने आरोपी को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया. जहां से कोर्ट ने 11 दिन की एनआईए रिमांड पर भेज दिया है. अनमोल दिवंगत एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी

की हत्या के मामले में आरोपी है. वहीं सलमान खान पर फायरिंग जैसे कई मामलों में वांछित भी है. एनआईए ने कोर्ट से अनमोल की 15 दिनों की कस्टडी मांगी थी. अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से लौटने के बाद एनआईए ने गिरफ्तार कर लिया. गौरतलब है कि अनमोल को अमेरिका ने मंगलवार को भारत डिपोर्ट कर दिया था. इसके बाद दिल्ली पहुंचते ही एनआईए ने उसे पकड़ लिया. बिश्नोई गिरोह के विभिन्न सहयोगियों के साथ मिलकर काम करते हुए अनमोल ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के लिए अमेरिका से आतंकवादी सिंडिकेट चलाना और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देना जारी रखा. जांच से पता चला है कि अनमोल बिश्नोई ने गिरोह के शूटरों और जमीनी गुर्गों को आश्रय और रसद सहायता प्रदान की थी. वह अन्य गैंगस्टरों की मदद से विदेशी धरती से भारत में जबरन वसूली में भी शामिल था.

समारोह : सत्य साईं बाबा की शताब्दी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले-

सेवा, करुणा व सामाजिक सुरक्षा भारत की वैश्विक पहचान

- प्रधानमंत्री ने जारी किया 100 रुपये का स्मारक सिक्का और डाक टिकट; कहा–गरीबों के लिए बनी भारतीय योजनाओं की अंतरराष्ट्रीय मंचों पर हो रही सराहना

एजेंसी । पुट्टापर्थी (आंध्र प्रदेश)

बुधवार को आयोजित श्री सत्य साईं बाबा शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बाबा के जीवन, उनके सेवा-संदेश और भारत के सामाजिक विकास मॉडल पर विस्तार से प्रकाश डाला. प्रधानमंत्री ने कहा कि यह शताब्दी वर्ष केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि 'सार्वभौमिक प्रेम, शांति और सेवा' की उस परंपरा का महोत्सव है जिसे बाबा ने अपने जीवन से विश्वभर में स्थापित किया. समारोह के दौरान प्रधानमंत्री ने 100 रुपये का स्मारक सिक्का और विशेष डाक टिकट जारी किया. उन्होंने कहा कि श्री सत्य साईं बाबा ने वसुधैव कुटुम्बकम की भारतीय अवधारणा को नए अर्थ दिए और उनके जीवन की शिक्षाएं आज भी करोड़ों लोगों को सेवा के मार्ग पर प्रेरित करती हैं. मोदी ने बताया कि पुट्टापर्थी की यह धरा हमेशा से आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र रही है, और बाबा की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करना उनके लिए अत्यंत भावनात्मक अनुभव रहा. उन्होंने कहा कि भारतीय सभ्यता की जड़ें सेवा और करुणा में

हैं-चाहे भक्ति हो, ज्ञान हो या कर्म का मार्ग. इन सभी की दिशा मानव सेवा की ओर जाती है और बाबा ने इसे अपने पूरे जीवन में जिया. प्रधानमंत्री ने कहा कि बाबा का संदेश आश्रमों तक सीमित नहीं रहा, वह अस्पतालों, स्कूलों, आदिवासी इलाकों और समाज के हर हिस्से में दिखाई देता है. उन्होंने बाबा के उपदेश-मदद हमेशा करो, कभी चोट मत पहुंचाओ-का उल्लेख करते हुए कहा कि यही भावना आज समाज को एकजुट करने की सबसे बड़ी शक्ति है. समारोह में सुकन्या समृद्धि योजना के तहत 20 हजार बेटियों के नाम नए खाते खोलने की घोषणा पर प्रधानमंत्री ने विशेष प्रसन्नता जताई. उन्होंने कहा कि देशभर में इस योजना के अंतर्गत अब तक 4 करोड़ से अधिक बेटियों के खाते खोले जा चुके हैं जिनमें सवा तीन लाख करोड़ से अधिक की राशि जमा है.

उन्होंने इसे बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ के लिए समाज की भागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण बताया. प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 में जहां केवल 25 करोड़ लोग सामाजिक सुरक्षा के दायरे में थे, वहीं आज यह संख्या बढ़कर लगभग 100 करोड़ हो गई है. उन्होंने गर्व व्यक्त किया कि गरीबों के कल्याण के लिए बनाई गई हमारी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर चर्चा हो रही है.

अपने संबोधन में मोदी ने रवांडा में भारत की पहल का भी उल्लेख किया, जहां भारत द्वारा दान में दी गई गिर गायों से गिरिंका परंपरा को बढ़ावा मिला. इस परंपरा ने ग्रामीण समुदायों में पोषण, आय, दूध उत्पादन और सामाजिक सद्भाव को मजबूत किया. प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की पहलों का प्रभाव वैश्विक स्तर पर दिख रहा है और यह देश की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय भूमिका का प्रमाण है.

अल फलाह ग्रुप

देश से फरार हो सकते थे चेयरपर्सन : ईडी

नयी दिल्ली । दिल्ली ब्लास्ट में अल फलाह यूनिवर्सिटी की भूमिका सामने आने के बाद एनआईए और ईडी जांच कर रही है. इसके तहत ईडी ने मंगलवार देर रात अल फलाह ग्रुप के चेयरपर्सन जवाद अहमद सिद्दीकी को गिरफ्तार कर लिया. बुधवार को उनको कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 13 दिन की ईडी की कस्टडी में भेजा गया है. कोर्ट में जांच एजेंसी ने खुलासा किया कि सिद्दीकी ने 415 करोड़ का घोटाला किया है. वो विदेश भागने के फिराक में थे. उन्होंने बताया कि सिद्दीकी के पास देश छोड़ने के स्पष्ट इरादे थे, क्योंकि उसके करीबी परिवार के कई सदस्य खाड़ी देशों में रहते हैं. उसके पास लगातार विदेश में छिपने का मौका था. जांच एजेंसी ने दावा किया कि उसकी भूमिका गंभीर आर्थिक अपराधों से जुड़ी है.

ट्रंप ने फिर दोहराया : मैंने भारत-पाकिस्तान युद्ध रोका

एजेंसी । वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को फिर दोहराया कि उन्होंने इस साल भारत और पाकिस्तान के बीच एक ऐसे पूर्ण युद्ध को रोका, जो परमाणु युद्ध में तब्दील हो सकता था. हालांकि भारत ने उनके इस बयान पर अभी कोई टिप्पणी नहीं की है. सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ ओवल ऑफिस में द्विपक्षीय बैठक के दौरान ट्रंप ने कहा कि उन्होंने अपने दूसरे कार्यकाल में कुल आठ युद्ध रोके हैं, जिनमें भारत-पाकिस्तान संघर्ष भी शामिल है. उन्होंने जोर देकर कहा, मैंने वास्तव में आठ युद्ध रोके हैं... एक और पुतिन के साथ चल रहा है. लेकिन हमने हाल ही में भारत और पाकिस्तान के बीच दोबारा

शुरू होने जा रहे युद्ध को भी रोका. मुझे इस बात का गर्व है. ट्रंप का यह बयान मई 2025 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य टकराव के संदर्भ में आया है, जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तानी क्षेत्र में आतंकी ठिकानों पर हमला किया था. पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें ड्रोन हमले और सीमा पर गोलीबारी शामिल थी. इससे वैश्विक स्तर पर दोनों पक्षों के बीच कथित रूप से परमाणु युद्ध की आशंका बढ़ गई थी.

निरीक्षण में कई बड़े खुलासे : बिरसा मुंडा जेल, होटवार में मिलता है घटिया भोजन, की जाती है जबरन वसूली

कैदियों ने कहा- सख्त रोटी, पानी जैसी दाल, कैंटीन में मनमानी कीमतें और दबंग कैदियों का नेटवर्क सक्रिय

शुभम संदेश। रांची

रांची के होटवार जेल की भोजन और आंतरिक व्यवस्था को लेकर गंभीर अनियमितताओं का खुलासा हुआ है. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा) द्वारा 12 से 29 नवंबर के बीच किए गए निरीक्षण अभियान में 400 कैदियों, 200 विचाराधीन और 200 सजायाफ्ता से बातचीत के बाद कई चौंकाने वाले तथ्य सामने आए. कैदियों ने बताया कि उन्हें रोज़ाना बेहद निम्न गुणवत्ता का भोजन मिलता है. उनके अनुसार रोटियां इतनी सख्त होती हैं कि रातभर में पत्थर जैसी हो जाती हैं, जिन्हें कई कैदी आग पर सेंककर खाने लायक बनाते हैं. आर्थिक रूप से कमजोर कैदियों की

स्थिति और भी खराब है, क्योंकि वे अतिरिक्त भोजन खरीदने में असमर्थ रहते हैं. दाल की हालत पर कैदियों ने कहा कि "दाल के नाम पर सिर्फ पानी" परोसा जाता है. उनका यह भी आरोप है कि अधिकारियों के निरीक्षण के दिनों को छोड़कर अधिकतर समय उन्हें बासी और घटिया खाना दिया जाता है.

जेल के अंदर दबंग कैदियों का नेटवर्क सक्रिय : भोजन व्यवस्था के अलावा जेल के भीतर की सुरक्षा और माहौल को लेकर भी गंभीर बातें सामने आईं. कैदियों का कहना है कि जेल के अंदर दबंग कैदियों का नेटवर्क सक्रिय रहता है, जो शिकायत करने वालों को धमकाते हैं. कई मामलों में जेल प्रशासन की निष्क्रियता से पीड़ित कैदियों की आवाज दब जाती है.

जेल कैंटीन से जुड़ी अनियमितताएं भी उजागर

निरीक्षण में जेल कैंटिन से जुड़ी अनियमितताएं भी उजागर हुईं. अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन से जुड़े राजेश कुमार ने जेल आईजी को पत्र लिखकर आरोप लगाया कि एनआईए केस का आरोपी प्रभु साहू जेल प्रशासन की मिलीभगत से कैंटीन चलाता है और कैदियों से 7,000 रुपये तक की वसूली करता है. रिपोर्ट के अनुसार कैंटीन में टमाटर 100 रुपये प्रति किलो और प्याज 150 रुपये प्रति किलो तक बेचे जाते हैं. कई कैदियों ने भी इन मनमानी कीमतों और जबरन वसूली की पुष्टि की है. राजेश कुमार ने मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है. जेल मानुअल के तहत भोजन व्यवस्था कागजों तक ही सीमित जेल मैनुअल के मुताबिक कैदियों को सप्ताह में तीन दिन नॉन-वेज भोजन और शाकाहारी कैदियों के लिए विशेष भोजन, पनीर, खीर, मिक्स वेज आदि दिया जाना अनिवार्य है, लेकिन कैदियों का आरोप है कि यह व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित है. निरीक्षण के दौरान सामने आए इन गंभीर खुलासों ने होटवार जेल की व्यवस्थाओं और प्रशासनिक जवाबदेही पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं, जिससे व्यापक सुधार की आवश्यकता और अधिक स्पष्ट हो गई है.

दिल्ली मेला

समारोह को लेकर आजसू पार्टी ने साधा निशाना

झामुमो का महिमामंडन समारोह बना राज्य स्थापना दिवस : प्रवीण

शुभम संदेश। रांची

आजसू पार्टी ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि झारखंड स्थापना दिवस समारोह को 'झामुमो महिमामंडन समारोह' बनाकर रख दिया गया. समारोह में झामुमो नेताओं का गुणगान किया जाता रहा और झामुमो का इतिहास बताया गया. झारखंड आंदोलन में आजसू की भूमिका की अनदेखी की गयी. आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष एवं झारखंड आंदोलनकारी प्रवीण प्रभाकर ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम और कॉफी टेबल बुक में बिरसा मुंडा व अन्य शहीदों की बजाय सिर्फ शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन पर फोकस किया गया. ना तो झारखंड के शहीदों और आंदोलनकारियों का कहीं जिक्र हुआ और ना ही इनके अलावा किसी मुख्यमंत्री का जिक्र किया गया. राजधानी के होर्डिंग में भी बिरसा मुंडा नहीं, हेमंत सोरेन छाए रहे.

प्रभाकर ने कहा कि इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि झारखंड आंदोलन में गुरुजी की बड़ी भूमिका थी. लेकिन झामुमो को इस सवाल का भी जवाब देना चाहिए कि जब वह लंबे समय तक यूपीए में कांग्रेस-राजद के साथ था तो झारखंड क्यों नहीं बना. आजसू के एनडीए से जुड़ने के बाद ही राज्य का निर्माण क्यों हुआ? 1993 में झामुमो के चार सांसदों के समर्थन से कांग्रेस के प्रधानमंत्री नरसिंह राव की सरकार बचाई गई, तब अलग राज्य क्यों नहीं बना. 1992 में लालू सरकार को झामुमो ने समर्थन दिया, तब अलग राज्य का प्रस्ताव क्यों नहीं आया?

प्रभाकर ने कहा कि स्थापना दिवस समारोह में आजसू, झारखंड पार्टी जैसे आंदोलनकारी संगठन की भूमिका को पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया, जबकि सभी जानते हैं कि आजसू के उग्र आंदोलन के प्रभाव में ही कांग्रेस की राजीव गांधी सरकार ने 1989 और भाजपा की वाजपेयी सरकार ने 1999 में आजसू से वार्ता की थी, जिसके परिणामस्वरूप अलग राज्य का गठन हुआ और झारखंड नामकरण हुआ.

पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो ने नीतीश कुमार को दी बधाई, नई सरकार के शपथ ग्रहण में होंगे शामिल

रांची। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में आजसू पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश महतो भी शामिल होंगे. झारखंड में एनडीए का मुख्य घटक होने के कारण सुदेश महतो को भी शपथ ग्रहण में शामिल होने का न्योता भेजा गया है.महतो ने एनडीए विधायक दल का नेता चुने जाने पर नीतीश कुमार को बधाई दी है और कहा है कि उनके नेतृत्व में बिहार और तेजी से आगे बढ़ेगा. उन्होंने कहा कि बिहार की जीत से प्रेरित होकर झारखंड में भी एनडीए को मजबूत करने के लिए काम होगा.

हेमंत सोरेन सरकार की पहली वर्षगांठ 28 नवंबर

10 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र बंटेगा

शुभम संदेश। रांची

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 28 नवंबर को अपनी सरकार की पहली वर्षगांठ भव्य रूप से मनाएंगे. इस अवसर पर मोरहाबादी मैदान में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री लगभग 10 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपेंगे. यह कार्यक्रम सरकार की उपलब्धियों के साथ-साथ युवाओं को रोजगार और अवसर प्रदान करने की पहल के रूप में देखा जा रहा है.

नियुक्ति पत्र का वितरण : मंत्रिमंडल समन्वय विभाग ने बताया कि नियुक्ति पत्र सहायक आचार्य के सफल अभ्यर्थियों, डेंटल डॉक्टर, कीटपालक और अन्य पदों के लिए चयनित अभ्यर्थियों के बीच वितरित किए जाएंगे. जेपीएससी और जेएसएससी से चयनित अभ्यर्थियों को भी इसी अवसर पर नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाने की तैयारी की जा रही है. संबंधित विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे समय पर आवश्यक तैयारियों को पूरा करें, ताकि समारोह सुचारू रूप से संपन्न हो सके.

तीसरे कार्यकाल की यादें ताजा

यह वर्षगांठ इसलिए भी खास है, क्योंकि हेमंत सोरेन ने 28 नवंबर 2024 को अपने तीसरे कार्यकाल की शपथ ली थी. उसी मोरहाबादी मैदान में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह की याद को ताजा करते हुए इस वर्षगांठ को भी बड़े स्तर पर आयोजित किया जा रहा है. रांची जिला प्रशासन को सुरक्षा, पेयजल, बिजली और यातायात प्रबंधन जैसी व्यवस्थाओं के लिए पहले से तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं.

युवाओं और जनता के लिए संदेश

सरकार का यह कदम युवाओं के लिए रोजगार सृजन और सकारात्मक संदेश देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है. समारोह में भाग लेने वाले अभ्यर्थियों और आम नागरिकों के लिए विशेष इंतजाम किए जाएंगे. प्रशासन ने भीड़ नियंत्रण, स्वास्थ्य सेवाओं और यातायात प्रबंधन के लिए पहले से पर्याप्त तैयारियों को सुनिश्चित करने को कहा है.

विकास और उपलब्धियों का प्रदर्शन

इस भव्य समारोह को सरकार अपनी उपलब्धियों और विकास योजनाओं को जनता के सामने पेश करने का अवसर भी मान रही है. नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम युवाओं को प्रेरित करने और सरकारी नीतियों के प्रति विश्वास बढ़ाने का माध्यम बनेगा.

आईआईटीएफ 2025 : जूट की कारीगरी और सिसल की ताकत से झारखंड पवेलियन ने किया प्रभावित

कला, खेती और कारोबार का संगम, सिसल से एथेनॉल तक : प्रदर्शित किया हरित नवाचार का मॉडल

शुभम संदेश। रांची/ नयी दिल्ली।

भारतीय 44वें अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) 2025 में झारखंड पवेलियन इस वर्ष खास चर्चा में है, जहां वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग राज्य की हरित अर्थव्यवस्था और सतत विकास की दिशा में किए जा रहे उल्लेखनीय प्रयासों को प्रमुखता से प्रदर्शित कर रहा है. पवेलियन में सिसल (एगेव) आधारित उत्पादों और नवाचारों का प्रदर्शन आगंतुकों को झारखंड की उभरती संभावनाओं से रू-ब-रू करा रहा है. झारखंड में सिसल (एगेव) पौधे की खेती तेजी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था का प्रभावशाली परिवर्तन का वाहन है. कम पानी और प्रतिकूल मौसम में पनपने वाला यह पौधा प्राकृतिक फाइबर का प्रमुख स्रोत है, जिसका उपयोग रस्सी, मैट, बैग और विभिन्न हैंडक्राफ्ट उत्पादों के निर्माण में व्यापक रूप से किया जाता है. इसके रस से बायो-एथेनॉल और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं, वहीं औषधीय और कॉस्मेटिक उपयोग ने स्थानीय उद्यमिता को नई दिशा दी है. एगेव का बंजर और कम उपजाऊ भूमि पर भी आसानी से उगना इसे भूमि संरक्षण, पारिस्थितिक पुनरुद्धार और जलवायु अनुकूल खेती का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाता है.

सिसल पौधारोपण से तैयार किए जा रहे हैं आजीविका के स्थायी अवसर : एसबीओ अनितेश कुमार ने सिसल परियोजना की प्रगति पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि वर्तमान में 450 हेक्टेयर क्षेत्र में सिसल का रोपण कार्य पूरा किया जा चुका है और विभाग का लक्ष्य इस वित्तीय वर्ष में इसे 100 हेक्टेयर और बढ़ाने का है. उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पिछले वित्तीय वर्ष में सिसल उत्पादन 150 मीट्रिक टन रहा था, जबकि चल रहे वित्तीय वर्ष के लिए 82 मीट्रिक टन उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है. वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की पहल पर राज्य भर में बड़े पैमाने पर सिसल पौधारोपण कर ग्रामीणों के लिए स्थायी आजीविका के अवसर तैयार किए जा रहे हैं. विभाग हर वर्ष लगभग 90,000 मानव-दिवस का रोजगार सृजित कर रहा है, जो ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिरता और हरित विकास को महत्वपूर्ण गति प्रदान कर रहा है.

आईआईटीएफ 2025 में झारखंड के स्टॉल राष्ट्रीय मंच प्रस्तुत कर रहा है : आईआईटीएफ 2025 में झारखंड स्टॉल इन प्रयासों को राष्ट्रीय मंच पर प्रस्तुत कर रहा है, ताकि निवेश, बाजार और तकनीकी सहयोग के नए अवसरों को आकर्षित किया जा सके. राज्य का लक्ष्य सिसल आधारित उद्योगों को मजबूत कर ग्रामीण जनजीवन को सशक्त बनाना और जलवायु-संवेदनशील विकास को आगे बढ़ाना है.

झारखंड की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा को प्रदर्शित कर रहे जूट उत्पाद

पवेलियन में प्रदर्शित जूट उत्पाद भी झारखंड की समृद्ध हस्तशिल्प परंपरा को प्रभावशाली तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं. स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए ईको-फ्रेंडली जूट बैग, गृह सज्जा सामग्री और हस्तनिर्मित उपयोगी वस्तुएं राज्य की कला-कौशल, सूक्ष्म बुनाई तकनीक और ग्रामीण कारीगरी की गहरी जड़ों को दर्शाती हैं. ये उत्पाद न केवल झारखंड की सांस्कृतिक पहचान को आगे बढ़ाते हैं, बल्कि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कारीगरों के लिए नए अवसर भी उत्पन्न होता है.

सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड बार काउंसिल चुनाव को हरी झंडी दी, तीसरे चरण में 15 मार्च तक चुनाव प्रक्रिया पूरी होगी

रांची । सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड बार काउंसिल के चुनाव की तारीखों पर महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए देशभर में बार काउंसिल चुनावों को पांच चरणों में कराने की अनुमति दे दी है. नए आदेश के अनुसार झारखंड में चुनाव तीसरे चरण में संपन्न होंगे और इन्हें 15 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा. इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों में बार काउंसिल चुनाव 31 जनवरी 2026 तक कराने का निर्देश दिया था, लेकिन बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अनुरोध पर अब चरणबद्ध मॉडल को मंजूरी दी गई है. कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि 30 अप्रैल 2026 तक देश के सभी राज्यों में चुनाव प्रक्रिया पूरी कर ली जानी चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वकीलों की कानून की डिग्रियों का सत्यापन अनिवार्य रहेगा, क्योंकि फर्जी डिग्री के मामलों ने व्यवस्था को प्रभावित किया है. हालांकि, सत्यापन की प्रक्रिया के चलते चुनाव रोका नहीं जाएगा. जिन वकीलों का सत्यापन अभी लंबित है, उन्हें अस्थायी आधार पर मतदान की अनुमति मिलेगी, लेकिन यदि बाद में उनकी डिग्री फर्जी पायी जाती है, तो उन्हें चुनाव प्रक्रिया से बाहर कर दिया जाएगा. कोर्ट ने सभी विश्वविद्यालयों को निर्देश दिया है कि वे विशेष टीमें बनाकर डिग्री सत्यापन करें और एक सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करें.

झारखंड बार काउंसिल का कार्यकाल 28 जुलाई 2023 को समाप्त हो चुका है और वर्तमान में तदर्थ कमेटी ही काउंसिल का संचालन कर रही है. सत्यापन कार्य में देरी के कारण कार्यकाल बढ़ाया गया था, लेकिन अब सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि सदस्यता सत्यापन के नाम पर चुनाव आगे नहीं टाले जा सकते.

राज्यपाल संतोष गंगवार से मिला प्रतिनिधिमंडल प्रांतीय अधिवेशन में शामिल होने का दिया आमंत्रण

रांची। अखिल भारतीय साहित्य परिषद झारखंड का दो दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन 27-28 दिसंबर 2025 को रांची में आयोजित किया जाएगा. अधिवेशन का विषय सामाजिक समरसता रखा गया है. प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार सिंह के निर्देशानुसार रांची महानगर अध्यक्ष डॉ. राजश्री जयंती के नेतृत्व में निवेदक दल ने राज्यपाल संतोष गंगवार से भेंट कर परिषद की ओर से इस साहित्यिक महाकुंभ में आशीर्वाद का अनुरोध किया. निवेदन दल में प्रदेश मंत्री इंद्रजीत यादव, रांची महानगर उपाध्यक्ष डॉ. ममता मनीष सिन्हा, कृष्णा शर्मा और बजरंगी प्रसाद शामिल थे.इस अवसर पर डॉ. राजश्री जयंती ने राज्यपाल को अपनी स्वलिखित पुस्तक "आवर एनवायरनमेंट, फ्रॉम ऋग्वेद टू गांधी" भेंट की. उल्लेखनीय है कि इस पुस्तक की प्रस्तावना स्वयं राज्यपाल ने लिखी है और इसका विमोचन असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा शर्मा द्वारा किया गया था.राज्यपाल से भेंट के बाद परिषद नयी ऊर्जा और उत्साह के साथ अधिवेशन की तैयारियों में जुट गया है. अधिवेशन में लगभग 350 साहित्य अनुरागियों के शामिल होने का अनुमान है. रांची के साहित्य प्रेमियों में इस आयोजन को लेकर हर्ष और उत्साह का माहौल है.

वीर पुलिसकर्मी, सैनिक और राष्ट्रपति पदक विजेता सम्मानित होंगे, सांस्कृतिक कार्यक्रम शाम 6 बजे से

- झारखंड विधानसभा स्थापना दिवस को लेकर तैयारियां तेज हुईं, विस अध्यक्ष ने की बैठक

शुभम संदेश। रांची

झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रबीन्द्रनाथ महतो ने बुधवार को अपने कार्यालय कक्ष में स्थापना दिवस समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन को लेकर विभागों के वरीय पदाधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक की. बैठक में तय हुआ कि 22 नवंबर को प्रातः 11 बजे झारखंड विधानसभा परिसर में समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश की सीमा पर और नक्सल अभियान में शहीद हुए, शांति काल में वीरता पदक प्राप्त झारखंड के बहादुर पुलिसकर्मी एवं सैनिकों का सम्मान किया जाएगा. इसके अलावा राज्य के खिलाड़ियों और सामाजिक क्षेत्र में योगदान देने वाले राष्ट्रपति पदक विजेताओं को भी सम्मानित किया जाएगा. मौके पर विधानसभा के सभी पूर्व अध्यक्ष और पूर्व विधायक भी सम्मानित किए जाएंगे. सांस्कृतिक कार्यक्रम शाम 6 बजे से आयोजित होंगे.

योजना | वार्षिक लक्ष्य जारी न होने, कागजी प्रक्रिया की जटिलता व बैंकों की उदासीनता से नए प्रोजेक्ट अटके

झारखंड में पीएमईजीपी की रफ्तार धीमी

- बैंकों से सहयोग नहीं, सब्सिडी में देरी से रोजगार योजनाएं प्रभावित

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) इस वित्तीय वर्ष में बेहद धीमी गति से आगे बढ़ रहा है. वित्तीय वर्ष के आठ महीने गुजर जाने के बावजूद खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने अब तक जिलों को वार्षिक लक्ष्य जारी नहीं किया है. इसके चलते जिला उद्योग केंद्रों और खादी ग्रामोद्योग बोर्ड ने नए आवेदनों की प्रक्रिया भी शुरू नहीं की. अधिकारियों का कहना है कि पिछले वर्ष निर्धारित सीमा से अधिक आवेदन जमा हुए थे, जिनका निपटान अब तक पूरा नहीं हो सका है. नतीजतन, इस वर्ष भी विभाग उन्हीं पुराने मामलों पर काम कर रहा है.

जिलों में लोन वितरण पर भी पड़ रहा व्यापक असर : स्थिति का असर जिलों में लोन वितरण पर भी स्पष्ट रूप से दिख रहा है. सितंबर तक रांची में सिर्फ 5, धनबाद में 9, बोकारो में 6, पूर्वी सिंहभूम में 5 और पश्चिमी सिंहभूम में केवल 4 प्रोजेक्ट ही स्वीकृत किए जा सके. हजारीबाग में 5 और पलामू में सिर्फ 3 प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली. पिछले साल प्राप्त 317 आवेदनों में से सिर्फ 53 को ही लोन मिल पाया था. इस साल इन्हीं पुराने आवेदनों को बैंकों को पुनः भेजा गया, लेकिन स्थिति जस की तस रही. फिर भी केवल 53 मामलों को ही स्वीकृति मिल सकी. पुराने और नए आवेदनों को मिलाकर सितंबर तक कुल 347 आवेदन खारिज हो चुके हैं, जो योजना की धीमी रफ्तार का स्पष्ट संकेत है.

2024-25 में स्वीकृत 280 ऋण प्रस्तावों की सब्सिडी जारी नहीं : राज्यस्तरीय बैंकर्स समिति (एसएलबीसी) के डीजीएम संतोष कुमार सिन्हा के अनुसार योजना की प्रक्रिया भले आसान हुई हो, लेकिन व्यापक पेपर वर्क और मुंबई स्थित केवीआईसी मुख्यालय से नियंत्रण के कारण निष्पादन में समय लगता है. इसके अलावा बैंकों को समय पर सब्सिडी न मिलना भी एक बड़ा अवरोध है. झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के चेयरमैन मदन मोहन बरियार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृत 280 ऋण प्रस्तावों की सब्सिडी अब तक जारी नहीं हुई. इससे ऋणधारकों पर अतिरिक्त ब्याज का दबाव बढ़ा और कई खाते एनपीए में बदल गए.

सब्सिडी में देरी और बैंकों की बेरुखी से योजना धीमी

केवीआईसी अधिकारियों का कहना है कि पिछले वर्ष तय लक्ष्य से काफी अधिक आवेदन प्राप्त होने के कारण उनका निपटारा इस वित्तीय वर्ष में किया जा रहा है. वहीं पिछले साल लंबित सब्सिडी को भी इस वर्ष जारी करने की प्रक्रिया चल रही है. विशेषज्ञों के अनुसार सब्सिडी में लगातार देरी और बैंकों की बेरुखी, दोनों मिलकर पीएमईजीपी की प्रगति को धीमा कर रहे हैं. परिणामस्वरूप, रोजगार सृजन का उद्देश्य अधूरा रह जाता है और ग्रामीण उद्यमिता को अपेक्षित बढ़ावा नहीं मिल पा रहा है.

गरीब छात्रों और अभिभावकों का शोषण करने को आमदा है राज्य सरकार : रमाकांत

- मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षा फीस में वृद्धि को लेकर भाजपा ने जताया एतराज

शुभम संदेश। रांची

झारखंड अधिविध परिषद (जैक) द्वारा मैट्रिक और इंटरमीडिएट के परीक्षा शुल्क में 35 % प्रतिशत तक वृद्धि किये जाने पर भाजपा ने एतराज जताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है. भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने कहा है कि शुरू से ही हेमंत सोरेन की सरकार ग़रीबों का शोषण करने वाली सरकार रही है. फीस वृद्धि कर गरीब छात्रों और अभिभावकों का शोषण करने को आमदा है हेमंत सरकार. गरीबों का आर्थिक दोहन कर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित करना चाहती है ये सरकार. महतो ने कहा है कि जैक द्वारा मैट्रिक का परीक्षा शुल्क 940 से बढ़ाकर 1180 कर दिया है, वही इंटरमीडिएट का परीक्षा शुल्क 1220 से बढ़ाकर 1400 रुपया कर दिया गया है. वही विलंब शुल्क भी 300 से बढ़ाकर 500 कर दिया है, जो झारखंड जैसे पिछड़े राज्य के लिए उचित नहीं है.

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता रमाकांत महतो ने कहा है कि एक ओर हेमंत सरकार झारखंड गठन के रजत जयंती के उपलक्ष्य में करोड़ों रुपये खर्च कर विज्ञापन के माध्यम से थोथी विकास का ढिंढोरा पिट रही है, अपना चेहरा चमका रही है, वही सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले गरीब छात्रों की फीस बढ़ाकर उनका खून चूसना चाहती है. महतो ने कहा है कि ऐसे ही प्रदेश में सरकारी स्कूलों की स्थिति बद से बदतर हो गई है. बुनियादी सुविधाओं के नाम पर लूट मची हुई है.गुणात्मक शिक्षा कोसों दूर हो गई है.उन्हें सुधारने के बजाय सरकार परीक्षा शुल्क में वृद्धि कर रही है.महतो ने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा है कि गरीब छात्रों के हित को ध्यान रखते हुए फीस वृद्धि पर राज्य सरकार पुनर्विचार करे अन्यथा पार्टी आंदोलन करने को बाध्य होगी.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, गुरुवार 20 नवंबर 2025 I मार्गशीर्ष कृष्ण अमावस्या, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 220 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

जैक ने मैट्रिक और इंटर की परीक्षा फीस में 25% तक बढ़ोतरी की, 2026 के परीक्षार्थियों पर बढ़ा आर्थिक बोझ

शुभम संदेश। रांची

झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) ने वर्ष 2026 के मैट्रिक और इंटर परीक्षाओं के लिए परीक्षा शुल्क में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी की घोषणा की है. मंगलवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, मैट्रिक परीक्षा शुल्क में अधिकतम 340 रुपये और इंटर परीक्षा शुल्क में 290 रुपये तक की वृद्धि की गई है. कुल मिलाकर यह बढ़ोतरी करीब 25 प्रतिशत के आसपास बैठती है, जिससे आने वाले परीक्षा सत्र में छात्रों और अभिभावकों पर अतिरिक्त आर्थिक भार पड़ना तय माना जा रहा है. जैक के अनुसार, इस निर्णय से राज्यभर में हर वर्ष परीक्षा में शामिल होने वाले लगभग 7.50 लाख विद्यार्थियों पर प्रभाव पड़ेगा, जिनमें करीब 4.25 लाख मैट्रिक और 3.25 लाख इंटर के छात्र शामिल हैं.

छात्राओं के लिए सभी वर्गों में समान फीस : नई फीस संरचना सभी श्रेणियों पर लागू होगी, हालांकि छात्राओं के लिए सभी वर्गों में समान शुल्क निर्धारित किया गया है. लड़कों के लिए सामान्य और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को एक श्रेणी में रखा गया है, जबकि अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए एक समान शुल्क तय किया गया है. स्वतंत्र परीक्षार्थियों के शुल्क में सबसे अधिक बढ़ोतरी की गई है, जिसे जैक ने परीक्षा आयोजन लागत और वर्षों से न बढ़ाए गए शुल्क के संदर्भ में आवश्यक बताया है.

फीस बढ़ोतरी संतुलित, छात्रों पर अत्यधिक भार नहीं : जैक अध्यक्ष डॉ. नटवा हांसदा ने कहा कि परिषद ने लंबे समय से बढ़ती महंगाई का ध्यान रखते हुए शुल्क संशोधन की जरूरत महसूस की. उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि फीस बढ़ोतरी को इस तरह संतुलित किया गया है कि छात्रों पर अत्यधिक भार न पड़े. परिषद के अनुसार, परीक्षा संचालन व्यय में लगातार वृद्धि हो रही थी, जिसके कारण शुल्क संशोधन आवश्यक माना गया.

मैट्रिक-इंटर परीक्षा 2026 के फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू : इसी बीच, मैट्रिक और इंटर परीक्षा 2026 के फॉर्म भरने की प्रक्रिया भी मंगलवार से शुरू कर दी गई है. परीक्षार्थी बिना विलंब शुल्क के 18 नवंबर से 5 दिसंबर 2025 तक ऑनलाइन फॉर्म जमा कर सकेंगे. वहीं, विलंब शुल्क के साथ फॉर्म 6 दिसंबर से 12 दिसंबर तक भरे जा सकेंगे. आवेदन प्रक्रिया जैक की आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से पूरी की जाएगी.

मैट्रिक-इंटर परीक्षाएं फरवरी के प्रथम सप्ताह से

परीक्षा कार्यक्रम के अनुसार, मैट्रिक और इंटर दोनों परीक्षाएं फरवरी 2026 के प्रथम सप्ताह से आयोजित होने की संभावना है. उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन मार्च में किया जाएगा और अप्रैल 2026 में परिणाम जारी किए जाने की उम्मीद है. फीस वृद्धि के इस निर्णय ने जहां छात्रों और अभिभावकों की चिंता बढ़ायी है, वहीं जैक इसे परीक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में उठाया गया अपरिहार्य कदम बता रहा है.

21 नवंबर को मुख्यमंत्री का पलामू दौरा जिला प्रशासन ने तैयारियों का लिया जायजा

शुभम संदेश। पलामू

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 21 नवंबर को पलामू जिले के नीलांबर-पीतांबरपुर प्रखंड के महावीर मोड़ में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार–आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल होंगे. इस दौरान वे कई महत्वपूर्ण योजनाओं की आधारशिला रखेंगे, उद्घाटन करेंगे और लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का वितरण भी करेंगे. सीएम के प्रस्तावित दौरे को लेकर बुधवार को उपायुक्त समीरा एस और एसपी रीष्मा रमेशन ने नीलांबर-पीतांबरपुर क्षेत्र के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया.

अधिकारियों ने विधि-व्यवस्था सहित समग्र तैयारियों को सुदृढ़ बनाए रखने के निर्देश दिए. उपायुक्त ने पदाधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपते हुए ईमानदारी से कार्य निष्पादन करने और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होने देने को कहा. साथ ही उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दिन कई योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन होना है, जिसके लिए सभी विभाग उप विकास आयुक्त के साथ समन्वय कर सूची उपलब्ध कराएं.

निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन, अपर समाहर्ता समेत सभी जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद थे, जबकि बीडीओ और सीओ वर्चुअल मोड से जुड़े. कार्यक्रम स्थल पर टेंट लगाने का कार्य भी शुरू कर दिया गया है. गौरतलब है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पहले भी आपकी योजना, आपकी सरकार–आपके द्वार कार्यक्रम में हिस्सा ले चुके हैं और 2023 के बाद से वे पलामू में पांच से अधिक बार दौरा कर कई प्रमुख घोषणाएं कर चुके हैं.

ब्रीफ न्यूज

जमशेदपुर : घर से 20 लाख के जेवर चुरा ले भागे चोर

जमशेदपुर। शहर के उलीडीह थाना से महज 200 मीटर की दूरी पर स्थित एक मकान में चोरों ने बीती रात लगभग 20 लाख रुपये के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया. जानकारी के अनुसार, पवन कुमार नामक व्यक्ति मंगलवार की रात आदित्यपुर में एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे. देर रात जब वह घर लौटे, तो उन्होंने देखा कि मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ है और घर में रखे सभी कीमती जेवरात गायब हैं.सूचना मिलते ही उलीडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. स्थानीय लोगों का कहना है कि बीते एक महीने में कई थाना क्षेत्रों में लगातार चोरी की घटनाएं हुई हैं, जिससे लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है. उलीडीह थाना प्रभारी ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और लिखित शिकायत मिलते ही मामले की औपचारिक जांच शुरू की जाएगी.

52 लाख की ठगी में फरार आरोपी के घर इश्तेहार चिपकाया

जल्द ही होगी कुर्की-जब्ती

धनबाद। धनबाद में 52 लाख रुपये की ठगी के एक पुराने मामले में वर्षों से फरार चल रहे आशीष कुमार गुप्ता पर पुलिस ने सख्ती बढ़ा दी है. बुधवार को पुलिस टीम ने बलवाड़ी स्थित उसके घर के मुख्य द्वार पर कोर्ट के आदेश के आधार पर इश्तेहार चस्पा कर दिया. मामला धनसार थाना क्षेत्र में दर्ज उस शिकायत से जुड़ा है, जिसमें पीड़ित अमित कुमार ने आरोप लगाया था कि आशीष गुप्ता ने जमीन और घर दिलाने के नाम पर उससे 52 लाख रुपये लिए, लेकिन न संपत्ति उपलब्ध कराई और न ही रकम वापस लौटाई.पीड़ित के अनुसार, यह पहला मामला नहीं है.आरोपी के खिलाफ कई अन्य शिकायतें भी लंबित हैं, जिनकी जांच पुलिस कर रही है. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले ही वारंट जारी किया जा चुका था, लेकिन वह लगातार पुलिस और अदालत की प्रक्रिया से बचता रहा. इसी कारण अब इश्तेहार चश्पा किया गया है. पुलिस ने कहा है कि आशीष गुप्ता जल्द सामने नहीं आता, तो अगला कदम उसकी संपत्ति की कुर्की-जब्ती होगी.

ऐतिहासिक फैसला: सहिया, सहिया साथी, बीटीटी और एसटीटी का मानदेय बढ़ा

सहिया बहनें हैं स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ : डॉ. इरफान अंसारी

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा

- **दिन-रात जनता की सेवा करने वाली सहिया बहनों को मिलेगा पूरा सम्मान**
- **मरीजों को प्राइवेट में रेफर न करें, बेहतर इलाज को ही प्रमुख रूप से प्राथमिकता देना चाहिए**
- **गांव-गांव सेवा देने वालों को मिला सम्मान, पूरे प्रदेश में उत्साह की बयार**

शुभम संदेश। रांची

झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने के लिए राज्य सरकार ने बुधवार को ऐतिहासिक कदम उठाया. स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफ़ान अंसारी ने सहिया, सहिया साथी, प्रखंड प्रशिक्षक दल (बीटीटी) और राज्य प्रशिक्षक दल (एसटीटी) के मानदेय में बड़ी बढ़ोतरी की घोषणा की, जिससे जमीनी स्तर पर कार्यरत हजारों स्वास्थ्यकर्मियों को सीधा लाभ मिलेगा. डॉ. अंसारी ने कहा कि सहियाएं और उनका टीम राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं. उनका सम्मान और उचित मानदेय उनके अधिकार हैं. उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों से आग्रह किया कि वे हर मरीज का समय पर और बेहतर इलाज सुनिश्चित करें और अनावश्यक रूप से निजी अस्पतालों में रेफर करने से बचें.

मानदेय और प्रोत्साहन राशि में बदलाव:

1. **सहिया**
   - ग्रामीण: 39,964 I शहरी: 3,000
   - पहले: 2,000/माह
   - अब: अतिरिक्त 2,000/माह
   - कुल व्यय: 10,311.36 लाख
   - प्रोत्साहन राशि दोगुना हुई.
1. **सहिया साथी**
   - ग्रामीण: 2,295 I शहरी: 125
   - पहले: 375/माह (24 दिन तक)
   - अब: 50 प्रति दिन
   - कुल व्यय: 348.42 लाख
   - दैनिक आय में महत्वपूर्ण सुधार.
3. **प्रखंड प्रशिक्षक दल (बीटीटी)**
   - ग्रामीण: 388 शहरी: 44 एफपी: 194 आरकेएसके: 73
   - पहले: 650/माह (24 दिन तक)
   - अब: 80 प्रति दिन
   - कुल व्यय: 161.05 लाख
   - फील्डवर्क का वास्तविक मूल्य मिला.
4. **राज्य प्रशिक्षक दल (एसटीटी)**
   - कुल: 48
   - पहले: 850/माह
   - अब: 100 प्रति दिन
   - कुल व्यय: 13.82 लाख
   - प्रशिक्षण व्यवस्था में मजबूती.

कुल अतिरिक्त व्यय: 10,834.65 लाख

कठिन परिश्रम और सेवा भावना का सम्मान :डॉ अंसारी

सरकार के इस निर्णय के बाद पूरे प्रदेश में स्वास्थ्यकर्मियों में उत्साह की लहर दौड़ गई. सभी ने स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफ़ान अंसारी के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि यह बढ़ोतरी उनके जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाएगी और काम करने की प्रेरणा बढ़ाएगी.डॉ. अंसारी ने कहा, "सहिया, सहिया साथी, बीटीटी और एसटीटी झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था की असली शक्ति हैं. उनके मानदेय में वृद्धि केवल कागज़ पर निर्णय नहीं, बल्कि उनके कठिन परिश्रम और सेवा भावना का सम्मान है. यह निर्णय न केवल उनके जीवन में स्थायी बदलाव लाएगा, बल्कि राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को नई दिशा देगा."

धनबाद एसएनएमएमसीएच के आईसीयू में घुसा सियार, बेड के नीचे छिपा रहा

धनबाद। धनबाद मेडिकल कॉलेज (एसएनएमएमसीएच) अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं. मंगलवार तड़के लगभग चार बजे एक अप्रत्याशित घटना ने अस्पताल प्रशासन की नींद उड़ा दी. अस्पताल की इमरजेंसी बिल्डिंग स्थित सर्जिकल आईसीयू में अचानक एक सियार घुस आया.प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सियार बिना किसी रोक-टोक के मुख्य गेट से अंदर प्रवेश कर सीधे इमरजेंसी कॉरिडोर पार करते हुए सर्जिकल आईसीयू तक पहुंच गया. आश्चर्य की बात यह रही कि सुरक्षाकर्मियों को इसके प्रवेश का पता ही नहीं चला.आईसीयू में पहुचने के बाद सियार एक बेड के नीचे छिप गया. इस दौरान एक इमरजेंसी कर्मचारी ने उसे देखा और तुरंत कार्रवाई करते हुए स्टाफ की मदद से आईसीयू से बाहर निकाला. कुछ देर की अफरा-तफरी के बाद सियार उसी रास्ते से मुख्य गेट के बाहर भाग गया.घटना के बाद अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं कि कैसे एक जंगली जानवर बिना किसी रोक-टोक के अस्पताल के सबसे संवेदनशील क्षेत्र तक पहुंच गया.

सारंडा में नक्सलियों का सफाया जल्द ही होगा: प्रभारी डीजीपी

चाईबासा/रांची। झारखंड की प्रभारी डीजीपी तदाशा मिश्रा बुधवार को चाईबासा पहुंचीं. उनका स्वागत जिला प्रशासन और सुरक्षा बलों ने टाटा कॉलेज मैदान स्थित हेलीपैड पर किया. हेलीपैड से डीजीपी सीधे पुलिस कार्यालय स्थित सभागार पहुंचीं, जहां नक्सल उन्मूलन से जुड़ी तैयारियों और अभियानों की समीक्षा की गई. बैठक में सारंडा जंगल क्षेत्र में नक्सलियों की गतिविधियों, सर्च ऑपरेशन के दौरान आने वाली चुनौतियों, बलों की तैनाती और संसाधनों की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई.

सारंडा अभियान पर डीजीपी का स्पष्ट संदेश : प्रभारी डीजीपी तदाशा मिश्रा ने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान फील्ड में कठिन होते हैं, लेकिन पुलिस, सीआरपीएफ, कोबरा और जगुआर की संयुक्त टीम लगातार सफलता हासिल कर रही है. उन्होंने भरोसा दिलाया कि सारंडा में सक्रिय नक्सलियों को जल्द खत्म किया जाएगा.

विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पहले मंत्रिमंडल विस्तार ! सोमेश सोरेन बनाए जा सकते हैं नए मंत्री

संजीव झा। रांची

झारखंड में विधानसभा के शीतकालीन सत्र से पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के मंत्रिमंडल का विस्तार होने की संभावना है. सूत्रों के अनुसार, घाटशिला विधानसभा उप चुनाव जीतने वाले सोमेश सोरेन को मंत्री पद की शपथ दिलाने पर विचार चल रहा है. मुख्यमंत्री स्तर पर इस मामले पर अंतिम निर्णय प्रक्रिया में है.घाटशिला उप चुनाव में रिकॉर्ड मतों से जीत हासिल करने वाले सोमेश सोरेन ने अपने पिता स्वर्गीय रामदास सोरेन के राजनीतिक वारिस के रूप में जनता का भरोसा कायम किया है. इस जीत के बाद न केवल सोमेश का राजनीतिक कद बढ़ा है, बल्कि झामुमो और हेमंत सोरेन सरकार की स्थिति भी मजबूत हुई है. घाटशिला की जनता ने अपने मतों से यह स्पष्ट संदेश दिया है कि वे सोमेश को अपने प्रतिनिधि के रूप में देखना चाहते हैं.

रामदास सोरेन के निधन के बाद खाली हुआ था मंत्री पद : मंत्री का पद रामदास सोरेन के निधन के बाद खाली हुआ था. रामदास सोरेन स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग संभालते थे और उनके निधन के बाद यह विभाग फिलहाल मुख्यमंत्री के पास है. विधानसभा उप चुनाव से पहले ही सोमेश को मंत्री बनाए जाने की मांग उठी थी. पार्टी की अंदरूनी बैठकों में भी यह कहा गया कि जिस तरह हाजी हुसैन अंसारी और जगरनाथ महतो की मौत के बाद उनके परिवार के सदस्य मंत्री बनाए गए, उसी तर्ज पर सोमेश को भी मंत्री बनाना उचित होगा. मुख्यमंत्री ने घाटशिला चुनावी सभा में चुनाव के बाद उनके मंत्री बनने का संकेत पहले ही दिया था.

राजद कोटे के मंत्री संजय प्रसाद यादव बने रहेंगे : वहीं, सहयोगी दलों की स्थिति पर नजर डालें तो राजद कोटे के मंत्री संजय प्रसाद यादव को हटाने पर फिलहाल कोई विचार नहीं है. कांग्रेस कोटे के मंत्रियों या उनके विभागों में फेरबदल का निर्णय पूरी तरह कांग्रेस पर निर्भर है. वर्तमान में कांग्रेस आलाकमान ने सरकार को ऐसा कोई संकेत नहीं दिया है. हेमंत सोरेन भी राजद और कांग्रेस को अभी किसी प्रकार की परेशानी में नहीं डालना चाहते.जानकारों का कहना है कि बिहार चुनाव के बाद सहयोगी दल खुद डिमोरलाइज हैं, ऐसे में उन्हें मजबूरी में और डिमोरलाइज करना राजनीतिक समझदारी नहीं होगी.

शीतकालीन सत्र से पहले मंत्री का रिक्त पद भरने की तैयारी

झामुमो के लिए भी यह समय महत्वपूर्ण है, क्योंकि कोल्हान क्षेत्र से संताल जनजाति का एक और प्रतिनिधि मंत्री बनाकर अपनी पकड़ को और मजबूत करना जरूरी हो गया है. पांच दिसंबर से शुरू होने वाले झारखंड विधानसभा के शीतकालीन सत्र में कुल पांच कार्य दिवस होंगे और सरकार के शीर्ष स्तर पर यह निर्णय लिया गया है कि सत्र से पहले मंत्रिमंडल में रिक्त पद को भर दिया जाए.

झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 से, 8 दिसंबर को पेश होगा अनुपूरक बजट

रांची। झारखंड विधानसभा का शीतकालीन सत्र 5 दिसंबर से शुरू होगा. 11 दिसंबर तक चलने वाले इस सत्र में कुल 5 कार्य दिवस होंगे. सत्र के पहले दिन 5 दिसंबर को शोक प्रकाश होगा और घाटशिला के नवनिर्वाचित विधायक सोमेश चंद्र सोरेन को शपथ दिलायी जाएगी. 8 दिसंबर को सदन में वित्तीय वर्ष 2025-26 का द्वतीय अनुपूरक बजट पेश होगा. 9 दिसंबर को प्रश्नकाल और शून्यकाल के बाद अनुपूरक बजट पर सामान्य वाद-विवाद होगा. सत्र में चार दिन प्रश्नकाल होगा, जिसमें विधायक सरकार से सवाल पूछ सकेंगे. 10 और 11 दिसंबर को राजकीय विधेयकों और अन्य सरकारी कामकाज पर चर्चा होगी.

बच्चे की कनपट्टी पर पिस्टल सटाकर महिला से लाखों के जेवरात की लूट, पुलिस कर रही छापेमारी

मेदिनीनगर। मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के छेचानी टोला में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब बाइक सवार तीन अपराधियों ने एक महिला के घर में घुसकर उसके छोटे बच्चे की कनपटी पर पिस्टल सटा दी और लाखों के जेवरात लूट लिए. पीड़िता का पति रांची फायर ब्रिगेड में कार्यरत है. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी. पुलिस ने शक के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया है.

बच्चे को पकड़कर बनाया दबाव, 3.50 लाख के जेवरात लेकर फरार पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पूनम तिवारी अपने छोटे बच्चे के साथ घर में अकेली थीं. इसी दौरान तीन अपराधी बाइक से उनके घर पहुंचे और अंदर घुसते ही बच्चे को अपने कब्जे में ले लिया. पिस्टल दिखाकर अपराधियों ने महिला से कहा कि यदि बच्चे की जान प्यारी है, तो सारे जेवरात निकालकर दे दो. डर के मारे पूनम तिवारी ने उन्हें लगभग 3.50 लाख रुपये के जेवर और मोबाइल सौंप दिया. लुटेरे जेवर लेकर मौके से फरार हो गए.

अपराधियों की तलाश में छापेमारी जारी : घटना की सूचना मिलते ही मेदिनीनगर टाउन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के इलाकों में छानबीन शुरू की. पुलिस कई जगहों पर छापेमारी कर रही है और कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान कुछ महत्वपूर्ण सुराग हाथ लगे हैं. थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार ने बताया कि अपराधियों को पहले से पता था कि महिला अपने बच्चे के साथ घर में अकेली रहती है. पीड़िता ने थाना में आवेदन देकर पूरे मामले की जानकारी दी है. अपराधियों की पहचान व गिरफ्तारी के लिए छेपामारी की जा रही है.

नगर निकाय चुनाव आरक्षण पर हाईकोर्ट सख्त, सरकार और चुनाव आयोग को जवाब दाखिल करने का निर्देश

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में नगर निकाय चुनावों के लिए तय किए गए आरक्षण को लेकर दाखिल याचिका पर हाईकोर्ट में सोमवार को अहम सुनवाई हुई. अदालत ने इस मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए राज्य सरकार और राज्य निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया है तथा दोनों को विस्तृत जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है. अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 17 दिसंबर तय की है.

यह याचिका शांतनु कुमार चंद्र उर्फ बबलू पासवान की ओर से दायर की गई है. उन्होंने रांची और धनबाद नगर निगम में महापौर पद के लिए तय आरक्षण को चुनौती दी है. याचिकाकर्ता का कहना है कि रांची नगर निगम में महापौर का पद अनुसूचित जनजाति (एसटी) को आरक्षित किया गया है, जो वहां की जनसंख्या के आधार पर उचित है, लेकिन धनबाद में एससी समुदाय की आबादी अधिक होने के बावजूद महापौर का पद सामान्य श्रेणी में रखा गया है, जो नियमों के खिलाफ है.

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता बिनोद सिंह ने तर्क दिया कि आरक्षण निर्धारण का आधार संबंधित नगर निगम की जातिगत जनसंख्या होनी चाहिए. उनका कहना था कि धनबाद नगर निगम क्षेत्र में अनुसूचित जाति की जनसंख्या अधिक है, फिर भी उस वर्ग को आरक्षण नहीं दिया गया. इसे नियमों का उल्लंघन बताते हुए उन्होंने न्यायालय से हस्तक्षेप की मांग की. हाईकोर्ट ने सभी पक्षों से विस्तृत प्रतिशपथ पत्र (अफिडेविट) दाखिल करने को कहा है, जिसके बाद आगामी सुनवाई में इस मसले पर आगे की कार्यवाही होगी. 17 दिसंबर को मामले पर फिर से विचार किया जाएगा.

धनबाद के भाजपा विधायक राज सिन्हा चुने गये सर्वश्रेष्ठ विधायक, चयन समिति की बैठक में बने पहली पसंद

शुभम संदेश। रांची

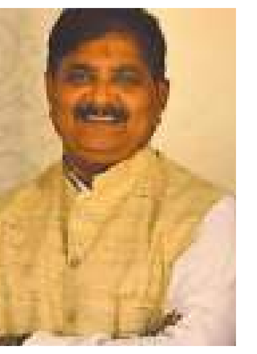

धनबाद के विधायक राज सिन्हा को वर्ष 2025 का भगवान बिरसा मुंडा उत्कृष्ट विधायक पुरस्कार दिए जाने की घोषणा की गई है. बुधवार दोपहर 12:30 बजे झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो के कांके रोड स्थित आवासीय कार्यालय में उत्कृष्ट विधायक चयन समिति की बैठक हुई, जिसमें सर्वसम्मति से राज सिन्हा का चयन किया गया.बैठक की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो ने की. समिति में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, स्टीफन मरांडी, रामचंद्र सिंह, नवीन जयसवाल, पत्रकार दीर्घा समिति के संयोजक आनंद मोहन और प्रभारी सचिव माणिक लाल हेम्ब्रम शामिल थे.

समिति ने उत्कृष्ट विधायक के साथ-साथ छह उत्कृष्ट विधानसभा कर्मियों का भी चयन किया है. सभी को स्व. कपिलेश्वर प्रसाद पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा. चयनित कर्मियों में शामिल हैं

1. संतोष कुमार सिंह, संयुक्त सचिव
2. नीलम कुजूर, प्रशाखा पदाधिकारी
3. मो. शाहिद हैदर, सहायक प्रशाखा पदाधिकारी
4. राकेश कुमार सिंह, पर्यवेक्षक उद्यान
5. मन्नू राम, अनुसेवक
6. रवींद्र पाल, अनुसेवक

पुरस्कार वितरण 22 नवंबर 2025 को स्थापना दिवस समारोह के दौरान किया जाएगा. इस अवसर पर राज्यपाल राज सिन्हा को प्रशस्ति पत्र, शॉल, मोमेंटो और 51,000 रुपये की सम्मान राशि प्रदान करेंगे. वहीं उत्कृष्ट कर्मियों को मुख्यमंत्री के हाथों प्रशस्ति पत्र, शॉल, मोमेंटो और 21,000 रुपये सम्मान राशि दी जाएगी.

जानिए कौन हैं राज सिन्हा?

राज सिन्हा धनबाद से भाजपा के विधायक हैं. वे पिछले विधानसभा चुनाव में लगातार तीसरी बार विधायक बने हैं. साल 2014 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने युवा नेता राज सिन्हा को धनबाद विधानसभा सीट से चुनावी मैदान में उतारा था. सिन्हा ने कांग्रेस नेता मन्नान मल्लिक को 50 हजार से अधिक वोटों से पराजित किया था. 2019 में एक बार फिर से भाजपा आलाकमान ने राज सिन्हा पर भरोसा जताया और इस बार भी उन्होंने आलाकमान को निराश नहीं किया और दोबारा मन्नान मल्लिक को 30 हजार से अधिक वोटों से हराया. 2024 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने तीसरी बार राज सिन्हा पर अपना विश्वास जताया. राज सिन्हा ने भी विश्वास को न तोड़ते हुए जीत की हैट्रिक लगाई. इस तरह भाजपा के अंदर और बाहर एक अलग छवि बनाने में वे सफल हुए.

पीस रोड लालपुर स्थित पटेल भवन में अखंड श्री हनुमान चालीसा पाठ में उमड़े श्रद्धालु, श्रीराम और हनुमान के गुणगान ने श्रद्धालुओं को भक्ति से जोड़ा

हनुमानजी की कृपा जिस पर बरसनी शुरू होती है, उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता : संतोष भाई

शुभम संदेश। रांची

श्री श्री नरसिंह बांध बालाजी धाम बर्नपुर के प्रमुख संतोष भाई का कहना है कि हिंदू धर्म के सबसे जाग्रत और सर्वशक्तिशाली देवताओं में एकमात्र हनुमानजी की कृपा जिस पर बरसनी शुरू होती है, उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता. दस दिशाओं और चारों युग में उनका प्रताप है. इसीलिए कहा गया है चारों जुग परताप तुम्हारा, है परसिद्ध जगत उजियारा... हनुमानजी इस कलियुग में सबसे ज्यादा जाग्रत और साक्षात हैं. उनकी कृपा पाने के लिए श्री हनुमान चालीसा का पाठ, बजरंग बाण का पाठ और श्री सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए.

पीस रोड लालपुर स्थित पटेल भवन में आयोजित अखंड सवा लाख श्री हनुमान चालीसा पाठ के सातवें दिन अयोध्या से आए प्रख्यात कथावाचक दिलीप दास त्यागी ने तुलसी विवाह, श्रीराम के स्वयंवर और पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के दिव्य स्वरूप पर अत्यंत हृदयस्पर्शी कथा सुनायी. श्रीसुंदरकांड वाचक सुरेश बजाज और उनकी टोली ने संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया. उसके मुख्य जजमान ललित केजरीवाल ने धर्मपत्नी के साथ पूजा-अर्चना की. भजन संध्या में आसनसोल से आए जाने-माने भजन गायक अमित कुमार ने एक के बाद एक भजन गाकर श्रद्धालुओं को राम और हनुमान भक्ति से जोड़ा.

सुबह की आरती के मुख्य यजमान अनिल अग्रवाल और शोभा अग्रवाल रहे.पूजा-अर्चना और आरती प्रवीन भुकानिया, अर्पित रूंगटा और संजय अग्रवाल द्वारा कराई गई. भंडारे की व्यवस्था विमल अग्रवाल, रिचा और हरीश अग्रवाल, संजय अग्रवाल व आनंद पंसारी ने की. सवामणी प्रसाद ललित केजरीवाल और लव अग्रवाल द्वारा निवेदित की गयी. श्री सुंदरकांड पाठ के लिए मुख्य यजमान ललित केजरीवाल ने सपत्नीक पूजा-अर्चना की.कथा वाचक सुरेश बजाज जी ने भक्तिभाव से सुंदरकांड का पाठ सुनाया. भजनों की अमृत व,र् से पूर्व मुख्य यजमान लव अग्रवाल ने सपरिवार पूजा-अर्चना की और भजनों का देर रात तक आनंद लिया.

श्री नरसिंह बांध बालाजी धाम रांची शाखा के अनिल अग्रवाल, राजेश लड़या, पवन अग्रवाल, संदीप गोयल, अंकित अग्रवाल, विनोद कुमार पांडेय, शीतल प्रसाद पांडेय सहित अन्य सदस्य सपरिवार आयोजन को सफल में तन, मन, धन से दिन-रात जुटे हैं. दिन भर श्रद्धालु श्री नरसिंह बांध बालाजी धाम, बर्नपुर आसनसोल से पधारे संतोष भाई जी आशीर्वाद प्राप्त करने के साथ रोजी-रोजगार सहित अन्य समस्याओं के समाधान के लिए उनका मार्गदर्शन प्राप्त कर रहे हैं.

श्रद्धदालुओं का कहना है कि संतोष भाई जी के मार्गदर्शन से उनमें उत्साह व नयी ऊर्जा का संचार होता है. गुरुवर संतोष भाई जी सभी भक्तों को ज्यादा से ज्यादा से श्री हनुमान चालीसा का पाठ करने को प्रेरित करते हैं. उनका कहना है कि हनुमान जी कृपा से सभी भक्तों के बिगड़े काम बनते हैं, बस हनुमान जी महाराज की सच्चे मन से आराधना करनी है. श्री हनुमान चालीसा का पाठ शांत और एकाग्रचित्त होकर करना है.

झारखंड में अब सिर्फ डीआईजी रैंक के अधिकारी ही जारी कर सकेंगे ऑनलाइन टेकडाउन नोटिस

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सीआईडी ने साइबर सुरक्षा और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर नियंत्रण को लेकर एक अहम आदेश जारी किया है. नए निर्देशों के तहत अब डीआईजी रैंक से नीचे का कोई भी अधिकारी ऑनलाइन सामग्री हटाने (टेकडाउन) के लिए नोटिस जारी नहीं कर सकेगा. यह व्यवस्था सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशा-निर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम, 2021 में हाल ही में किए गए संशोधनों के अनुरूप लागू की गई है.

झारखंड सीआईडी के आईजी द्वारा जारी आदेश में सीआईडी के डीआईजी को टेकडाउन नोटिस के लिए नोडल अधिकारी नामित किया गया है. यह प्रावधान 22 अक्टूबर को अधिसूचित जीएसआर 775(ई) के अनुसार लागू किया गया है, जिसमें स्पष्ट रूप से कहा गया है कि पुलिस विभाग में टेकडाउन नोटिस केवल डीआईजी स्तर के अधिकारी या उससे ऊपर ही अधिकृत कर सकेंगे.

क्या है टेकडाउन नोटिस?

टेकडाउन नोटिस एक कानूनी आदेश होता है, जिसके तहत डिजिटल प्लेटफॉर्म को किसी विशेष सामग्री को तुरंत हटाने का निर्देश दिया जाता है. यह सामग्री अवैध, म ा न ह ा निक ा र क , आपत्तिजनक या राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा हो सकती है. इसका उद्देश्य ऑनलाइन अवैध या भ्रामक सामग्री को हटाना और आवश्यकता पड़ने पर संबंधित व्यक्ति को जांच में सहयोग के लिए उपस्थित होने हेतु बाध्य करना होता है.

पहली बार पूरे राज्य में एक साथ निकाय चुनाव आरक्षण आवंटन की नई नियमावली लागू

ईवीएम की कमी, बैलेट पेपर से चुनाव कराने का निर्णय, जिलों को वार्डवार आरक्षण तय करने का निर्देश

शुभम संदेश। रांची

राज्य में होने वाले नगर निकाय चुनाव अब बैलेट पेपर से होंगे. ईवीएम की कमी के चलते राज्य निर्वाचन आयोग ने यह फैसला लिया है. आयोग सूत्रों के अनुसार निर्वाचन आयोग पहले एम-2 ईवीएम मशीनें इस्तेमाल करता था, जो अब आउटडेटेड हो चुकी हैं. नई एम-3 मशीनों को आयोग राज्यों को अब लोन पर उपलब्ध नहीं कराता. इसी कारण कई राज्य निकाय चुनावों के लिए अपनी मशीनें खुद खरीद रहे हैं या अन्य राज्यों से उधार ले रहे हैं.

झारखंड सरकार ने मध्य प्रदेश सहित अन्य राज्यों से ईवीएम मांगने की कोशिश की, लेकिन सहयोग न मिलने और राज्य की कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण नई मशीनें खरीदना संभव नहीं हो पाया. ऐसे में बैलेट पेपर से चुनाव कराने पर सभी संबंधित पक्षों की सहमति बन गई है. यह फैसला इंडिया गठबंधन की उस मांग के अनुरूप भी है, जिसमें वे ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाते रहे हैं. अनुमान है कि नगर निकाय चुनाव जनवरी के बाद ही कराए जाएंगे, जिसके लिए राज्य सरकार ने हाईकोर्ट से तीन माह का समय मांगा है.

वार्डवार ओबीसी जनसंख्या अधिसूचित, आरक्षण तय करने का निर्देश : नगर विकास विभाग ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की अनुशंसा के आधार पर सभी नगर निगमों, नगर परिषदों और नगर पंचायतों में वार्डवार बीसी-1 और बीसी-2 जनसंख्या का आंकड़ा जारी कर दिया है. इसी आधार पर राज्य निर्वाचन आयोग और जिलों को आरक्षण तय करने का निर्देश दिया गया है. एकल पदों, जैसे मेयर, डिप्टी मेयर, अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का आरक्षण आयोग तय करेगा, जबकि वार्डों का आरक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी करेंगे.

कैसे होगा आरक्षण और आवंटन : इस बार पहली बार राज्य के सभी निकायों का चुनाव एक साथ होने जा रहा है. इसे राज्य का 'पहला निकाय चुनाव' मानते हुए नगर विकास विभाग ने आरक्षण और आवंटन की नई नियमावली तैयार की है.

- एकल पदों पर एसटी व एससी का आरक्षण राज्य की कुल जनसंख्या के आधार पर तय होगा.
- ओबीसी का आरक्षण संबंधित निकाय क्षेत्र की जनसंख्या के आधार पर निर्धारित किया जाएगा, क्योंकि ग्रामीण ओबीसी का अलग आंकड़ा राज्य के पास उपलब्ध नहीं है.
- सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार निकाय चुनावों में कुल आरक्षण सीमा 50% होगी.
- एसटी, एससी, बीसी-1 और बीसी-2, इन चारों श्रेणियों में 50% महिलाओं का क्षैतिज आरक्षण भी लागू होगा.

आरक्षण आवंटन अवरोही क्रम में सबसे पहले जिस नगर निगम में एसटी जनसंख्या सबसे अधिक होगी, वहां एकल पद एसटी के लिए आरक्षित होगा. इसके बाद अवरोही क्रम में एससी, बीसी-1 और बीसी-2 को आरक्षण मिलेगा. पांचवें स्थान पर सामान्य वर्ग की सीट होगी. अगले चुनाव में यह रोस्टर बदल जाएगा. पहला नंबर एससी, दूसरा बीसी-1, तीसरा बीसी-2, चौथा सामान्य और पांचवां एसटी के लिए होगा.

एक नजर

हजारीबाग वन भूमि घोटाला: विनय सिंह की जमानत याचिका पर अब 26 नवंबर को होगी सुनवाई

रांची। आईएएस विनय चौबे के हजारीबाग डीसी रहने के दौरान हुई वन भूमि की कथित अवैध खरीद-बिक्री और नियमों के विरुद्ध किए गए म्यूटेशन से जुड़े मामले में मुख्य आरोपी विनय सिंह की जमानत याचिका पर झारखंड हाईकोर्ट में जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी की अदालत में बुधवार को सुनवाई हुई. सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता ने बहस के लिए अतिरिक्त समय की मांग की, जिसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई की तारीख 26 नवंबर तय की एसीबी के कांड संख्या 11/2025 में ऑटोमोबाइल कारोबारी विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह नामजद आरोपी हैं. दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, विवादित भूमि हजारीबाग के सदर अंचल, थाना नंबर 252 क्षेत्र में स्थित है. इसमें खाता नंबर 95 के प्लॉट नंबर 1055, 1060 और 848 कुल 28 डिसमिल तथा खाता नंबर 73 के प्लॉट नंबर 812 का 72 डिसमिल क्षेत्र शामिल है. यह भूमि बभनवे मौजा, हल्का नंबर 11 में आती है. एसीबी का कहना है कि उक्त जमीन पर दंपती का कब्जा है और वर्तमान में यहां नेक्सजेन का शोरूम संचालित हो रहा है.

तीन साल में एक भी गवाह पेश नहीं होने पर दहेज हत्या के आरोपी अवनीश दुबे बरी किए गए

रांची। दहेज हत्या के गंभीर आरोप में लंबित एक मामले में अदालत ने अभियोजन पक्ष की विफलता को गंभीरता से देखते हुए आरोपी पति अवनीश कुमार दुबे को दोषमुक्त कर दिया. सिविल कोर्ट रांची के अपर न्यायायुक्त-15 की अदालत ने कहा कि तीन वर्षों के दौरान अभियोजन पक्ष एक भी गवाह अदालत में पेश करने में असफल रहा, जिससे मामला 'नो एविडेंस' की स्थिति में पहुंच गया.मामला वर्ष 2020 में दीपिका कुमारी की संदिग्ध मौत से जुड़ा है. मृतका के पिता जितेंद्र मिर्धा ने आरोप लगाया था कि 2018 में शादी के बाद से अवनीश और उसकी बहन पूनम कुमारी अधिक दहेज की मांग को लेकर दीपिका को प्रताड़ित करते थे. उन्होंने संदेह जताया कि 7 सितंबर 2020 को दीपिका को जहर देकर मार दिया गया.जांच के बाद सुखदेव नगर थाना पुलिस ने दहेज हत्या का आरोप मानते हुए चार्जशीट दाखिल की थी। 8 जुलाई 2022 को अदालत ने आरोप तय कर ट्रायल शुरू किया. रिकॉर्ड के अनुसार, 20 जुलाई 2023 को गवाहों को पहली बार समन भेजा गया. इसके बाद 13 अक्टूबर 2023 को जमानती और 11 जून 2024 को गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया. वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को पत्र लिखकर गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा गया, लेकिन तीन साल में एक भी गवाह पेश नहीं हुआ. अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष आरोप साबित करने में पूरी तरह असफल रहा और इसी आधार पर अवनीश कुमार दुबे को बरी किया जाता है.

घूस लेते ईस्ट सेंट्रल रेलवे के अधिकारी सहित चार गिरफ्तार झारखंड, बिहार, बंगाल व छत्तीसगढ़ में सीबीआई की छापेमारी

रांची। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बुधवार को ईस्ट सेंट्रल रेलवे, हाजीपुर के डिप्टी चीफ इंजीनियर आलोक कुमार सहित चार लोगों को रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अन्य लोगों में मेसर्स जेपीडब्ल्यू इंफ्राटेक के प्रोजेक्ट मैनेजर गोविंद भुल्लर, कंपनी के कर्मचारी सूरज प्रसाद और हाजीपुर रेलवे कार्यालय के अधीक्षक आलोक कुमार दास शामिल हैं. छापेमारी के दौरान सीबीआई ने अलग-अलग लिफाफों में रखे 98.81 लाख रुपये बरामद किए हैं. सूत्रों के अनुसार, सीबीआई को सूचना मिली थी कि हाजीपुर के डिप्टी चीफ इंजीनियर सहित कुछ रेलवे अधिकारी जेपीडब्ल्यू इंफ्राटेक के साथ मिलीभगत कर कंपनी को अनुचित लाभ पहुंचा रहे थे. बताया गया कि निर्माण कार्यों में घटिया सामग्री का उपयोग किया जा रहा था, लेकिन कथित रूप से अधिकारियों द्वारा अनदेखी की जा रही थी. बदले में कंपनी द्वारा अधिकारियों को घूस देने की बात सामने आई. शिकायत और प्राथमिकी दर्ज होने के बाद सीबीआई टीम ने घूस के लेनदेन में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए जाल बिछाया और बुधवार को चारों को गिरफ्तार कर लिया. इसके बाद सीबीआई की टीमें झारखंड, बिहार, बंगाल और छत्तीसगढ़ में कुल 11 ठिकानों पर छापेमारी कर रही हैं, जिनमें झारखंड का एक, बिहार के पांच, छत्तीसगढ़ के तीन और पश्चिम बंगाल के दो ठिकाने शामिल हैं.

अबू धाबी में बीएपीएस हिंदू मंदिर का रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने दर्शन किया, पूजा-अर्चना की

रांची। अबू धाबी स्थित स्वामी नारायण संस्था द्वारा स्थापित बीएपीएस हिंदू मंदिर का केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने दर्शन किया. मंदिर में स्वामी नारायण प्रभु, प्रभु श्रीराम, माता जानकी से विश्व शांति की कामना की. कहा कि सनातन संस्कृति के प्रसार और ₹वसुधैव कुटुम्बकम₹ के संदेश के साथ मंदिर परिवार का कार्य सराहनीय है. इस मंदिर का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था. प्रधानमंत्री ने मंदिर को सद्भाव, सांस्कृतिक गौरव और वैश्विक एकता का प्रतीक बताया था. इस अवसर पर पूज्य उत्तमनिलयदास स्वामी, पूज्य नारायणसेवादास स्वामी, प्रणव देसाई (निदेशक, बीएपीएस हिंदू मंदिर), उमेश राजा (प्रमुख, अतिथि सेवा दल, बीएपीएस हिंदू मंदिर) भी उपस्थित रहे.

संतोष जैन के नेतृत्व में जैन समाज के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य व नेत्र जांच शिविर आयोजित

शुभम संदेश। रांची

भगवान महावीर हॉस्पिटल संस्थान एवं भगवान महावीर मणिपाल अस्पताल, रांची के सहयोग से श्री दिगंबर जैन समाज के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया. यह शिविर रविवार को अपर बाज़ार स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में समाज के अध्यक्ष संतोष जैन पाटनी एवं सचिव पंकज सेठी के नेतृत्व में लगा, जिसमें सैकड़ों लोगों ने अपने स्वास्थ्य की जांच करायी.

भगवान महावीर हॉस्पिटल एवं रिसर्च सेंटर संस्थान की पहल पर आयोजित इस शिविर में अध्यक्ष संतोष जैन पाटनी, सचिव पंकज सेठी, गोविंद सरावगी, डॉ वीके जैन, पूर्व अध्यक्ष पूरणमल जैन, आई कमेटी के चेयरमैन कमल विनायक्या, मंत्री जितेंद्र छाबड़ा तथा मणिपाल रांची के निदेशक आबिद तौकीर की महत्वपूर्ण भूमिका रही. शिविर के संचालन में कोषाध्यक्ष जितेंद्र छाबड़ा, सह सचिव रोहित जैन, अमित जैन एवं पौरुष जैन सक्रिय रहे.

कार्यक्रम में नरेंद्र जैन, अजय जैन, हरीश दोषी, राकेश जैन, संजीव गंगवाल, पदमचंद जैन, रामपाल जैन, संजय छाबड़ा, संजय पाटनी, विनीता सेठी, सुरेश जैन, नरेंद्र गंगवाल, शांतनु भट्टाचार्य, मुकुल मिश्रा, रक्षा पटेरिया, दिनेश सिंह सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे. शिविर की जानकारी पब्लिक रिलेशन प्रभारी पौरुष जैन ने दी.

अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क ईसीजी, रक्त जांच, शुगर, बीपी, पल्स, ऑक्सीजन सैचुरेशन, बीएमआई आदि परीक्षण किए गए तथा विशेषज्ञ डॉक्टरों ने निःशुल्क परामर्श दिया. महावीर आई अस्पताल की डॉ. मयूरी भट्टाचार्य, डॉ. वर्तिका गुप्ता एवं तकनीशियनों ने निःशुल्क नेत्र जांच की. डॉ अभिनव मिश्रा, डॉ रोहित सेंगर, डॉ उत्कर्ष मिश्रा, डॉ दीपक कुमार, डॉ सिद्धार्थ कुमार एवं डॉ अरुमित पालित ने भी अपना परामर्श दिया.

शिविर में आई अस्पताल की टीम के साथ तकनीशियन शिवानंद प्रसाद, दुबराज महतो एवं नर्सिंग स्टाफ भी मौजूद रहे. जैन समाज एवं मणिपाल ग्रुप की इस पहल से रांची में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो रही हैं, जिससे लोगों को राज्य से बाहर जाने की आवश्यकता कम हुई है. साथ ही कैंसर विभाग शुरू किए जाने की प्रक्रिया जारी है, जिससे कैंसर पीड़ित मरीजों को किफायती और उन्नत इलाज मिल सकेगा.

झारखंड चैंबर और रांची सीए सोसाइटी ने ईएसआईसी आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया

विशेष रजिस्ट्रेशन अभियान की जानकारी दी गई, छूट 31 दिसंबर 2025 तक उपलब्ध

शुभम संदेश। रांची

फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज और रांची सीए सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को चैंबर भवन, रांची में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) के आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन किया गया. यह कार्यक्रम संगठित क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों और उनके आश्रितों को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से किया गया. ईएसआईसी भारत सरकार के श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत आता है और मासिक आय 21,000 या उससे कम वाले श्रमिकों को चिकित्सा, नगद, अपंगता, मातृत्व और आश्रित लाभ जैसी बहुमुखी सामाजिक सुरक्षा प्रदान करता है.बीमा आयुक्त प्रणय सिन्हा ने विशेष रजिस्ट्रेशन अभियान (स्प्री) की विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत नियोजकों को किसी दस्तावेज़ की आवश्यकता नहीं है और पिछले पांच वर्षों की देनदारी इस अभियान में शामिल नहीं होगी. यह छूट 1 जुलाई से 31 दिसंबर 2025 तक उपलब्ध है.

चैंबर अध्यक्ष आदित्य मल्होत्रा ने कहा कि ईएसआईसी का विशेष रजिस्ट्रेशन अभियान नियोक्ताओं और श्रमिकों दोनों के लिए महत्वपूर्ण पहल है. इससे श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा से जोड़ने में आसानी होगी और व्यापारियों को पुराने दायित्वों एवं जटिलताओं से राहत मिलेगी. चैंबर की श्रम एवं ईएसआईसी उप समिति के चेयरमैन प्रमोद सारस्वत ने नियोक्ताओं से आग्रह किया कि वे इस विशेष अभियान का लाभ उठाकर समय पर रजिस्ट्रेशन कराएं. रांची सीए सोसाइटी के चेयरमैन प्रवीण सिन्हा ने कहा कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से व्यापार जगत की समस्याओं को सरल बनाने का प्रयास जारी रहेगा.

ईएसआईसी के क्षेत्रीय निदेशक राजीव रंजन ने नियोजकों के सभी प्रश्नों का समाधान किया, जबकि सहायक निदेशक अभिषेक कुमार ने झारखंड चैंबर और रांची सीए सोसाइटी को कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद दिया और इसे निरंतर जारी रखने का आश्वासन दिया.

बैठक में चैंबर उपाध्यक्ष राम बांगड़, महासचिव रोहित अग्रवाल, उपाध्यक्ष अनिल जैन, चैंबर के कार्यकारिणी सदस्य मुकेश अग्रवाल, श्रम एवं ईएसआईसी उप समिति के चेयरमैन प्रमोद सारस्वत, सीए पंकज मक्कड़, कुणाल धेलानी, विनय भाकर, विनोद बंका, दीपक पटेल, राजीव टाक, अविनाश दिवान, मनीषा बियानी, श्रद्धा बगला, राजीव कमल बिट्टू, नीलेश पटेल के अलावा कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अधिकारी, चेंबर ऑफ कॉमर्स के साथ 50 से अधिक सीए और व्यापारी शामिल हुए

जयंती झारखंड कांग्रेस ने मनाई इंदिरा गांधी और सीताराम केशरी की जयंती, नेताओं ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

इंदिरा गांधी के चार मूल मंत्र- दूरदृष्टि, पक्का इरादा, कड़ी मेहनत और अनुशासन आज भी प्रासंगिक हैं

शुभम संदेश। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में भारत की पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न स्व. इंदिरा गांधी और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष स्व. सीताराम केशरी की जयंती प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, कांग्रेस भवन, रांची में मनाई गई.. इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव और कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी.

प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि पूरी दुनिया इंदिरा गांधी को नारी शक्ति और नेतृत्व का प्रतीक मानती है. उन्होंने देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया को नई दिशा दिखाई. उन्होंने सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में कांग्रेस के योगदान को जनता के सामने अनुकरणीय बनाया. महतो ने इंदिरा गांधी की भुवनेश्वर सभा के अंतिम वाक्य "मैं रहूं या न रहूं, मेरा एक-एक कतरा देश के काम आएगा" का उल्लेख करते हुए कहा कि यह आज सही साबित हो रहा है.उन्होंने आगे कहा कि इंदिरा गांधी के चार मूल मंत्र – दूरदृष्टि, पक्का इरादा, कड़ी मेहनत और अनुशासन – आज भी प्रासंगिक हैं. उनके देशभक्ति और समर्पण ने उन्हें महान व्यक्तित्व का बनाया और कांग्रेस संगठन को नई दिशा दी. विकासशील देशों की पंक्तियों में भारत को स्थापित करने में उनकी भूमिका अविस्मरणीय रही.

कांग्रेस विधायक दल के नेता प्रदीप यादव ने दोनों महान विभूतियों को नमन करते हुए सीताराम केशरी के जीवन और नेतृत्व पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि कुशल नेतृत्व के बल पर केशरी जी एक साधारण कार्यकर्ता से राष्ट्रीय अध्यक्ष तक पहुंचे. श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार बालमुचू, मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी, मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव, मार्केटिंग बोर्ड चेयरमैन रवीन्द्र सिंह, सुनील सिंह, कार्यालय सह-प्रभारी राजन वर्मा, पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य नरेश वर्मा, जगदीश साहु, रमा खालखो, निरंजन पासवान, गुंजन सिंह, सलीम खान, मनोज सहाय पिंकू, सतीश केडिया, अख्तर अली, जगरनाथ साहु, राजू राम, छोटू सिंह, अजय सिंह, रामानंद केशरी आदि शामिल थे.

अग्निवीर नर्स, नर्सिंग असिस्टेंट एवं क्लर्क भर्ती-2025 का लिखित परीक्षा परिणाम घोषित, चयनित अभ्यर्थी दस्तावेज सत्यापन के लिए करें रिपोर्ट

शुभम संदेश। रांची

आर्मी भर्ती कार्यालय ने अग्निपथ योजना के तहत आयोजित अग्निवीर नर्सिंग असिस्टेंट (एनए) और अग्निवीर क्लर्क/स्टोर कीपर टेक्निकल (एसकेटी) पदों की भर्ती के लिए आयोजित कॉमन एंट्रेंस एग्जामिनेशन (सीईई) के परिणाम बुधवार को आधिकारिक वेबसाइट पर जारी कर दिए हैं. चयनित सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे निर्धारित तिथि और समय पर रांची आर्मी भर्ती कार्यालय में उपस्थित हों, ताकि दस्तावेज सत्यापन, मेडिकल परीक्षण और अन्य औपचारिकताएँ समय पर पूरी की जा सकें.

दस्तावेज सत्यापन के लिए आवश्यक दस्तावेजः

- मूल प्रमाण पत्र के साथ दो सेट स्व-अभिप्रमाणित फोटोकॉपी
- ऑनलाइन परीक्षा का एडमिट कार्ड
- आधार कार्ड
- 10वीं एवं 12वीं की अंकतालिका एवं प्रमाण पत्र
- डोमिसाइल (झारखंड राज्य का स्थायी निवास प्रमाण-पत्र)
- जाति प्रमाण-पत्र (यदि लागू हो, केंद्र सरकार के प्रारूप में)
- चरित्र प्रमाण-पत्र (गजटेड ऑफिसर/सरपंच/प्रधान द्वारा जारी, 6 माह से पुराना न हो)
- एनसीसी प्रमाण-पत्र (यदि हो)
- खेल प्रमाण-पत्र (राष्ट्रीय/राज्य स्तर, यदि लागू हो)
- 20 पासपोर्ट साइज हालिया रंगीन फोटो (सफेद बैकग्राउंड)
- भर्ती रैली के समय जारी सभी दस्तावेज एवं स्लिप

नोटः दस्तावेज सत्यापन में अनुपस्थित रहने पर अभ्यर्थिता स्वतः रद्द मान ली जाएगी.अग्निवीर जनरल ड्यूटी (जीडी) एवं ट्रेड्समैन का लिखित परीक्षा परिणाम जल्द ही घोषित किया जाएगा. अभ्यर्थी नियमित रूप से आधिकारिक वेबसाइट joinindianarmy.nic.in पर अपडेट देखते रहें. सभी चयनित अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे बिना देरी किए निर्धारित समय-सारणी के अनुसार एआरओ रांची में रिपोर्ट करें.

बिरसा मुंडा जयंती पर निबंध प्रतियोगिता

रंका । अनुमंडल मुख्यालय स्थित परियोजना कन्या उच्च विद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई. राधा पार्वती एजुकेशनल एंड वेलफेयर ट्रस्ट, गढ़वा के सौजन्य से हुए इस आयोजन का उद्देश्य छात्राओं को बिरसा मुंडा के जीवन, संघर्षों और आदर्शों से परिचित कराना था. प्रतियोगिता में नैंसी मिश्रा प्रथम, माही कुमारी द्वितीय और किरण कुमारी गुप्ता तृतीय स्थान पर रहीं. कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. पातंजली केशरी, अभिजीत गौतम मिश्रा, रवि कुमार केशरी एवं संजय प्रसाद ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया. अतिथियों ने बिरसा मुंडा को देश का महानायक बताते हुए छात्राओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया.

21 नवंबर से 15 दिसंबर 2025 तक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, डीसी ने कहा

आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का लाभ उठाएं

शुभम संदेश । लातेहार

उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने जिले में 21 नवंबर से प्रारंभ होने वाले "आपकी योजना–आपकी सरकार–आपके द्वार" कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील जिलावासियों से की है. बुधवार को आयोजित प्रेस वार्ता में उपायुक्त ने बताया कि यह कार्यक्रम 21 नवंबर से 15 दिसंबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा. इस अभियान का मुख्य उद्देश्य आम जनता को राज्य सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं से परिचित कराना और उन्हें योजनाओं का लाभ सीधे उपलब्ध कराना है. उपायुक्त ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत विभिन्न विभागों की योजनाओं के आवेदन स्वीकार किए जाएंगे और ऑन-द-स्पॉट समस्याओं का निवारण भी किया जाएगा. साथ ही पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा. पंचायत स्तर पर शिविर आयोजित कर लोगों को योजनाओं की जानकारी दी जाएगी, ताकि अधिक से अधिक लोग इससे जुड़ सकें. मीडिया प्रतिनिधियों से भी इस अभियान के प्रचार-प्रसार में सहयोग करने की अपील की गई. इस कार्यक्रम में झारखंड सरकार की प्रमुख योजनाएँ शामिल हैं, जिनमें मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास योजना, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र, जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र, दिव्यांगता प्रमाण पत्र, हरा राशन कार्ड निर्माण एवं संशोधन, बिजली बिल से संबंधित शिकायतों का निवारण, आधार एवं राशन कार्ड में संशोधन, सामुदायिक एवं व्यक्तिगत वन पट्टा हेतु आवेदन (संबंधित एफआरसी द्वारा) शामिल हैं. इसके अलावा सभी प्रकार की पेंशन, आयुष्मान कार्ड, भूमि संबंधित मामले और अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी लोगों को मिलेगा. उपायुक्त ने बताया कि सभी सुयोग्य लाभुकों के आवेदन प्राप्त कर उनकी जांच के बाद उन्हें योजनाओं का लाभ प्रदान किया जाएगा. उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाएँ और किसी भी प्रकार की समस्या आने पर स्थानीय अधिकारियों से संपर्क करें.

इस अवसर पर उप विकास आयुक्त श्री सैय्यद रियाज अहमद, डीआरडीए निदेशक श्री प्रभात रंजन चौधरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे. उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान सभी व्यवस्थाएँ सुचारू रूप से संचालित की जाएंगी और लोगों को योजनाओं का लाभ सहज रूप से मिलेगा. इस प्रकार यह अभियान राज्य सरकार और जनता के बीच महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य करेगा.

भ्रामक सूचनाओं के बीच प्रेस की विश्वसनीयता पर चर्चा

शुभम संदेश । लातेहार

राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर सूचना सभागार में एकदिवसीय सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें मीडिया की भूमिका, चुनौतियों और जिम्मेदारियों पर विस्तृत चर्चा हुई. कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. चंदन कुमार ने प्रेस की समाज और लोकतंत्र में भूमिका को उजागर करते हुए कहा कि प्रेस नागरिकों की आँख और कान की तरह कार्य करती है. उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रेस की विश्वसनीयता लोकतंत्र की मूल नींव है और गलत या भ्रामक समाचार इससे गहरी क्षति पहुँचाते हैं. डॉ. कुमार ने चेताया कि आज प्रेस कई मोर्चों पर खतरे में है. फर्जी खबरें विशेषकर सोशल मीडिया के माध्यम से तेजी से फैलती हैं और तथ्यों को विकृत करके जनता को भ्रमित करती हैं. उन्होंने पीत पत्रकारिता और सनसनीखेजी टीआरपी की दौड़ में सटीकता और जनहित की उपेक्षा को गंभीर चुनौती बताया. सेमिनार में उपस्थित विभिन्न मीडिया कर्मियों को सम्मानित भी किया गया. उन्हें अंग वस्त्र, डायरी और पेन देकर उनकी मेहनत और योगदान की सराहना की गई. कार्यक्रम में राजीव मिश्रा, संजीत गुप्ता, चंद्रप्रकाश सिंह, पंकज गुप्ता, नीरज सिन्हा, मनीष सिन्हा, संजीत पांडेय, रामकुमार मिस्त्री, विभूति नाथ, कमलेश गुप्ता, निहित कुमार, राहुल पांडेय, रूपेश अग्रवाल, रूपेश कुमार, राजेश प्रसाद गुप्ता, संतोष कुमार, संजय प्रजापति, अमित पांडेय, मनोज दत्त, बब्लू खान, वीरेंद्र प्रसाद और अन्य पत्रकार मौजूद रहे. कार्यक्रम ने प्रेस की विश्वसनीयता को बनाए रखने और पत्रकारिता में नैतिकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर सभी को जागरूक किया.

नवजात शिशु सुरक्षा सप्ताह, माताओं की जागरूकता पर जोर

मां का दूध नवजात के लिए सर्वोत्तम और पौष्टिक आहार

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

15 नवंबर से जिले में नवजात शिशु सुरक्षा सप्ताह का आयोजन शुरू हुआ. इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग ने जिले के सभी सीएचसी, पीएचसी और सरकारी अस्पतालों में कार्यरत एएनएम (आयुष और नर्सिंग मिडवाइफ) को विशेष प्रशिक्षण दिया. प्रशिक्षण का नेतृत्व सिविल सर्जन डॉ. अनिल श्रीवास्तव ने किया. उन्होंने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य माताओं और गर्भवती महिलाओं को नवजात शिशु के स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा के प्रति जागरूक करना है. डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि जन्म के बाद बच्चे को छह महीने तक केवल स्तनपान कराना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि मां का दूध नवजात के लिए सर्वोत्तम और पौष्टिक आहार है. उन्होंने यह भी बताया कि पलामू जिले में शिशु मृत्यु दर अभी भी 18 प्रतिशत है, जिसे कम करने के लिए स्वास्थ्य विभाग निरंतर प्रयासरत है. विशेषकर सितंबर से दिसंबर तक बच्चों का जन्म अधिक होता है, इसलिए इस अवधि में माताओं और परिवारों को नवजात देखभाल, ठंड से बचाव और बीमारियों की रोकथाम के संबंध में जागरूक किया जाता है. शुरुआती एक सप्ताह को नवजात जीवन का सबसे संवेदनशील समय माना जाता है, इसलिए इस दौरान विशेष सतर्कता आवश्यक है.

स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि 0-5 वर्ष के बच्चों में लगभग 16 प्रतिशत बच्चे हर साल निमोनिया से प्रभावित होते हैं और समय पर उपचार न मिलने पर यह मृत्यु का प्रमुख कारण बन सकता है. डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि नवजात और मां को जन्म के तुरंत बाद 25-27 डिग्री तापमान में रखना चाहिए. कम वजन (2.5 किलो से कम) या प्री-मैच्योर बच्चों की प्रतिरोधक क्षमता कम होती है, इसलिए उन्हें अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है. डॉ. गौरव विशाल ने प्रशिक्षण में नवजात की देखभाल संबंधी विशेष निर्देश दिए. उन्होंने कहा कि नवजात को जन्म के बाद साफ तौलिये से पोंछना चाहिए और गीले कपड़े दूर रखना जरूरी है. इसके अलावा स्किन-टू-स्किन कांटेक्ट बनाना शिशु के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक है. उन्होंने चेतावनी दी कि अधिक या कम ऑक्सीजन देना दोनों ही नवजात के लिए हानिकारक हो सकता है. डॉ. विशाल ने बताया कि जन्म के तुरंत बाद शिशु का रोना आवश्यक है, क्योंकि देर से रोने पर ब्रेन इंजरी का खतरा बढ़ जाता है. नवजात की त्वचा पर नारियल तेल लगाने की भी सलाह दी गई, जो उनकी स्किन के लिए सुरक्षित और पोषणकारी है. स्वास्थ्य विभाग ने यह भी कहा कि नवजात सुरक्षा सप्ताह के दौरान माताओं को बार-बार नवजात की देखभाल, पोषण और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी जाएगी ताकि बच्चों की शुरुआती जीवन अवधि सुरक्षित और स्वस्थ बने.

जयंती पर याद की गई आयरन लेडी इंदिरा गांधी, याद किए गए उनके योगदान

शुभम संदेश । लातेहार

जिला कांग्रेस कार्यालय में भारत की पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी इंदिरा गांधी की जयंती समारोहपूर्वक मनाई गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष कामेश्वर यादव ने की. समारोह का शुभारंभ स्व. इंदिरा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया. जिला अध्यक्ष यादव ने कहा कि इंदिरा गांधी ने देश को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया और विकास की गति को बढ़ाया. उन्होंने गरीबों और वंचितों के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं की शुरुआत की, जिससे समाज के हर वर्ग को लाभ मिला. इंदिरा गांधी ने बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर अर्थव्यवस्था को मजबूत किया और हरित क्रांति के माध्यम से भारत को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया. उनके नेतृत्व में भारत ने परमाणु शक्ति में भी महत्वपूर्ण प्रगति की. कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके आदर्शों और सिद्धांतों को याद किया. उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने देश की एकता और अखंडता को हमेशा सर्वोपरि रखा. उनके साहसिक निर्णय और दूरदर्शी सोच ने भारत को विश्व पटल पर एक मजबूत राष्ट्र के रूप में स्थापित किया. इस अवसर पर पूर्व कार्यकारी जिला अध्यक्ष गूंजर उरांव, महिला जिला अध्यक्ष अनीता देवी, विधायक प्रतिनिधि हरिशंकर यादव, प्रखंड अध्यक्ष मोती उरांव, वाजिद अंसारी, हसमद अंसारी, फूलचंद यादव, पूर्णचंद यादव, इमरान अंसारी, सुनीता देवी, मनोज पासवान और ज्योति प्रकाश दुबे सहित कई लोग मौजूद थे.

इंदिरा गांधी की 107वीं जयंती पर विचारगोष्ठी

मेदिनीनगर । पलामू जिला कांग्रेस भवन में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 107वीं जयंती पर बुधवार को विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत में कांग्रेसजनों ने इंदिरा गांधी की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी. कांग्रेस जिलाध्यक्ष बिमला कुमारी ने कहा कि इंदिरा गांधी का जीवन साहस, नेतृत्व और राष्ट्रहित के प्रति पूर्ण समर्पण का उदाहरण था. उन्होंने कठिन परिस्थितियों में देश को मजबूती से आगे बढ़ाया और आज की पीढ़ी को उनके साहस, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता के संदेश को अपनाने की आवश्यकता है. कांग्रेस शिक्षा प्रकोष्ठ के स्टेट चेयरमैन श्याम नारायण सिंह ने बताया कि इंदिरा गांधी ने आधुनिक भारत के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाई. हरित क्रांति, बांग्लादेश मुक्ति संग्राम और भारत की वैश्विक पहचान को मजबूत करने में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण था.

राजा मेदिनीराय की प्रतिमा स्थापित करने की मांग की

शुभम संदेश । मेदिनीनगर

मेदिनीनगर नगर निगम की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने उपायुक्त कार्यालय के सामने राजा मेदिनीराय की प्रतिमा स्थापित करने की मांग की है. उन्होंने कहा कि पलामू के चेरो राजवंश के शक्तिशाली राजा मेदिनी राय के नाम पर शहर का नाम मेदिनीनगर रखा गया, लेकिन पूरे शहर में उनकी कोई मूर्ति नहीं है. महापौर शंकर ने बताया कि पुराना उपायुक्त कार्यालय के सामने यह विशाल स्टैचू लगाने की मांग अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कर्मचारी संघ के अध्यक्ष प्रभु राम, महासचिव अशोक कुमार और अन्य लोगों ने उनसे रखी है. उन्होंने कहा कि इस प्रयास से शहर वासियों की राजा के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि व्यक्त होगी. अरुणा शंकर ने इस विषय में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर और सांसद बिष्णुदयाल राम से भी चर्चा करने का भरोसा दिया.

छात्रा ने जिला एथलेटिक्स में लहराया परचम

मेदिनीनगर । एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया और झारखंड एथलेटिक्स एसोसिएशन के निर्देश पर बालिकाओं के लिए जिला स्कूल स्तर पर अस्मिता लीग एथलेटिक्स प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल की छात्रा कल्पना सिंह ने अंडर-14 ट्रायथलॉन समूह में शानदार प्रदर्शन करते हुए 60 मीटर दौड़, ऊँची कूद और लंबी कूद खेलों में प्रथम स्थान प्राप्त किया और विद्यालय का नाम रोशन किया. प्रत्येक खेल में 32 से अधिक छात्राओं ने भागीदारी निभाई, जिससे प्रतियोगिता और भी रोमांचक बन गई. ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल के प्राचार्य आर. प्रसाद ने छात्रा को शुभकामनाएँ दीं और कहा कि यह विद्यालय, अभिभावक और सभी के लिए गर्व का अवसर है. उन्होंने कहा कि इस तरह की खेल प्रतियोगिताओं से छात्रों में बौद्धिक व मनोवैज्ञानिक विश्लेषण क्षमता के साथ-साथ आत्मविश्वास भी बढ़ता है. प्राचार्य ने यह भी कहा कि खेल न केवल जीवन मूल्य और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं, बल्कि ध्यान और एकाग्रता को बढ़ाने के लिए भी बेहद लाभकारी हैं.

सीएम के कार्यक्रम को लेकर डीसी एसपी ने किया स्थल का निरीक्षण

मेदिनीनगर । सूबे के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पलामू परिभ्रमण कार्यक्रम को लेकर बुधवार को उपायुक्त समीरा एस और एसपी रीष्मा रमेशन ने नीलाम्बर-पीतांबरपुर क्षेत्र के विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री के आगमन को देखते हुए सभी संबंधित पदाधिकारियों को कई आवश्यक निर्देश दिए. उपायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि संभावित कार्यक्रम स्थलों में विधि व्यवस्था, सुरक्षा और अन्य व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त रखा जाए. उन्होंने पदाधिकारियों को उनके कार्य दायित्व ईमानदारी से निभाने और किसी भी तरह की कोताही न बरतने के निर्देश दिए. कार्यक्रम के दिन "आपकी योजना, आपकी सरकार-आपके द्वार" योजना के तहत कई योजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया जाएगा. उपायुक्त ने अधिकारियों से पलामू डीडीसी जावेद हुसैन के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यक्रम संबंधी सूची समय पर सौंपने को कहा.

ठंड में अलाव व्यवस्था व कंबल वितरण की मांग

मेदिनीनगर । बढ़ती ठंड को देखते हुए बेरोजगार संघर्ष मोर्चा ने पलामू उपायुक्त से शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर अलाव व्यवस्था करने और कंबल वितरण की मांग की है. ज्ञापन में कहा गया है कि जिले में न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया है और आगे गिरने की संभावना है. मोर्चा ने रेड़मा चौक, छहमुहान चौक, रिक्शा पड़ाव, सादिक चौक, भारत माता चौक, पुलिस लाइन, रेलवे स्टेशन, बैरिया चौक व नावटोली चौक पर अलाव की व्यवस्था कराने का अनुरोध किया है. उनका कहना है कि अलाव और कंबल से रिक्शा चालकों, गरीबों, असहायों, ठेला चालकों, विकलांगों और राहगीरों को ठंड से राहत मिलेगी. साथ ही उन्होंने जनप्रतिनिधियों से भी पहल करने का आग्रह किया ताकि ठंड से प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द सहायता मिल सके और सुरक्षित रहने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके.

आत्ममंथन देश की सेवा में अकल्पनीय बलिदान

वर्षों से पुनर्वास के लिए संघर्षरत वीर सैनिक

शुभम संदेश । लातेहार

देश की रक्षा में अपने दोनों हाथ गंवाने वाले महुआडांड़ के वीर सैनिक अरुण केरकेट्टा आज प्रशासनिक उपेक्षा शिकार हैं. अरुण मूल रूप से महुआडांड़ प्रखंड के विजयनगर के जरहाटोली के निवासी हैं. वर्ष 2007 में भारतीय थल सेना की सेकेंड बटालियन, द बिहार रेजीमेंट में हवलदार (सैन्य संख्या 4287106 एच) के रूप में नौकरी शुरू की थी. अपने सैन्य कर्तव्यों का पालन करते हुए वर्ष 2012-13 में जम्मू के सियाचिन ग्लेशियर में एक गंभीर हादसे में उन्होंने अपने दोनों हाथ गंवा दिए और 100 प्रतिशत स्थायी रूप से दिव्यांग घोषित कर दिए गए. अरुण ने पुनर्वास के लिए जिला सैनिक कल्याण पदाधिकारी, लातेहार के माध्यम से 4 दिसंबर 2020 को आवेदन दिया था. उनके पुनर्वास हेतु सैनिक कल्याण कार्यालय ने अहीरपुरवा गांव में कुल पांच एकड़ भूमि (खाता संख्या 50, प्लॉट संख्या 108, 109, 110 एवं 114) उनके नाम बंदोबस्त करने की अनुशंसा तत्कालीन उपायुक्त लातेहार द्वारा की. अनुमंडल पदाधिकारी महुआडांड़ और अंचल अधिकारी द्वारा स्थलीय जांच भी पूरी कर ली गई, लेकिन इसके बावजूद पाँच वर्षों से यह आदेश जमीन पर लागू नहीं हो पाया है. अरुण ने बताया कि दोनों हाथों से दिव्यांग होने के कारण न तो वे दफ्तरों के चक्कर लगा सकते हैं और न ही मजदूरी कर सकते हैं. फिर भी पिछले पांच वर्षों से उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिलता रहा. परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद खराब है और उनका गुज़ारा करना मुश्किल हो गया है. यह स्थिति केवल प्रशासनिक विफलता ही नहीं, बल्कि हमारे समाज और व्यवस्था के लिए भी गंभीर चेतावनी है.

अरुण केरकेट्टा की हौसला और दृढ़ता की मिसाल भी देखने योग्य है. दोनों हाथ गंवाने के बावजूद उन्होंने वर्ष 2018 में वर्ल्ड पैरालंपिक गेम्स में एथलेटिक्स में भाग लिया, जिसमें उन्होंने 400 मीटर दौड़ में गोल्ड और 4×400 मीटर रिले दौड़ में सिल्वर मेडल जीते. वर्ष 2019 में उन्हें साउथ अफ्रीका में होने वाली वर्ल्ड मिलिट्री गेम्स के लिए भी चुना गया, लेकिन कोरोना महामारी के कारण वे इसमें शामिल नहीं हो सके. उनकी उपलब्धियों को देखते हुए 2019 में बिहार रेजीमेंट सेंटर के तत्कालीन ब्रिगेडियर मनोज कुमार और वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें स्तंभ देकर सम्मानित भी किया. देश की सेवा में अपने शरीर का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिक अरुण केरकेट्टा न केवल हौसले की मिसाल हैं, बल्कि उनके साथ हुई उपेक्षा प्रशासन और समाज के लिए आत्ममंथन का विषय है.

एक नजर

कंबल व अलाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने की अपील

विश्रामपुर । बढ़ती ठंड को देखते हुए विश्रामपुर प्रखंड और नगर परिषद क्षेत्र में कंबल और अलाव की व्यवस्था को लेकर प्रशासनिक पहल शुरू की गई है. प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी और कार्यपालक पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में कंबल वितरण एवं अलाव की समुचित व्यवस्था करेंगे. यह जानकारी प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष और बीस सूत्री उपाध्यक्ष रविन्द्र कुमार शुक्ला उर्फ गुड्डु शुक्ला ने प्रेस बयान में दी. श्री शुक्ला ने कहा कि महागठबंधन की जीत हुई है और विधायक नरेश सिंह क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे हैं. उन्होंने झारखंड सरकार के वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर उर्फ चुनू राम की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रशासनिक सहयोग से ठंड से किसी की जान नहीं जाएगी. कांग्रेस इस दिशा में कृतसंकल्पित है और लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि है.

अतिक्रमण मुक्त अभियान व नो पार्किंग पर कार्रवाई

लातेहार । उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता के निर्देश पर नगर पंचायत क्षेत्र में अतिक्रमण को मुक्त कराने और नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई है. बुधवार को नगर प्रशासक राजीव रंजन के नेतृत्व में समाहरणालय मोड़ से कोर्ट गेट तक अतिक्रमण हटाया गया. नो पार्किंग में खड़े ऑटो और अन्य वाहनों से जुर्माना वसूला गया. मौके पर अकाउंटेंट राहुल गुप्ता और क्षेत्र पर्यवेक्षक रणधीर कपूर मौजूद थे. नगर प्रशासक ने कहा कि शहर को अतिक्रमण मुक्त और यातायात सुचारु बनाने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा. उन्होंने दुकानदारों और वाहन चालकों से नियमों का पालन करने और शहर को स्वच्छ व व्यवस्थित रखने का आह्वान किया. उन्होंने चेतावनी दी कि भविष्य में भी अतिक्रमण और नो पार्किंग में खड़े वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. इस पहल का उद्देश्य लातेहार को बेहतर और सुगम यातायात वाला शहर बनाना है.

रबदी के तेतर टोला में जरुरतमंदों के बीच वस्त्र वितरण

सतबरवा । रबदी पंचायत के तेतर टोला में बुधवार को गरीबों और स्कूली बच्चों के बीच वस्त्र वितरण का आयोजन किया गया. इस सामाजिक कार्य में निर्दोष कुमार उर्फ अकलु बाबा, पत्रकार दिलीप कुमार चौधरी और झामुमो पलामू जिला सह सचिव श्रवण कुमार ने संयुक्त रूप से भाग लिया. कार्यक्रम स्थल पर स्थानीय लोगों की अच्छी-खासी भीड़ मौजूद थी और बच्चों में खास उत्साह देखा गया. अकलु बाबा ने बताया कि पिछले पांच वर्षों से वे लगातार समाज के जरूरतमंद लोगों के बीच वस्त्र वितरण करते आ रहे हैं. उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से यह सेवा का कार्य निरंतर जारी है और उनके पास अभी दो हजार से अधिक वस्त्र उपलब्ध हैं. उन्होंने लोगों से अपील की कि नशा छोड़ कर बच्चों को शिक्षा दें. इस अवसर पर शिक्षक बालेश्वर प्रसाद यादव समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे. इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंदों को राहत देना और समाज में सहयोग की भावना बढ़ाना है.

फरार उग्रवादी के घर पुलिस ने चिपकाया इस्तेहार

बालूमाथ (लातेहार) । बालूमाथ पुलिस ने बालूमाथ थाना कांड संख्या 93/21 के फरार अभियुक्त मनोहर गंझु उर्फ दिनेश गंझु के घर न्यायालय के आदेश पर बुधवार को इस्तेहार चिपकाया. मनोहर गंझु, पिता स्व. बिलस्पति गंझु, निवासी ग्राम बसिया टेमराबार, थाना बालूमाथ, पर 17 सीएल एक्ट तथा भारतीय दंड संहिता की धारा 385 और 387 के तहत मामला दर्ज है. तेतरियाखांड पिकेट प्रभारी राजकुमार पांडेय ने बताया कि आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा है और न्यायालय ने उसे आत्मसमर्पण के लिए अंतिम चेतावनी दी है. पिकेट प्रभारी ने कहा कि यदि मनोहर गंझु एक माह के भीतर न्यायालय के समक्ष आत्मसमर्पण नहीं करता है, तो पुलिस न्यायालय के आदेश के तहत उसकी संपत्ति की कुर्की और अन्य कानूनी कार्यवाही शुरू करेगी. स्थानीय पुलिस ने कहा कि यह कदम कानून का पालन सुनिश्चित करने और फरार अभियुक्तों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का हिस्सा है. इस दौरान इलाके में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है.

नशामुक्ति को लेकर पुलिस अधिकारियों ने ली शपथ

हुसैनाबाद । नशा मुक्त भारत अभियान की 5वीं वर्षगांठ पर हुसैनाबाद थाना परिसर में नशीले पदार्थों के खिलाफ जन-जागरूकता और नशामुक्त समाज बनाने के उद्देश्य से शपथग्रहण समारोह आयोजित किया गया. इस अवसर पर एसडीपीओ एस मोहम्मद याकूब और हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को नशामुक्त समाज बनाने की शपथ दिलाई. थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि हुसैनाबाद अनुमंडल के सभी पुलिस पदाधिकारी शपथ ग्रहण कर नशामुक्ति अभियान को सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हुए. समारोह में आईपीएस एसडीपीओ एस मोहम्मद याकूब के नेतृत्व में हुसैनाबाद थाना, देवरी ओपी और दंगवार ओपी के पुलिस पदाधिकारी शामिल रहे. उपस्थित जवानों में एस आई मुकेश कुमार सिंह, एस आई रमण यादव, एस आई सौरभ चौबे, एस आई नर्मदेश्वर सिंह, एस आई मुन्ना यादव सहित अन्य सुरक्षाबल भी शामिल थे. मौके पर पदाधिकारियों ने शपथ ली कि वे नशामुक्त भारत बनाने के लिए लगातार प्रयास करेंगे और नशे के खिलाफ समाज में जागरूकता फैलाने के लिए हर संभव कदम उठाएंगे.

रेलवे ट्रैक से मिला युवक का शव, हत्या की आशंका

मेदिनीनगर । सदर थाना क्षेत्र के सुआ गांव स्थित रेलवे ट्रैक से बुधवार को 22 वर्षीय रंजीत विश्वकर्मा का शव बरामद किया गया. रंजीत, गोदाम चौक निवासी रामप्रीत विश्वकर्मा के पुत्र, मंगलवार की शाम घर से निकला था और तभी से लापता था. पुलिस के अनुसार, युवक की मौत पलामू एक्सप्रेस की चपेट में आने से हुई है. डालटनगंज स्टेशन और राजकीय रेल थाना पुलिस को ट्रेन के ड्राइवर ने शव पड़ा होने की सूचना दी. शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एमएमसीएच भेजा गया है. प्रारंभिक जांच में पुलिस का कहना है कि घटनास्थल के पास रेलवे फाटक है और युवक मोबाइल पर बात करते समय ट्रेन की चपेट में आ सकता है. हालांकि परिजन रंजीत की हत्या की आशंका जता रहे हैं और उनका मानना है कि शव को रेलवे ट्रैक पर फेंक कर इसे दुर्घटना का रूप देने का प्रयास किया गया है. पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है और सभी पहलुओं की पड़ताल जारी है.

दो दिनों से लापता बच्चे का शव कुएं से बरामद

मेदिनीनगर । कुन्दरी गांव में दो दिनों से लापता रामप्रवेश वर्मा के आठ वर्षीय बेटे विवेक कुमार वर्मा का शव बुधवार को गांव के ही एक कुएं से बरामद किया गया. परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है, जबकि पुलिस इसे हादसा मानते हुए जांच कर रही है. बता दें कि सोमवार को खेलते समय विवेक लापता हो गया था. शव मिलने की सूचना पर लेस्लीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से कुएं से शव बाहर निकाला. पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेजना चाहा, लेकिन ग्रामीणों ने उच्चस्तरीय जांच की मांग करते हुए रोक दिया. थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय ने बताया कि आहर में कई कुएं जमीन के स्तर पर हैं. घटनास्थल के पास एक पतंग भी मिली है. प्रारंभिक जांच में संभावना जताई जा रही है कि पतंग के कारण बच्चे का पैर फिसला और वह कुएं में गिरकर डूब गया.

वंदे मातरम कार्यक्रम में छात्रों को स्वदेशी अपनाने की दी सीख

डोमचांच । ग्रामीण मंडल डोमचांच के विभिन्न स्कूलों में आज वंदे मातरम गीत का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में मंडल के पदाधिकारी स्कूलों में जाकर छात्रों के साथ सामूहिक गान में शामिल हुए. उन्होंने गीत के महत्व को बताते हुए छात्रों को घर-घर स्वदेशी अपनाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा दी. पदाधिकारियों ने छात्रों को स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग और उनकी खरीद पर जोर देने के साथ यह समझाया कि इससे भारतीय कारीगरों और उद्योगों को सहारा मिलता है. इस कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष महेश वर्मा, महामंत्री सुनील कु. भारती, पारिजात सिंह, रंजन राय, विजय मेहता, प्रदीप यादव और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे. कार्यक्रम ने छात्रों में राष्ट्रभक्ति और स्वदेशी अपनाने की भावना को प्रोत्साहित किया.

जिला समाहरणालय में सांसद मनीष जायसवाल की अध्यक्षता में दिशा की बैठक संपन्न

ग्रामीण युवाओं को खेल में आगे बढ़ाने के दिये निर्देश

शुभम संदेश । रामगढ़

बुधवार को जिला समाहरणालय सभाकक्ष में सांसद हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र मनीष जायसवाल की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट डेवलपमेंट कोऑर्डिनेशन एंड मॉनिटरिंग कमिटी (डीडीसीएमसी/दिशा) की बैठक आयोजित हुई. बैठक में विधायक रामगढ़ ममता देवी, विधायक मांडू निर्मल महतो, विधायक बड़कागांव रोशन लाल चौधरी, उपायुक्त रामगढ़ फैज अक अहमद मुमताज, अध्यक्ष जिला परिषद सुधा देवी सहित अन्य जनप्रतिनिधि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे. बैठक में पहले पूर्व में हुई दिशा की बैठक में दिए गए निर्देशों के आलोक में किए गए कार्यों की समीक्षा की गई. सांसद मनीष जायसवाल ने पोटो हो खेल विकास योजना के तहत संचालित खेल मैदानों की सूची उपलब्ध कराने और ग्रामीण युवाओं को खेल में आगे बढ़ाने का निर्देश दिया. जेएसएलपीएस के तहत सखी मंडलों और उनके लाभों की जानकारी लेकर उन्हें मजबूत बनाने एवं रोजगार से जोड़ने के उपाय दिए गए. विद्युत आपूर्ति, ट्रांसफार्मर मरम्मत और नए कनेक्शन हेतु आवेदनों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए. सामाजिक सुरक्षा शाखा की राष्ट्रीय और राज्य पेंशन योजनाओं के तहत सभी योग्य लाभार्थियों को कवर करने तथा मईया सम्मान योजना के लाभ प्राप्त करने में आने वाली समस्याओं का समाधान करने का निर्देश सांसद ने दिया.
प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत चल रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए सांसद ने कार्यपालक अभियंता को सड़क समस्याओं का सर्वे कर आवश्यक प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया. समेकित बाल विकास योजना के अंतर्गत आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थिति और सरकारी भवनों में संचालित करने की योजनाओं पर चर्चा हुई.

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान सदर अस्पताल और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली गई तथा सामान्य डिलीवरी, नियमित टीकाकरण और ट्रॉमा सेंटर के संचालन पर जोर दिया गया. जलापूर्ति योजनाओं की स्थिति और मरम्मत सुनिश्चित करने हेतु सर्वे करने का निर्देश भी दिया गया.
एनएचएआई के अधिकारियों से चूट्टूपालू घाटी में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और चरही घाटी में लाइट लगाने के निर्देश सांसद ने दिए. बैठक में स्थानीय समस्याओं और आवश्यक दिशा-निर्देशों पर चर्चा की गई. बैठक में जिला स्तरीय वरीय अधिकारी, समिति सदस्य व स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे.

एक नजर

लॉ कॉलेज में एनएसयूआई की नई इकाई का गठन, जयबर्धन कुशवाहा बने अध्यक्ष

हजारीबाग । विनोबा भावे विश्वविद्यालय के लॉ कॉलेज में छात्र संगठन एनएसयूआई की नई इकाई का गठन किया गया. इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अभिषेक राज कुशवाहा, जिला महासचिव सुभ सिंह और नगर अध्यक्ष गोलू पासवान की उपस्थिति रही. अभिषेक ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि एनएसयूआई लगातार छात्र हितों के लिए काम करती रही है और छात्रों को हर स्तर पर मजबूत बनाएगी. गोलू पासवान ने संगठन का उद्देश्य छात्रों की समस्याओं का समाधान और उनकी आवाज़ प्रशासन तक पहुँचाना बताया. जिला महासचिव सुभ सिंह ने कहा कि लॉ कॉलेज की नई टीम छात्रों की वास्तविक समस्याओं जैसे आधारभूत सुविधाएं, क्लास और परीक्षा मुद्दों पर काम करेगी. नई इकाई की घोषणा में जयबर्धन कुशवाहा अध्यक्ष, राहुल पासवान उपाध्यक्ष, अमित यादव महासचिव, तमीम राजा और समीर सचिव बनाए गए.

जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में इंदिरा गांधी की 108वीं जयंती मनाई गई

हजारीबाग । जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में प्रियदर्शनी "भारत रत्न" से सम्मानित भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की 108 वीं जयंती और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सीता राम केशरी की 106 वीं जयंती उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाई गई. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व मंत्री एवं जिला अध्यक्ष जय प्रकाश भाई पटेल ने कहा कि इंदिरा गांधी दृढ़ संकल्प की साक्षात मूर्ति थीं. 1971 के बंगलादेश युद्ध में उनका सक्रिय योगदान यादगार है. पूर्व मंत्री योगेन्द्र साव ने महिला होने के बावजूद उनके कुशल नेतृत्व और शक्ति का परिचय बताया. मौके पर प्रदेश उपाध्यक्ष भीम कुमार, प्रदेश महासचिव बिनोद कुशवाहा, पूर्व प्रदेश महासचिव विजय यादव, जिला मीडिया अध्यक्ष निसार खान सहित सैकड़ों कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे. सभी ने उन्हें याद करते हुए उनके योगदान को सम्मानित किया और उनके आदर्शों का पालन करने का संकल्प लिया.

लोहाबर के पास अज्ञात वाहन ने गाय को मारी टक्कर, सड़क पर घूमते मवेशी बने खतरे की वजह

चौपारण (हजारीबाग) । जीटी रोड एनएच-19 के लोहाबर स्थान के पास बुधवार को एक अज्ञात वाहन ने सड़क पार कर रही एक गाय को जोरदार टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गया. हादसे में गाय की कमर गंभीर रूप से घायल हो गई. ग्रामीणों ने बताया कि सड़क पर खुले में छोड़े गए पशु आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बन रहे हैं. थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी ने कई बार मवेशी मालिकों को चेतावनी दी है, लेकिन लापरवाही जारी है. उन्होंने पुनः अपील की है कि दूध निकालने के बाद भी अपने मवेशियों को सड़कों पर न छोड़ा जाए, ताकि सड़क दुर्घटनाओं की संभावना कम हो.

झामुमो प्रखंड अध्यक्ष उज्जवल सिंह ने चौपारण की समस्याओं को लेकर उपायुक्त को लिखा पत्र

चौपारण (हजारीबाग) । झामुमो चौपारण प्रखंड अध्यक्ष उज्जवल सिंह ने प्रखंड क्षेत्र की जनसमस्याओं को लेकर हजारीबाग के उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह को पत्र लिखा. अपने ज्ञापन में उन्होंने सड़क, पेयजल, शिक्षा और आमजन से जुड़ी कई मूलभूत समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग की है. उज्जवल सिंह ने कहा कि चौपारण की समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है. उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा, "मैं हमेशा चौपारण और यहां के लोगों के बारे में ही सोचता हूं. जनता की आवाज उठाना और उन्हें राहत दिलाना मेरा कर्तव्य है." उन्होंने उपायुक्त से अनुरोध किया कि जल्द से जल्द इन समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित किया जाए.

चौपारण में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई अवैध लकड़ी लदे ट्रैक्टर को किया जब्त

चौपारण (हजारीबाग) । प्रादेशिक वन क्षेत्र अंतर्गत भगहर के काहूदाग जंगल में अवैध रूप से हरे पेड़ों की कटाई कर उन्हें जलावन के रूप में दारू भट्ठियों तक पहुंचाने के प्रयास को वन विभाग ने नाकाम कर दिया. वनपाल संटू कुमार के नेतृत्व में कार्रवाई में कटे हुए पेड़ों से लदा एक ट्रैक्टर जप्त किया गया और सुरक्षित रूप से रेंज कार्यालय लाया गया. वनपाल संटू कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि जंगल में हरे पेड़ों की कटाई की जा रही है. सूचना के आधार पर टीम ने तत्परता दिखाते हुए ट्रैक्टर पकड़ा, लेकिन चालक भागने में सफल रहा. उन्होंने कहा कि ट्रैक्टर मालिक सहित अवैध कटाई और ढुलाई में संलिप्त लोगों के खिलाफ वन अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है. छापेमारी दल में प्रभारी वनपाल संटू कुमार, वनरक्षी सिकंदर नायक, अजीत कुमार गंझु, कृष्णा प्रसाद महतो, होमगार्ड अशोक कुमार शाही और दैनिक कर्मचारी शामिल थे.

जवनपुर पंचायत के तालाब से मिला अज्ञात का शव क्षेत्र में मचा हड़कंप, जांच में जुटी पुलिस

चौपारण (हजारीबाग) । प्रखंड के जवनपुर पंचायत में बुधवार को एक तालाब से अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. शव तैरता देखकर ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और बड़ी संख्या में लोग तालाब के किनारे जुट गए. ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना चौपारण थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी को दी. थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से शव को बाहर निकालकर कब्जे में लिया. पुलिस ने आवश्यक कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को एम्बुलेंस से हजारीबाग शव शीत गृह भेज दिया. शव को दो-तीन दिन शीत गृह में रखा जाएगा ताकि परिजन पहचान कर सकें. फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है.

अंबा प्रसाद ने कांग्रेस की मजबूत स्थिति का भरोसा दिलाया, झारखंड में लोकतंत्र की सुरक्षा का संदेश

हजारीबाग । दिल्ली स्थित इंदिरा भवन में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में आयोजित महत्वपूर्ण रणनीति समीक्षा बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक अंबा प्रसाद शामिल हुईं. बैठक में राहुल गांधी, संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे. अंबा प्रसाद ने झारखंड से एआईसीसी सचिव के रूप में भाग लिया और कहा कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व राज्य में लोकतंत्र की रक्षा को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है. बैठक में तय किया गया कि भाजपा द्वारा एसआईआर प्रक्रिया के माध्यम से की जाने वाली 'वोट चोरी' की हर साज़िश को विफल किया जाएगा. सभी जिला एवं प्रखंड अध्यक्ष, बीएलओ और कार्यकर्ताओं को सतर्क रहने और वास्तविक मतदाताओं के नामों में किसी भी तरह के छेड़छाड़ का विरोध करने का निर्देश दिया गया है. अंबा प्रसाद ने जनता को भरोसा दिलाया कि कांग्रेस पार्टी झारखंड में आपके एक-एक वोट की सुरक्षा के लिए ज़मीन से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक पूरी मजबूती के साथ खड़ी है.

डीसी ने की जिला अनुकंपा समिति की बैठक, 08 को मिली नौकरी

शुभम संदेश । हजारीबाग

उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में कार्यालय सभागार में बुधवार को जिला अनुकंपा चयन समिति की बैठक आयोजित हुई. बैठक में विभिन्न विभागों के मृत सरकारी सेवकों के आश्रितों की अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति के संबंध में निर्णय लिया गया.

समिति ने आवेदकों के सभी दस्तावेजों जैसे शैक्षणिक योग्यता, एनओसी, अभिभावक का मृत्यु प्रमाण पत्र, आवासीय और चरित्र प्रमाण पत्र, शपथ पत्र तथा विभागीय निर्देशों की विस्तृत जांच की. जांच के उपरांत समिति ने अहर्ता पूर्ण कर रहे आवेदनों को स्वीकृत करते हुए नियुक्ति हेतु अनुशंसा की. कुल 9 आवेदनों की जांच के बाद 08 आश्रितों को नौकरी देने का निर्णय लिया गया, जबकि एक मामले में विभाग को अग्रेत्तर कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया. अनुशंसित 08 अभ्यर्थियों में वर्ग-3 लिपिक पद के लिए मो इम्तियाज वारसी, मीमांसा गुप्ता, रोहित कुमार, ललिता कुमारी, सुमन कुमार, ईशांश रंजन, कृति प्रकाश और वर्ग-4 पद के लिए सौरभ कुमार का चयन हुआ. बैठक में उप विकास आयुक्त इश्तियाक अहमद, स्थापना पदाधिकारी मां देवप्रिया, जिला कल्याण पदाधिकारी मुरली यादव, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रवीण रंजन, जिला शिक्षा अधीक्षक आकाश कुमार सहित अन्य सभी संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे.

हजारीबाग में आपूर्ति विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित

दीवार लेखन में लाभुकों का नाम अंकित करना अनिवार्य

शुभम संदेश । हजारीबाग

उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निर्देशानुसार जिला आपूर्ति पदाधिकारी मुरली यादव ने समाहरणालय सभागार में आपूर्ति विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की. बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई. बैठक के दौरान डीएसओ मुरली यादव ने ई-केवाईसी, आरसीएमएस, सेल्फ सरेंडर, डोर-स्टेप डिलीवरी, जनवितरण प्रणाली विक्रेता व्यवस्था, चना-दाल, चीनी, नमक वितरण, गोदाम प्रबंधन, सोना सोबरन अंत्योदय योजना तथा सफेद एवं ग्रीन राशन कार्ड की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली. उन्होंने कहा कि गोदामों में स्टॉक सुरक्षित रखना, गोदामों का नियमित रखरखाव और सूचना पट्ट एवं दीवार लेखन में लाभुकों का नाम अंकित करना अनिवार्य है.

डीएसओ ने मॉइश्चर मीटर के उपयोग, स्टॉकिंग प्रणाली सुधारने और आगत-निर्गत पंजी के संधारण पर विशेष जोर दिया. उन्होंने कहा कि पंजी, मशीन का डेटा और भौतिक स्टॉक तीनों में पूर्ण मिलान होना आवश्यक है. इसके साथ ही केपीआई डेटा में लैंड होल्डिंग और इनकम टैक्स से संबंधित मासिक रिपोर्ट की भी समीक्षा की गई. बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि राशन कार्ड में रिक्तियों को भरने हेतु 1011 नए राशन कार्ड बनाए गए हैं. इन कार्डों का वितरण सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के दौरान किया जाएगा. इसी कार्यक्रम में धोती–साड़ी का वितरण भी सुनिश्चित किया जाएगा. डीएसओ ने सभी संबंधित अधिकारियों को इस कार्यक्रम में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए. साथ ही उन्होंने छह माह से राशन नहीं उठाने वाले लाभुकों की पहचान करने और डुप्लीकेट लाभुकों का सत्यापन तुरंत करने का निर्देश दिया. सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को अपने लॉगिन में लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन कर शून्य करने, पात्र लाभुकों के आवेदन स्वीकृत करने और अपात्र, मृत या सरेंडर किए गए राशन कार्डों के मामलों में जांचोपरांत कार्रवाई करने को कहा गया.

बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी मुरली यादव, सभी मॉनिटरिंग अधिकारी, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी और विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे. उन्होंने सभी को योजनाओं के प्रभावी संचालन और लाभुकों को समय पर सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए.

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी 10 घंटे में गिरफ्तार, सराहनीय

शुभम संदेश । लावालौंग

छठ पूजा के दौरान एक नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने सिर्फ 10 घंटे में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर तत्परता दिखाई. मामला 28 अक्टूबर का है, जब पीड़िता अपनी सहेली के घर छठ पूजा में गई थी. इसी दौरान कुन्दा थाना क्षेत्र के टिकैतबांध निवासी 23 वर्षीय आदित्य विश्वकर्मा ने नाबालिग से दुष्कर्म किया. इस संबंध में लावालौंग थाना में कांड संख्या 75/25 दर्ज की गई, जिसमें धारा 64(1)/351(2)/3(5) B.N.S. और पॉक्सो एक्ट की धारा 4 के तहत मुकदमा कायम किया गया. घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक चतरा को सूचित किया गया. तत्परता दिखाते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सिमरिया शुभम खंडेलवाल के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया.

दल में लावालौंग थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा, कुन्दा थाना प्रभारी प्रिंश कुमार, पु.अ.नि. नवीन चंद्र सिंह एवं सशस्त्र बल के सदस्य शामिल थे. पुलिस ने आरोपी के संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी और कड़ी मशक्कत के बाद टिकैतबांध से आदित्य विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया. इस कार्रवाई की जनता ने सराहना की है और पुलिस की तत्परता को उदाहरणीय बताया गया. इससे यह स्पष्ट हुआ कि अपराध के प्रति प्रशासन सख्त रुख अपनाने के लिए पूरी तरह तैयार है.

पोटम गांव के अनाथ बच्चों को प्रशासन ने दिलाई राहत, राशन और जन्म प्रमाण पत्र उपलब्ध

शुभम संदेश खबर का असर

लावालौंग। लावालौंग प्रखंड के हेडूम पंचायत पोटम गांव के दो अनाथ बच्चों की दयनीय स्थिति पर प्रकाशित खबर का असर दिखा. कई दिनों की प्रशासनिक चुप्पी के बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी बिपिन भारती ने तुरंत कार्रवाई करते हुए बच्चों के लिए राशन उपलब्ध कराया. इससे उनके भोजन की समस्या कुछ हद तक दूर हुई. बच्चों का जन्म प्रमाण पत्र भी लंबे समय बाद तैयार कर दिया गया, जिससे अब उन्हें कई सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ मिलना आसान होगा. बीडीओ ने पंचायत कर्मियों को निर्देश दिया है कि बच्चों को अंबेडकर आवास योजना के तहत जल्द से जल्द आवास दिलाया जाए, ताकि उनका रहने का सुरक्षित और स्थायी इंतजाम हो सके. ग्रामीणों ने प्रशासन की पहल की सराहना करते हुए कहा कि अगर खबर नहीं छपती, तो बच्चों की मदद शायद नहीं होती. इसके बावजूद बच्चों को शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य, आधार कार्ड और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने की जरूरत अभी भी बनी हुई है. प्रशासन और पंचायत की मदद से बच्चों की स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन ग्रामीणों ने अनुरोध किया है कि बच्चों को पूर्ण संरक्षण और सतत मदद मिलती रहे, ताकि उनका भविष्य सुरक्षित और सुनहरा बन सके.

आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम, 21 से 15 दिसंबर तक जिलेभर में शिविर

चतरा । झारखंड सरकार के जनसरोकार आधारित कार्यक्रम "आपकी योजना–आपकी सरकार–आपके द्वार" के तहत 21 नवंबर से 15 दिसंबर 2025 तक चतरा जिले के सभी प्रखंडों और पंचायतों में शिविर आयोजित किए जाएंगे. उपायुक्त कीर्तिश्री की अध्यक्षता में जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट भवन में ब्रीफिंग और समीक्षा बैठक में सभी अधिकारियों को शिविर संचालन के उद्देश्य, महत्व और प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया. बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिए कि प्रत्येक शिविर में हेल्प डेस्क स्थापित हो, जहां नागरिकों को प्रमाण-पत्र, योजना आवेदन, शिकायत निवारण और सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाए. जिन मामलों का तत्काल निष्पादन संभव न हो, उनका डेटा संकलन कर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी. अधिकारियों और कर्मियों की कड़ी हाजिरी और टीम भावना पर विशेष जोर दिया गया. 21 नवंबर को चतरा, गिद्धौर, हंटरगंज, प्रतापपुर, कुंदा, सिमरिया, लावालौंग, इटखोरी, मयूरहंड, कान्हाचट्टी, पत्थलगड्डा और टंडवा के पंचायतों में शिविर आयोजित होंगे.

परसाबाद में 14वां संकीर्तन सह भव्य दरबार सम्पन्न, भक्तिमय माहौल में झूमते रहे श्रद्धालु

जयनगर (कोडरमा) । श्री श्याम सेवा मंडल के तत्वावधान में परसाबाद स्थित पंजाब नेशनल बैंक के समीप 14वां संकीर्तन सह भव्य जागरण मंगलवार की रात हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ. कार्यक्रम में प्रमुख कलाकार आराध्या सिन्हा, सोनी श्रीवास्तव, शशि सिंह, साक्षी भदानी और धीरज पांडेय ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया. भव्य दरबार सजाया गया, अलौकिक श्रृंगार किया गया और इत्र वर्षा के बीच खाटू नरेश को भोग अर्पित किया गया. यजमान रौशन चावला व धर्मपत्नी रहे. झारखंड पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव ने श्याम भजनों का आनंद लिया और आयोजकों को बधाई दी. कार्यक्रम में झुमरी तिलैया और आसपास के सैकड़ों भक्त उपस्थित थे. आगामी 20 जनवरी को मंडल का वार्षिक महोत्सव आयोजित किया जाएगा.

एनटीपीसी और ग्रामीणों के बीच त्रिपक्षीय बैठक

केरेडारी । केरेडारी प्रखंड मुख्यालय सभागार में बुधवार को एनटीपीसी के केरेडारी और चट्टीबरियातू कोयला खनन परियोजना के अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और विस्थापित प्रभावित रैयतों के बीच त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता हजारीबाग एसडीओ बैजनाथ कमाते ने की. बैठक में कोल माइंस के विस्तार और संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई. ग्रामीणों ने मुआवजा भुगतान, विस्थापन, पुनर्वास और रोजगार जैसी समस्याएं उठाईं. पाण्डु गांव के रैयत मो शमीम ने कहा कि परियोजना अधिकारियों द्वारा किए गए वादे पूरे नहीं किए गए, स्कूल और पंचायत भवन अभी तक नहीं बने हैं, और पुनर्वास पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई.

7वीं लघु सिंचाई जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जयनगर (कोडरमा) । प्रखंड सभागार में बीडीओ गौतम कुमार की अध्यक्षता में 7वीं लघु सिंचाई जनगणना के तहत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया. प्रशिक्षण का उद्देश्य पंचायतों में स्थित सभी जल स्रोतों और लघु सिंचाई संरचनाओं की सही गणना कर अद्यतन डेटा तैयार करना है. विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को सर्वे प्रपत्र, फील्ड सत्यापन, डेटा संग्रहण और मोबाइल ऐप से रिपोर्टिंग की प्रक्रिया की जानकारी दी. बीडीओ ने सभी कर्मचारियों और फील्ड स्टाफ को कार्य को सटीकता, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया. इस डेटा का उपयोग भविष्य में योजनाओं और सिंचाई सुविधाओं के विस्तार में महत्वपूर्ण होगा.

चतरा

ठंड में ठीठूर रहे स्कूली बच्चे: 78 हजार बच्चों को नहीं मिला पोषाक, स्वेटर व जूता-मोजा

सुबह व शाम के समय बच्चे ठंड से ठिठुरते हुए पहुंच रहे स्कूल

शुभम संदेश । चतरा

जिले में सर्दी की दस्तक ने स्कूली बच्चों के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं. पारा 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे गिरने के कारण सुबह और शाम के समय बच्चे ठंड से ठिठुरते हुए स्कूल पहुँच रहे हैं.

इस ठंड में गरीब बच्चों की स्थिति और भी दयनीय है क्योंकि इस वर्ष अब तक उन्हें पोषाक, स्वेटर और जूता-मोजा नहीं मिल पाया है. जबकि आर्थिक रूप से संपन्न परिवारों के बच्चे बाजार से स्वेटर खरीदकर स्कूल जा रहे हैं, गरीब बच्चों को बिना ठंड से बचाव के ही स्कूल जाना पड़ रहा है. चतरा जिले में कक्षा एक से आठ तक कुल 1,51,749 बच्चों को पोषाक, स्वेटर और जूता-मोजा उपलब्ध कराना था. लेकिन अब तक केवल 73,279 बच्चों को ही यह सुविधाएँ मिल पाई हैं. शेष 78,470 बच्चों को पोषाक और स्वेटर नहीं मिला है. विशेष रूप से कक्षा एक व दो के 38,000 बच्चों में से किसी को भी पोषाक, स्वेटर और जूता-मोजा नहीं दिया गया है.

सरकार की योजना के तहत कक्षा एक से आठ तक के बच्चों को डीबीटी के माध्यम से प्रत्येक वर्ष उनके खाते में पोषाक, स्वेटर और जूता-मोजा के लिए 760 रुपए भेजे जाते हैं. इसमें 600 रुपए केंद्रीय मद से और 160 रुपए राज्य सरकार की मद से आते हैं.

कक्षा एक से पांच तक के बच्चों को केवल केंद्रीय मद से 600 रुपए मिलते हैं. इस राशि से विद्यालय प्रबंधन समिति के देखरेख में बच्चों के लिए दो जोड़ी पोषाक और एक स्वेटर खरीदा जाता है. जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार ने बताया कि पोषाक मद में जितनी राशि थी, वह कुछ बच्चों के खाते में भेज दी गई है. लेकिन राज्य से आवश्यक आंवटन अभी प्राप्त नहीं हुई है, जिसके कारण शेष बच्चों के खाते में राशि नहीं भेजी जा सकी. उन्होंने आश्वासन दिया कि आंवटन मिलने के तुरंत बाद बिना किसी देरी के बच्चों के खाते में राशि भेजी जाएगी, ताकि सभी बच्चे सर्दी में सुरक्षित रह सकें और पोषाक, स्वेटर व जूता-मोजा प्राप्त कर सकें. इस स्थिति से स्पष्ट है कि चतरा जिले के सैकड़ों स्कूल बच्चे अभी भी ठंड में ठिठुर रहे हैं और प्रशासन की तत्परता पर ध्यान देने की आवश्यकता है. बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कदम जल्द उठाए जाने की मांग उठ रही है.

जरासंघ जयंती सह चंद्रवंशी मिलन समारोह का आयोजन किया गया

विश्रामपुर, पलामू । पांडू के जरासंघ परिसर में बुधवार को जरासंघ जयंती सह चंद्रवंशी मिलन समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत बतौर मुख्य अतिथि अखिल भारतीय क्षत्रिय चंद्रवंशी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं आरसीयू के कुलाधिपति डॉ. ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने जरासंघ महाराज की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर विशेष पूजा-अर्चना के साथ की. इससे पहले प्रभात फेरी भी निकाली गई. कार्यक्रम में जरासंघ जयंती के उत्सव के साथ कई सांस्कृतिक और सामाजिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए. डॉ. ईश्वर सागर चंद्रवंशी ने समाज के लोगों को एकजुट रहने और शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने का संदेश दिया. उन्होंने झारखंड के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी के विकास कार्यों को भी साझा किया. मौके पर परिखा चंद्रवंशी, विजय चंद्रवंशी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे.

बेहतर स्वास्थ्य सेवा के लिए द हंस फाउंडेशन के साथ एमओयू

शुभम संदेश। गुमला

जिले के जारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए बुधवार को द हंस फाउंडेशन और स्वास्थ्य विभाग गुमला के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए. इस अवसर पर उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और इस पहल की सराहना की. एमओयू के अनुसार, द हंस फाउंडेशन द्वारा जारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में कई नई सुविधाएं प्रदान की जाएंगी. इनमें आउटडोर चिकित्सा सुविधा, दस बेड का अस्पताल, ईसीजी, ब्लड और लैब जांच, एएनसी चेकअप, डिलीवरी सुविधा, बुनियादी चिकित्सा सेवाएं, निःशुल्क दवाइयां और नियमित स्वास्थ्य सेवा शामिल हैं. इन सेवाओं के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को उच्च गुणवत्ता और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी. उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने कहा कि यह पहल क्षेत्र के लोगों के लिए एक सकारात्मक बदलाव लेकर आएगी. इससे न केवल प्राथमिक स्वास्थ्य सुविधाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच भी आसान होगी. उन्होंने यह भी बताया कि यह कार्यक्रम दूर-दराज़ के इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और ग्रामीण जनसंख्या की देखभाल में मदद करेगा.

सिविल सर्जन शंभूनाथ चौधरी ने कहा कि द हंस फाउंडेशन के साथ यह साझेदारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जारी की स्वास्थ्य सेवाओं और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूती प्रदान करेगी. जोर दिया कि इस सहयोग से न केवल उपचार की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि स्वास्थ्य केंद्र की कार्यक्षमता और सेवा की गुणवत्ता में भी सुधार होगा. फाउंडेशन के राज्य प्रमुख शिशुपाल मेहता ने कहा कि उनकी प्राथमिकता स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार और कुपोषण में कमी लाना है. उन्होंने बताया कि संगठन स्थानीय समुदायों की जरूरतों के अनुरूप स्वास्थ्य कार्यक्रम संचालित करेगा.

एक नजर

शिक्षा से ही समाज बदल सकता है: शिक्षाविद

लोहरदगा। अविराम कॉलेज ऑफ एजुकेशन में गेस्ट लेक्चर में हिमाचल के धर्मशाला से सैनिक स्कूल के पूर्व प्राचार्य और इग्नू के गाइड, शिक्षाविद्, अनेकों पुरस्कारो से पुरस्कृत अनिल कुमार अंबष्ठ, रंजना सिन्हा शिक्षिका और आशा और सुनील कुमार जो की स्वउद्यमी हैं पधारे. स्वागत उद्बोधन सचिव इन्द्रजीत भारती द्वारा प्रस्तुत करते हुए अविराम द्वारा शिक्षा की दिशा में किए आने वाले प्रयासों से अवगत कराते हुए सभी अतिथियों का अभिनंदन किया गया गेस्ट लेक्चर में प्रशिक्षुओं को उद्बोधित करते हुए जिन मुख्य बात पर प्रकाश डाला गया उनमे मुख्य रूप से विषय आनंदपूर्ण अधिगम, समावेशी शिक्षा, साम्वेगिक समझदारी आदि के संबंध में बताया गया की कैसे प्राचीन काल में विद्यार्थी के पांच लक्षण बताये गए थे जो आज के विद्यार्थियों के लिए भी अनुकरणीय है,हम जीवनपर्यंत सीखते हैं शिक्षा हमे विनम्र बनाती है.

पारमडीह में पायनियर कंपनी की किसान गोष्ठी

राहे। प्रखंड के पारमडीह गांव में पायनियर कंपनी द्वारा एक किसान गोष्ठी का सफल आयोजन किया गया. इस मौके पर 300 से अधिक किसान उपस्थित थे. किसान गोष्ठी का उद्देश्य किसानों को कृषि संबंधित नई तकनीकों और खेती के आधुनिक तरीकों से अवगत कराना था. कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को मौसम के अनुसार खेती करने की विधि समझाई. धान की खेती में बुवाई और रोपाई की सही प्रक्रिया, कीटनाशकों और खाद के उचित प्रयोग, तथा फसलों की सुरक्षा के तरीके विस्तार से बताए गए. इससे किसानों को अपनी उपज बढ़ाने और गुणवत्ता सुधारने में मदद मिलेगी. पायनियर कंपनी के टीएसएम श्रवण कुमार, वंदना गोराई, जगदीश महतो, मंटू मुंडा, सोनाराम मंडा और केसर गुंडा भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे. किसानों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि ऐसी जानकारीपूर्ण गोष्ठियां खेती में नई दिशा देने में सहायक होती हैं.

बानो में वन संरक्षण पर जागरूकता अभियान

सिमडेगा/बानो। प्रखंड क्षेत्र के प्रोजेक्ट बालिका उच्च विद्यालय बानो में वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा मानव-हाथी द्वंद, वन अग्नि नियंत्रण और वनों के संरक्षण के उद्देश्य से जन जागरूकता अभियान आयोजित किया गया. कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य बिरजो कंडुलना मुख्य अतिथि के रूप में और प्रखंड विकास पदाधिकारी नईमुद्दीन अंसारी, बानो थाना प्रभारी मानव मयंक, वन प्रक्षेत्र पदाधिकारी अभय कुमार, बानो मुखिया विश्वनाथ बड़ाइक तथा विद्यालय प्रधान संजय कुलदीप किंडो विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. कार्यक्रम में वनों के संरक्षण और सुरक्षा पर परिचर्चा हुई, साथ ही भाषण, निबंध, वाद-विवाद और चित्रांकन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. भाषण प्रतियोगिता में पम्मी कुमारी, निर्मला कुमारी और शहर परवीन विजयी रहीं.

सिमडेगा में कल से सरकार आपके द्वार कार्यक्रम

सिमडेगा। जिले में 21 नवंबर को ₹आपकी योजना–आपकी सरकार–आपके द्वार₹ कार्यक्रम का आयोजन सात प्रखंडों की प्रमुख पंचायतों में किया जाएगा. प्रथम दिन यह शिविर कुरडेग, ठेठईटांगर, पाकरटांड, कोलेबिरा, जलडेगा, बानो और बांसजोर के चयनित पंचायतों में आयोजित होंगे. जिला प्रशासन के अनुसार, कुरडेग पंचायत का शिविर प्रखंड परिसर में, ठेठईटांगर और पाकरटांड केशलपुर पंचायत का शिविर पंचायत भवन में, कोलेबिरा का रैंसियां, जलडेगा का टिनगिना तथा बानो का गेनमेर पंचायत भवन में, जबकि बांसजोर प्रखंड का कोम्बाकेरा पंचायत शिविर पंचायत भवन के सामने आयोजित किया जाएगा. इन शिविरों में विभिन्न विभागों के सूचना एवं सेवा सहायता स्टॉल लगाए जाएंगे. आमजन यहां राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ सीधे प्राप्त कर सकेंगे.

डीडीसी ने की सामाजिक योजनाओं की समीक्षा बैठक

सिमडेगा। उप विकास आयुक्त सिमडेगा दीपांकर चौधरी की अध्यक्षता में सामाजिक सुरक्षा से जुड़ी विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा हेतु महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक में मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वेदना योजना तथा पोषण आहार से जुड़े कार्यों की अद्यतन स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई. उप विकास आयुक्त ने निर्देश दिया कि मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत प्राप्त सभी नए आवेदनों का त्वरित सत्यापन कर लाभुकों को शीघ्र लाभ सुनिश्चित किया जाए. साथ ही सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना और प्रधानमंत्री मातृत्व वेदना योजना के लंबित आवेदनों को प्राथमिकता से निष्पादित करने के भी निर्देश दिए गए, ताकि पात्र लाभुक अनावश्यक देरी से प्रभावित न हों.

बानो में सरदार @150 राष्ट्रीय एकता पदयात्रा

सिमडेगा। मेरा भारत युवा कार्यक्रम, खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में, सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर बुधवार को बानो में सरदार @150 राष्ट्रीय एकता पदयात्रा का भव्य आयोजन किया गया. इस अवसर पर हजारों नागरिक, विद्यार्थी और स्वयंसेवी संगठनों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और तिरंगा लेकर एकता का संदेश दिया. यूनिटी मार्च का शुभारंभ पूर्व विधायक कोचे मुंडा ने हरी झंडी दिखाकर किया. मार्च का नेतृत्व भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सुषमा देवी ने किया. इस दौरान युवाओं और नागरिकों ने "एक भारत, आत्मनिर्भर भारत", "सरदार पटेल अमर रहे", "भारत माता की जय" जैसे नारे लगाते हुए बानो नगर भवन से निकलकर बिरसा मुंडा चौक और जयपाल सिंह मुंडा मैदान तक भ्रमण किया. कार्यक्रम में वक्ताओं ने राष्ट्रीय एकता और "एक भारत, आत्मनिर्भर भारत" विषय पर प्रकाश डाला. कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय और एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को उत्सवपूर्ण बनाया. मुख्य अतिथि कोचे मुंडा ने सरदार पटेल के नेतृत्व और राष्ट्रीय एकता के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी विरासत युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है. जिला परिषद सदस्य बिरजो कंडुलना, भाजपा प्रखंड अध्यक्ष बालमुकुंद सिंह, संयोजक दुर्ग विजय देव सिंह समेत अन्य अतिथियों ने सरदार पटेल के योगदान और एकता के महत्व पर जोर दिया.

इटकी में सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ कल से

इटकी। इटकी प्रखंड में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को सीधे लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से "आपके द्वार – आपके अधिकार" कार्यक्रम 21 नवंबर, शुक्रवार से शुरू होगा और 10 दिसंबर तक चलेगा. इस कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड के गढ़गांव पंचायत सचिवालय में 21 नवंबर को किया जाएगा. इसके बाद क्रमशः कुल्ली (24 नवंबर), कुर्गी (26 नवंबर), कुंदी (28 नवंबर), मल्टी (1 दिसंबर), चिनारो पुरियो (3 दिसंबर), इटकी पूर्वी (5 दिसंबर), इटकी पश्चिमी (8 दिसंबर) और रानीखटंगा पंचायत सचिवालय (10 दिसंबर) में आयोजित किया जाएगा. कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी. इसमें मईया सम्मान योजना, वृद्धा- विधवा पेंशन योजना, पशुधन विकास योजना, राशन कार्ड, अबुआ आवास योजना, जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जॉब कार्ड सहित अन्य सरकारी योजनाओं के लिए आवेदन लेने की सुविधा उपलब्ध होगी. प्रखंड प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे अपने आवश्यक दस्तावेजों के साथ निर्धारित तारीखों पर उपस्थित होकर योजनाओं का लाभ उठाएं. कार्यक्रम का उद्देश्य नागरिकों को सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक करना और उन्हें सुविधाओं का लाभ सीधे उनके द्वार उपलब्ध कराना है.

बुंडू में नवनिर्मित अस्पताल भवन का उद्घाटन

बुंडू। बुंडू नगर के पुराने अनुमंडलीय अस्पताल परिसर में लगभग 5 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित आधुनिक अस्पताल भवन का गुरुवार को उद्घाटन विधायक विकास कुमार मुंडा ने किया. उद्घाटन अवसर पर विधायक ने कहा कि नए अस्पताल भवन और बेहतर चिकित्सीय सुविधाओं से क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य लाभ मिलेगा. उन्होंने सिविल सर्जन और अनुमंडलीय अस्पताल उपाधीक्षक को 24 घंटे चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और आकस्मिक दुर्घटनाओं के लिए स्वास्थ्य टीम तैनात रखने के निर्देश दिए. विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि बुंडू सहित सभी क्षेत्रों में विकास के कार्य जारी हैं. उद्घाटन समारोह में सिविल सर्जन डॉक्टर प्रभात कुमार, प्रखंड प्रमुख रामकुमार बिंदिया, सांसद प्रतिनिधि मनोहर महतो, विधायक प्रतिनिधि मनोज मंडल, झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष बालेश्वर मुंडा सहित कई स्थानीय नेता और गणमान्य नागरिक मौजूद थे. इसके बाद विधायक विकास कुमार मुंडा ने ताऊ गांव में 25 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित धूमकड़िया भवन का भी उद्घाटन किया. इस अवसर पर गिरीश मुंडा, प्रदीप मुंडा, दिलेश्वर उरांव, लखीसराय मुंडा, पवन मुंडा, प्रहलाद मुंडा समेत अन्य लोग उपस्थित थे. उद्घाटन कार्यक्रमों में स्थानीय स्वास्थ्य और विकास के क्षेत्र में सुधार को लेकर सकारात्मक संदेश दिया गया.

इंदिरा गांधी की जयंती पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

गुमला। गुमला लोहरदगा रोड स्थित सांसद प्रतिनिधि एवं कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राजनील तिग्गा की अध्यक्षता में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी की जयंती सादगी और श्रद्धा के साथ मनाई गई. पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया और राष्ट्रनिर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को सम्मानित किया. जिला अध्यक्ष राजनील तिग्गा ने कहा कि इंदिरा गांधी केवल एक राजनीतिक नेता नहीं थीं, बल्कि दृढ़ निश्चय, साहस और राष्ट्रहित के प्रतीक थीं. उन्होंने कहा कि देश की एकता, अखंडता और विकास के लिए उनके द्वारा लिए गए निर्णय आज भी प्रेरणा स्रोत हैं. उनके नेतृत्व में भारत ने कठिन परिस्थितियों को पार करते हुए वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई. उन्होंने सभी से उनके बताए मार्ग पर चलने और राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लेने की अपील की.

जिला स्तरीय आईसीटी चैंपियनशिप का सफल आयोजन

लोहरदगा। झारखंड शिक्षा परियोजना द्वारा जिले में पहली बार दो दिवसीय जिला स्तरीय आईसीटी चैंपियनशिप का आयोजन कस्तूरबा मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय बालिका में किया गया. इस कार्यक्रम में कक्षा 9 से 12 तक के प्रखंड स्तरीय चयनित विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. यह प्रतियोगिता ई-शिक्षा महोत्सव के अंतर्गत आयोजित की गई थी, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में डिजिटल कौशल, तकनीकी समझ और नवाचार क्षमता को बढ़ावा देना है. प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागी आगामी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लोहरदगा जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे. कार्यक्रम राज्यव्यापी पहल का हिस्सा है, जिसे प्रदेश के सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के लिए शिक्षा विभाग व झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद द्वारा शुरू किया गया है.

जिंतूडीह में लगा ट्रांसफार्मर, ग्रामीणों को राहत

सोनाहातू। प्रखंड के बारेंदा पंचायत अंतर्गत जिंतूडीह गांव में बुधवार को 25 केवीए का नया ट्रांसफार्मर लगाया गया. यह पहल केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह सांसद संजय सेठ के निर्देश पर पूरी की गई. ट्रांसफार्मर लगने से लंबे समय से बिजली समस्या झेल रहे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली है. ट्रांसफार्मर का औपचारिक उद्घाटन स्थानीय प्रतिनिधियों और भाजपा नेताओं की मौजूदगी में किया गया. इस अवसर पर भाजपा नेता दिलेश्वर कोईरी के नेतृत्व में ग्राम प्रधान दीनबंधु सिंह मुंडा, नरसिंह मुंडा, वार्ड सदस्य बनामली महतो, सुशांत सिंह मुंडा, चंदन सिंह मुंडा समेत कई ग्रामीण उपस्थित रहे. वहीं ओबीसी मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सजल कुमार मंडल भी कार्यक्रम में शामिल हुए.

ग्रामसभा स्वशासन व्यवस्था को मजबूत करने का अभियान जारी

लोगों को स्वशासन व्यवस्था के प्रति किया जा रहा है जागरूक

शुभम संदेश। गुमला

भारतीय संविधान में जनजातियों के लिए पारंपरिक ग्रामसभा स्वशासन व्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की शक्ति है, जिसे लागू कराने के लिए गुमला के मूली पड़हा के पदाधिकारी निरंतर प्रयासरत हैं. इस दिशा में गांव-गांव में बैठक आयोजित कर लोगों को जागरूक किया जा रहा है और पादा-पड़हा कमेटी के गठन का कार्य किया जा रहा है. बुधवार को अजय उरांव की अगुवाई में गुमला प्रखंड के कोटेंगसेरा गांव में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई. बैठक में मूली पड़हा के कोटवार देवेन्द्र लाल उरांव ने ग्रामीणों को पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था के महत्व से अवगत कराया.

उन्होंने कहा कि गांव के लोग सामाजिक, सांस्कृतिक और न्यायिक परंपराओं के आधार पर अपनी नियम व्यवस्था स्थापित कर चुके हैं और गांव आज भी उसी व्यवस्था के तहत संचालित हो रहा है. मूली पड़हा के देवान चुइंया कुजूर ने कहा कि देश के प्रशासनिक ढांचे में संसद और प्रधानमंत्री, राज्य स्तर पर विधानसभा और मुख्यमंत्री, पंचायत स्तर पर मुखिया होते हैं, लेकिन गांव के लिए ग्रामसभा और पड़हा ही भाषा, संस्कृति, परंपरा, जल, जंगल, जमीन और खनिज संसाधनों के संरक्षण का कार्य संभालते हैं. उपदेवान सोनो मिंज ने बताया कि जिले में गांव स्तर से लेकर पंचायत और प्रखंड स्तर तक पड़हा का गठन किया जाएगा और कमेटियों को सशक्त किया जाएगा.

उन्होंने कहा कि गुरुवार को डांड़ा पड़हा गुमला का गठन उरांव क्लब दुंदरिया में किया जाएगा, जिसमें जनजातीय समाज के सभी सदस्यों से भाग लेने की अपील की गई है.

बैठक में झाड़ी भगत ने पारंपरिक पड़हा स्वशासन व्यवस्था स्थापित करने में कार्तिक उरांव और भीखराम भगत के योगदान की चर्चा की. वहीं, उप कोटवार फूलमनी उरांव, मुखिया बीणा उरांव, विष्णु तिर्की, दिनेश लकड़ा, कृष्णा पहान, राजू खड़िया, महावीर इंदवार, योगेन्द्र बिलुंग, अजित टोप्पो, अजित महली, करमी देवी, सोमारी देवी, सुकरमनी देवी, रूपा देवी, मनीता कुमारी, सतीश चन्द्र बड़ाईक, नारायण भगत और बैजू बड़ाईक सहित कई पदाधिकारी और ग्रामीण उपस्थित थे. इस बैठक का उद्देश्य ग्रामीणों को पारंपरिक स्वशासन प्रणाली की जानकारी देना, उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना और पड़हा की कमेटियों को मजबूत करना है. मूली पड़हा के पदाधिकारी ग्रामीण समाज में अपने अधिकारों और संसाधनों की सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने में लगातार जुटे हुए हैं. इस प्रकार यह अभियान ग्राम स्तर पर स्वशासन और सांस्कृतिक परंपराओं को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है.

कांग्रेस ने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी की 108वीं जयंती मनाई

लोहरदगा। जिला कांग्रेस कमिटी लोहरदगा के तत्वाधान में देश की पहली महिला प्रधानमंत्री और 'आयरन लेडी' इंदिरा गांधी की 108वीं जयंती पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया. कार्यक्रम में कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इंदिरा गांधी के चित्र पर माला और पुष्प अर्पित कर उनके योगदान को याद किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमिटी के पूर्व उपाध्यक्ष मोहन दुबे ने कहा कि इंदिरा गांधी का जीवन दर्शन राष्ट्रहित, दृढ़ नेतृत्व और साहस से प्रेरित था. उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में देश की एकता, अखंडता और आत्मनिर्भरता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी. मोहन दुबे ने बताया कि हरित क्रांति के माध्यम से इंदिरा गांधी ने देश को खाद्यान्न उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाया और किसानों को नई शक्ति प्रदान की. इसके साथ ही 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में उनके निर्णायक नेतृत्व ने भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा को मजबूत किया. अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष मोजम्मिल अंसारी ने कहा कि इंदिरा गांधी केवल नेता नहीं थीं, बल्कि देश की सशक्त आवाज थीं. उन्होंने कृषि क्षेत्र में हरित क्रांति, राष्ट्रीय सुरक्षा और गरीबों के उत्थान के लिए कई जनकल्याणकारी योजनाओं को लागू किया. उनके साहस, दूरदर्शिता और राष्ट्रभक्ति आज भी देश के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं. वक्ताओं ने इंदिरा गांधी की राजनीतिक यात्रा, नेतृत्व क्षमता और उनके द्वारा लागू किए गए जनकल्याणकारी नीतियों पर भी प्रकाश डाला.

महिला मंडल से डेढ़ लाख की ठगी, प्राथमिकी दर्ज

गुमला। उर्मी टीराटोली गांव में एकता महिला मंडल की महिला सदस्यों ने गांव के ही तुलसी गोप पर डेढ़ लाख रुपये ठगी का आरोप लगाते हुए गुमला थाना में शिकायत दर्ज कर प्राथमिकी दर्ज करने और कार्रवाई करने की मांग की है. आवेदन में महिलाओं ने कहा है कि तुलसी गोप ने अपनी पत्नी को बीमार बताकर इलाज के लिए महिला मंडल से डेढ़ लाख रुपये लिया और अब वापस नहीं कर रहा है. पैसा मांगने पर टाल मटोल कर रहा है. वर्तमान में वह अपने घर से फरार है. महिला मंडल की सदस्यों ने गुमला थाना में आवेदन देकर कार्रवाई करने व पैसा वापस दिलवाने की मांग की है. आवेदन में अध्यक्ष फुलमनी कुमारी, शीला देवी, आरती कुमारी, रुकमनी समेत 14 लोगों के हस्ताक्षर हैं.

बुंडू में जय हो सेवा संस्थान का धरना कार्यक्रम प्रारंभ

बुंडू। जय हो सेवा संस्थान द्वारा बुंडू नगर पंचायत एवं प्रखंड की विभिन्न जनसमस्याओं के समाधान हेतु दो दिवसीय धरना कार्यक्रम बुंडू के हृदय स्थल धुर्वा मोड़ पर स्थित भगवान बिरसा मुंडा मूर्ति स्थल पर प्रारंभ हुआ. इस धरने में मजदूर संगठन बुंडू, युवा एकता संगठन, पंचपरगना फाइटर्स, उपभोक्ता अधिकार मंच, छोटानागपुर चालक कल्याण संघ और स्थानीय समाजसेवी व बुद्धिजीवियों ने समर्थन देकर जनहित के मुद्दों पर एकजुटता दिखाई. धरना कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रशासनिक लापरवाही एवं लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित कराना है. जय हो सेवा संस्थान ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार के सक्षम अधिकारी ठोस निर्णय लेकर पहल नहीं करते हैं, तो संस्था आगामी दिनों में और बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगी. धरने के पहले दिन राजकिशोर कुशवाहा, पवन महतो, राजकुमार महतो, अनुज महतो, राधिका देवी, पिंकी बनर्जी, मजदूर संगठन के जीतमोहन प्रमाणिक, छोटानागपुर चालक कल्याण संघ के विष्णु स्वासी, बुधन लाल मुंडा, अभिमन्यु महतो, मो. आलम, नेपाल महतो, किशोर यादव, मनसा मुंडा, युवा एकता संगठन के आशुतोष कुमार, संतोष महतो, मुकेश महतो सहित अनेक सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता शामिल हुए. धरना कार्यक्रम के माध्यम से स्थानीय लोगों ने अपने समस्याओं के निराकरण के लिए प्रशासन पर दबाव बनाने का संकल्प व्यक्त किया. जय हो सेवा संस्थान की यह पहल स्थानीय प्रशासन एवं समाज के बीच संवाद बढ़ाने और समस्याओं के त्वरित समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है.

अपराध सशस्त्र बल की टीम ने नागफेनी एवं एनएच-43 क्षेत्र में अवैध बालू भंडारण पर मारा छापा

दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी

शुभम संदेश। गुमला

उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित के निर्देश के आलोक में जिला प्रशासन द्वारा अवैध बालू उत्खनन एवं भंडारण के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया. अनुमंडल पदाधिकारी, गुमला के नेतृत्व में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, खान निरीक्षक, थाना प्रभारी सिसई थाना, अंचल राजस्व उप निरीक्षक एवं सशस्त्र बल की टीम ने नागफेनी एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में व्यापक छापामारी की. अभियान की शुरुआत पूर्वाह्न 11:30 बजे की गई.

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि नागफेनी मौजा, नागफेनी रापुटोली तथा एनएच-43 नागफेनी पुल के पास रांची–गुमला मुख्य मार्ग की बायीं ओर पुराने रोड पर कई स्थलों पर अवैध रूप से भारी मात्रा में बालू का भंडारण किया गया था.

जांच में यह स्पष्ट हुआ कि नागफेनी क्षेत्र के कई हिस्सों मुख्य रूप से नागफेनी गांव, रापुटोली टोला, एनएच-43 के किनारे पुराने मार्ग तथा नागफेनी पुल के आसपास अवैध रूप से हजारों घनफीट बालू जमा किया गया था. विभिन्न स्थानों पर लगभग 700 घनफीट से 4000 घनफीट तक बालू का अवैध भंडारण पाया गया.प्रशासनिक टीम द्वारा सभी स्थानों पर बालू की जब्ती प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है.

खनन विभाग एवं राजस्व टीम द्वारा मात्रा का सटीक निर्धारण तथा आगे की विधिक प्रक्रिया की कार्रवाई की जा रही है. अनुमंडल पदाधिकारी, गुमला ने बताया कि अवैध खनन एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन लगातार कार्रवाई कर रहा है. अवैध गतिविधियों से न केवल राजस्व की हानि होती है, बल्कि पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचता है.

उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की रियायत नहीं दी जाएगी और दोषियों के विरुद्ध खान एवं पर्यावरण संरक्षण अधिनियमों के तहत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी. जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि अवैध खनन या भंडारण की सूचना तुरंत स्थानीय प्रशासन तक पहुंचाएं, जिससे समय पर कार्रवाई कर प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण किया जा सके.

18 जंगली हाथियों के झुंड ने मचाया आतंक ग्रामीण फसलों की सुरक्षा को लेकर चिंतित

शुभम संदेश। भंडरा/लोहरदगा

जिले के भंडरा प्रखंड अंतर्गत तिलसिरी गांव में बुधवार की अहले सुबह 18 जंगली हाथियों के झुंड ने इलाके में दहशत फैला दी. हाथियों का यह झुंड तिलसिरी पतरा जंगल में डेरा जमाए हुए है, जिससे ग्रामीण अपनी और अपनी फसलों की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं. घटना उस समय हुई जब तिलसिरी निवासी सुमित मिंज अपने घर में सो रहे थे. जैसे ही उन्होंने बाहर देखा, हाथियों ने उन्हें देखकर आक्रामक व्यवहार किया और भागने पर मजबूर किया. सुमित ने किसी तरह अपनी जान बचाई. घटना के बाद ग्रामीण विशेषकर सुबह और शाम के समय घरों से बाहर निकलने में डर महसूस कर रहे हैं. स्थानीय ग्रामीणों ने वन विभाग को हाथियों की मौजूदगी की सूचना दी है और जल्द से जल्द उन्हें सुरक्षित जंगल की ओर खदेड़ने की मांग की है. ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग की कार्रवाई अक्सर देर से और अपर्याप्त होती है, जिससे उनका भय बढ़ता है. भंडरा क्षेत्र में हाथियों द्वारा उत्पात पहली बार नहीं हुआ है. फरवरी 2023 में अकेले हाथी द्वारा कई लोगों की मौत और संपत्ति को नुकसान पहुँचाने की घटनाएँ भी सामने आई थीं. जंगली हाथी अक्सर रात के अंधेरे में गाँवों में घुसकर फसलें बर्बाद करते और घरों को क्षतिग्रस्त करते हैं. इससे ग्रामीणों को लाखों रुपए का नुकसान उठाना पड़ता है. वन विभाग की ओर से गंभीर घटनाओं में मृतकों के परिवार को मुआवजा दिया जाता है, लेकिन ग्रामीणों का मुख्य मुद्दा जान-माल की सुरक्षा है. पूर्व में हाथियों को खदेड़ने के लिए पश्चिम बंगाल के पुरुलिया और बांकुड़ा से विशेष दल बुलाया गया था.

मंथन

ई-केवाईसी की धीमी प्रक्रिया: आम जनता हो रही परेशान

झारखंड में विभिन्न सरकारी योजनाओं से जुड़े लाभार्थियों के लिए ई-केवाईसी कराना अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि पारदर्शिता बढ़ाई जा सके और फर्जी लाभार्थियों की पहचान रोकी जा सके. लेकिन जमीनी स्तर पर यह प्रक्रिया लोगों की मुश्किलें और बढ़ा रही है. प्रदेश के कई जिलों में ई-केवाईसी अपडेट करने की गति काफी धीमी है, जिसके चलते हजारों लोग समय पर अपना सत्यापन नहीं करा पा रहे हैं.सबसे बड़ी समस्या तकनीकी अवरोधों से सामने आ रही है. कई सेवा केंद्रों पर इंटरनेट की गति बेहद धीमी होने के कारण बायोमेट्रिक सत्यापन बार-बार फेल हो जाता है. इसके अलावा सर्वर डाउन रहने की शिकायतें भी आम हैं, जिससे लाभार्थियों को घंटों लाइन में खड़े रहने के बाद भी खाली हाथ लौटना पड़ता है. ग्रामीण क्षेत्रों में यह समस्या और गंभीर हो जाती है क्योंकि वहां तकनीकी संसाधन पहले ही सीमित हैं.लाभार्थियों में बड़ी संख्या बुजुर्गों और मजदूरों की है, जिनके लिए कई-कई बार केंद्रों तक आना-जाना कठिन होता है. गर्मी, बरसात और लंबी दूरी तय कर के केंद्रों तक पहुंचने वाले लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है. कई मजदूर दैनिक मजदूरी छोड़कर केवल ई-केवाईसी कराने आते हैं, जिससे आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है.सेवा केंद्र संचालक बताते हैं कि प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग ई-केवाईसी कराने पहुंचते हैं, लेकिन सर्वर समस्या और सीमित मशीनों के कारण वे सभी का काम नहीं कर पाते. इससे भीड़ बढ़ती है और तनाव का माहौल बनता है.हालांकि सरकार दावा करती है कि तकनीकी टीम समस्याओं को दूर करने में लगी है और जल्द ही ई-केवाईसी प्रक्रिया सुचारु कर दी जाएगी. लेकिन जब तक सुधार नजर नहीं आता, तब तक आम जनता की परेशानियाँ बन बरकरार रहेंगी. ई-केवाईसी की अनिवार्यता तब ही सफल होगी जब इसकी प्रक्रिया सरल, तेज और सभी तक प्रभावी रूप से पहुंच सके.

नजरिया

बिहार में फिर से नीतीश कुमार, आज लेंगे शपथ

बिहार के 2025 विधानसभा चुनावों में एनडीए को बड़ी विजय मिली है और इसी ताज़ा नतीजे के बाद नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री के पद पर फिर से देखे जाने की संभावना बन गयी है. विश्लेषकों के मुताबिक, नीतीश की वापसी सिर्फ सत्ता की लालसा नहीं, बल्कि लंबे वर्षों में बनायी गई उनकी विश्वसनीय छवि और विकास-केंद्रित राजनीति का प्रतिफल है. जनता को एक अनुभवी और भरोसेमंद नेतृत्व चाहिए, खासकर तब जब बदलाव का वादा करने वाले नए चेहरे पर भरोसा करना जोखिम भरा हो सके, और नीतीश ने इस भरोसे को अच्छे से निभाया है. एनडीए गठबंधन में उनकी भूमिका भी निर्णायक रही. उनके साथ भाजपा, लोक जनशक्ति पार्टी और अन्य सहयोगी दलों की ताकतभरी संगठनात्मक मशीनरी और वोट किले ने उन्हें फिर एक मौका दिलाया. इसके सेहतमंद गठबंधन ने विधानसभा में मजबूत बहुमत भी सुनिश्चित किया. राजनीतिक स्थिरता की तस्वीर सामने आती है जब यह बताया जाता है कि नीतीश का दसवां कार्यकाल शुरू हो रहा है. उनके साथ ही सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा दोबारा उप-मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं, जो पिछले अनुभव और गठबंधन संतुलन को बनाए रखने का संकेत है. कुल मिलाकर, बिहार की जनता ने अनुभवी नेतृत्व और सुशासन को फिर महत्व दिया है. एक बार फिर नीतीश कुमार की छवि उस "टाइगर" के रूप में उभरी है, जो संकट-भरे राजनीतिक माहौल में भरोसेमंद विकल्प बनकर सामने आया है.

वैश्विक आदिवासी चेतना का अनुशीलन

डॉ मयंक मुरारी

जहां आदिवासी है, वहीं जंगल है, वहीं जल है और वही जीवन भी है

आदिवासी समाज में कहावत है कि यह धरती हमें अपने पूर्वजों से विरासत में नहीं मिली है. हमने इसे अपने बच्चों से उधार लिया है. विरासत में मिली वस्तु पर हमारा आधिकार होता है, जबकि उधार ली गयी वस्तु हमें लौटानी पड़ती है. इसलिए यह जरूरी है कि हम प्रकृति के संसाधनों का दोहन करें, उसका शोषण नहीं करें. जहां आदिवासी है, वहीं जंगल है, वहीं जल है और वही जीवन भी है. आखिर घने जंगल में आदिवासी समाज रहकर भी अपने अस्तित्व बचाए रखने में न केवल सक्षम है, बल्कि आधुनिक समाज की मुख्यधारा से अलग अस्तित्व की केंद्रीयधारा का हिस्सा है. जब हम अथक परिश्रम करके, अकूत संसाधन के बावजूद भी कमी की भावना से ग्रसित है, तब आदिवासी चेतना का अनुशीलन जरूरी हो जाता है, जिसमें पूरी आदिवासी सभ्यता को पता है कि कहां बसना है, भोजन कैसे करना है और अपने संसाधनों का उपयोग कैसे करना है.

आदिवासी समाज का ज्ञान समाज के लोकगीत, लोककथाओं, रीति-रिवाजों और परंपराओं में समाहित है, जिससे वे ज्ञान, प्रकाश और शक्ति पाते हैं. हम आधुनिक समाज इन सबको दकियानुसी मानकर भूलता जा रहा है, तब जनजातीय के अस्तित्व, आनंद और जीवनाधार के इस ज्ञान का अनुशीलन जरूरी हो जाता है. वैश्विक आदिवासी चेतना एक बहुआयामी अवधारणा है जिसमें संपूर्ण मानवता के साथ तादात्म्य किया जाता है. यह क्षेत्रीय एवं नागरीय अभिविन्यास और वैश्विक समाज को अपने साथ जोड़ता है. वैश्विक आदिवासी चेतना का अनुशीलन, उनके अधिकारों, सांस्कृतिक विरासत, और पर्यावरण संरक्षण में योगदान को समझना और उनका सम्मान करना है. यह उन चुनौतियों और संघर्षों के प्रति जागरूकता फैलाने पर केंद्रित है जो वे गरीबी, विस्थापन और मानवाधिकारों के उल्लंघन जैसी समस्याओं का सामना करते हैं. इस चेतना में आदिवासी साहित्य और कला का विमर्श भी शामिल है, जो उनकी पहचान और अस्तित्व को दर्शाता है. वर्तमान में जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वॉर्मिंग, प्रदूषण और जैव विविधता के संकट से जूझ रही है, तब आदिवासी समुदाय का पारंपरिक ज्ञान, संरक्षण की संस्कृति और संतुलित उपभोग की धारणा हमारे लिए प्रेरणा का स्रोत हो सकती है. आधुनिक समाज जो 'सस्टेनेबिलिटी' के मॉडल खोज रहा है, वह आदिवासी जीवन में सहज रूप से विद्यमान है. उनके रहन-सहन, खान-पान, जीवन के व्यवहार, पर्व-त्योहार में यह परिलक्षित होता है. यह संवेदनशीलता उन्हें प्रकृति के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाती है.आदिवासी समुदाय, जिनका जीवन जंगलों, पहाड़ों, नदियों और प्रकृति की लय के साथ बंधा हुआ है. वे जंगल को सिर्फ संसाधन नहीं, बल्कि माता, संरक्षक और जीवनदाता मानते हैं. उनके लिए प्रकृति पूजा का नहीं, साझेदारी का माध्यम है. उनके साथ समूचा अस्तित्व का बोध होता है. उनकी दैनिक जीवन में प्रकृति का सहज गतिशीलता होती है, उनके गीतों में नदी बहती है, उनके त्योहारों में वृक्ष खिलते हैं और उनकी जीवनशैली में धरती मुस्कुराती है. आदिवासी समाज का जीवन पूरी तरह प्रकृति पर आधारित होता है. उनके लिए जंगल केवल जीवन यापन का साधन नहीं, बल्कि पूजा, परंपरा, ज्ञान और अस्तित्व का केंद्र होता है. वे न तो जंगल, जमीन और जल को अलग मानते हैं, न ही उस पर अपना स्वामित्व जताते हैं. उनके लिए जंगल उनके शरीर का विस्तार है, जमीन उनकी पहचान है और जल ही उनका जीवन है. उनकी सांसों की गंध में जमीन है, और उनकी आत्मा की गहराई में जंगल है.

आदिवासी जीवन में भोजन, ईंधन, औषधि, आवास का स्रोत अरण्य संस्कृति पर आधारित है. बैगा जनजाति, जिसे 'जंगल का डॉक्टर' भी कहा जाता है, सैकड़ों औषधीय पौधों की जानकारी पीढ़ी दर पीढ़ी स्थानांतरित करती आई है. क्योंकि उनके पास लगभग 250 से अधिक औषधीय पौधों की पहचान और उपयोग की पारंपरिक जानकारी है. वे पेड़ की छाल, पत्ते, बीज और जड़ों का उपयोग कर बीमारियों का इलाज करते हैं. झारखंड में होड़ापैथी में बिना वनस्पति को नुकसान पहुँचाए, इलाज की जाती है. आदिवासी समाज सैकड़ों वर्षों से जड़ी-बूटियों द्वारा चिकित्सा करते आए हैं. वे बिना पेड़ काटे, बिना जड़ों को हानि पहुँचाए दवाओं का निर्माण करते हैं. यह उनकी पर्यावरणीय चेतना और संवेदनशीलता को दर्शाता है. आज भी भारत के अधिकांश आदिवासी गांव ऐसे हैं जहाँ वनों के बगैर जीवन की कल्पना ही नहीं की जा सकती. चाहे वह दैनिक भोजन हो, दवा हो या आजीविका वनों के बिना सब अधूरा है. आदिवासी चेतना की व्यापकता में वैश्विक कल्याण और उसके संरक्षण एक अहम कारक रहा है. उरांव जनजाति में बूढ़ी करम की प्रथा है. यह उरांव जनजाति में वृद्ध जनों के प्रति सम्मान और स्त्री समानता पर जोर देता है. नेपाल के नेवार जनजाति में जब किसी व्यक्ति का उम्र 66 वर्ष छह माह और 66 दिन होता है तो सामूहिक भोज दिया जाता है. फिर 77 वर्ष और आगे यह दोहराया जाता है. कर्नाटक के सोलिंगा जनजातियों में जीव-जंतु को मनुष्य के बरावर माना जाता है. वहां मधु इकटठा करने के दौरान कुछ भाग धरती पर छोड़ दिया जाता है ताकि बाघ उसे खाए. वे लोग बाघ को अपने परिवार का हिस्सा मानते हैं. इसी प्रकार इंडोनेशिया में ओरंग रिम्बा समुदाय शिशु के जन्म पर उसके गर्भनाल को सेंटुबुंग वृक्ष के नीचे गाड़ दिया जाता है और बच्चे तथा वृक्ष का एक अटूट संबंध बन जाता है. बंगा जनजातीय मानती है कि धरती को जोतना धरती माता की छाती को चीरने के समान है. वे मानते है कि ईश्वर से जंगल और पहाड़ के माध्यम से मनुष्य के लिए प्रचुर सामग्री भोजन के लिए दिया है.

आदिवासी समाज में पर्यावरण केवल एक वस्तु नहीं, एक चेतना है. वे जल, जंगल और जमीन को जीवन के त्रिकोण के रूप में देखते हैं. नदी हो या पहाड़, पेड़ हो या पशु. सबके साथ उनका रिश्ता आध्यात्मिक होता है. वे नदी को माँ मानते हैं, पेड़ को देवता और पहाड़ को संरक्षक. यह सोच उन्हें प्रकृति का पूजक और रक्षक बनाती है. आदिवासियों की कृषि पद्धति भी पारंपरिक होती है. वे स्थान-स्थान पर खेती करते हैं, जिससे जमीन को विश्राम मिलता है और उसकी उपजाऊ शक्ति बनी रहती है. वे बिना रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के जैविक खेती करते हैं. यह प्रणाली पर्यावरण के लिए सुरक्षित होती है और मिट्टी के स्वास्थ्य को संरक्षित रखती है. उनकी पारंपरिक सिंचाई विधियाँ जल संरक्षण के आदर्श उदाहरण हैं.

आज का इतिहास

1815 : यूरोप में शांति व्यवस्था बनाये रखने के लिए रूस, प्रशिया, आस्ट्रिया और इंग्लैंड ने गठबंधन किया.
1829 : रूस के निकोलायेव और सेवेस्तोपोल क्षेत्र से यहूदियों को निकाला गया.
1866 : वाशिंगटन में हावर्ड विवि की स्थापना.
1917 : यूक्रेन गणराज्य घोषित हुआ.
1942 : ब्रिटिश सेना ने लीबिया की राजधानी बेनगाजी पर दोबारा क़ब्ज़ा किया.
1945 : जापान का अमेरिका के समक्ष पूर्ण आत्मसमर्पण एवं द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति.
1949 : इजरायल में यहूदियों की संख्या दस लाख हुई.
1955 : पॉली उमरीगर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट मैच में भारत की ओर से पहला दोहरा शतक लगाया.
1968 : अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया.

चिंतन

भगवान गणेश की भी महिमा अपार थी

एक समय की बात है, भगवान गणेश बाल रूप में चुटकी भर चावल और एक चम्मच दूध लेकर पृथ्वी लोक में भ्रमण पर निकले. वे गाँव-गाँव घूमते हुए सभी से खीर बनाने की विनती कर रहे थे, लेकिन कोई भी उनकी बात पर ध्यान नहीं दे रहा था. लोग उन्हें केवल एक सामान्य बालक समझ रहे थे और उनकी बातों को अनसुना कर रहे थे. इसी दौरान, एक गरीब बुढ़िया ने गणेश जी की आवाज सुनी और उनकी बात मानकर खीर बनाने के लिए तैयार हो गई. उसने अपने घर के छोटे से बर्तन में चावल और दूध डालकर चूल्हे पर चढ़ा दिया. गणेश जी ने बुढ़िया से कहा, "यह बर्तन छोटा है, घर का सबसे बड़ा बर्तन लेकर आओ और उसमें खीर बनाओ." बुढ़िया ने बाल लीला समझते हुए घर का सबसे बड़ा भगोना चूल्हे पर चढ़ा दिया. कुछ ही देर में एक अद्भुत चमत्कार हुआ – गणेश जी के दिए चावल और दूध से वह बड़ा भगोना खीर से भर गया. गणेश जी ने बुढ़िया से कहा, "मैं स्नान करने जा रहा हूँ, जब लौटूंगा तो खीर खाऊँगा." यह कहकर वे वहां से चले गए. इस बीच बुढ़िया के पोते-पोती आए और भूख लगने पर बुढ़िया ने उन्हें खीर खिला दी. बुढ़िया की एक पड़ोसन भी खीर बनते देख रही थी, उसे भी बुढ़िया ने कटोरा भरकर खीर दे दी. बुढ़िया की बहू ने भी चुपके से एक कटोरा खीर खा ली और एक कटोरा खीर छिपा दिया. बुढ़िया ने सोचा कि इतनी खीर बच गई है, इसे क्या किया जाए. उसने फिर से गणेश जी को बुलाया और कहा, आजा रे गणेस्या, खीर खा ले." तभी गणेश जी वहां प्रकट हुए और बोले, मैंने तो खीर पहले ही खा ली है." बुढ़िया ने आश्चर्यचकित होकर पूछा, "तुमने कब खाई?" गणेश जी ने मुस्कुराते हुए उत्तर दिया, जब तेरे पोते-पोती, पड़ोसन और बहू ने खाई, तब ही मेरा पेट भर गया. बुढ़िया ने यह सुनकर सोचा कि इतनी खीर अभी भी बची है, इसका क्या उपयोग किया जाए. गणेश जी ने कहा, "इस खीर को नगर में बाँट दो." बुढ़िया ने गणेश जी के आदेश का पालन किया और नगर में खीर बाँट दी. इस बात की खबर राजा तक पहुँची और उसने बुढ़िया को अपने दरबार में बुलाया. सारा माजरा जानने के बाद, राजा ने बुढ़िया का खीर का भगोना अपने पास मंगवाया. पर जैसे ही भगोना महल में पहुंचा, उसमें कीड़े-मकोड़े और जहरीले जानवर भर गए.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #InternationalMensDay 17K
2. #IndiraGandhi
3. #TiharJailReforms
4. सम्राट चौधरी
5. विजय सिन्हा
6. #PMKISAN
7. इंदिरा गांधी 21K
8. #TheRosebush
9. प्रथम महिला
10. Shai Hope

बहुरंग

निर्माता की कुर्सी पर बैठे पंकज त्रिपाठी लेकर आ रहे जबरदस्त वेब सीरीज

'मिर्जापुर' के कालीन भैया के रूप में दिल जीतने वाले पंकज त्रिपाठी अब अभिनय के साथ-साथ प्रोडक्शन के क्षेत्र में भी हाथ आजम रहे हैं. उनकी पहली बतौर निर्माता वेब सीरीज़ 'परफेक्ट फैमिली' है, जो एक अनोखे मॉडल के साथ 27 नवंबर को सीधे यूट्यूब पर रिलीज होने जा रही है. 8 एपिसोड की यह सीरीज़ पेड मॉडल पर उपलब्ध होगी, जिसे भारत में लंबे फॉर्मेट के कंटेंट की नई लॉन्चिंग रणनीति माना जा रहा है. रिपोट्र्स की मानें तो पंकज पहली बार किसी प्रोजेक्ट का निर्माण कर रहे हैं. ऑन-स्क्रीन दमदार परफॉर्मेंस के बाद अब वह पर्दे के पीछे अपने हुनर को साबित करने के लिए तैयार हैं. 'परफेक्ट फैमिली' एक हल्की-फुल्की फैमिली ड्रामा सीरीज़ है, जिसे अजय राय और मोहित छब्बा ने क्रिएट किया है. यह यूट्यूब पर आम वीडियो की तरह मुफ्त नहीं चलेगी, बल्कि दर्शकों को इसे खरीदकर देखना होगा. भारतीय लॉन्ग फॉर्मेट कंटेंट की दुनिया में इसे एक दिलचस्प प्रयोग माना जा रहा है. जैसा कि आमिर खान की 'सितारे जमीन पर' सीधा यूट्यूब पर रिलीज हुई थी, 'परफेक्ट फैमिली' भी इसी तरह दर्शकों तक पहुंचेगी. शो के पहले दो एपिसोड बिल्कुल मुफ्त होंगे, इसके बाद बाकी एपिसोड देखने के लिए दर्शकों को 59 रुपये का भुगतान करना होगा. पंकज त्रिपाठी ने कहा, ये तरीका साहसी और जरूरी है. अपने नए सफर को लेकर पंकज त्रिपाठी बेहद उत्साहित हैं. उनका कहना है कि ₹'परफेक्ट फैमिली' मेरे लिए बहुत खास है. इसकी कहानी अच्छी है और इसके रिलीज का तरीका भी बिल्कुल नया और साहसी है. यूट्यूब अब बड़े शोज़ का भी मजबूत प्लेटफॉर्म बन चुका है और मुझे लगा कि यही सही दिशा है. उन्होंने बताया कि पारंपरिक ओटीटी प्लेटफॉर्म की बजाय यूट्यूब को चुनना एक सोच-समझकर लिया गया निर्णय है. सीरीज़ में दमदार कलाकारों की पूरी टीम है, गुलशन देवैया, नेहा धूपिया, सीमा पाहवा, मनोज पाहवा और 'जवान' फेम गिरजा ओक गोडबोले महत्वपूर्ण किरदारों में दिखेंगे. कहानी कर्करिया परिवार और उनके बेटे दानी के इर्द-गिर्द घूमती है. दानी बेहद भावुक बच्चा है, जिसे एक दिन स्कूल में घबराहट का दौरा पड़ता है. इसके बाद परिवार उसकी मदद के लिए थेरेपी शुरू करता है और धीरे-धीरे सामने आता है कि घर का हर सदस्य अपनी-अपनी समस्याओं से जूझ रहा है.

सैफ अली खान ने अंधेरी में 30.45 करोड़ रुपये के दो ऑफिस खरीदे

बॉलीवुड सितारे अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपनी लग्ज़री लाइफस्टाइल, महंगी कारों और आलीशान प्रॉपर्टीज़ को लेकर भी चर्चा में रहते हैं. इन्हीं में से एक हैं पटौदी परिवार के नवाब और बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान, जो इन दिनों रियल एस्टेट में लगातार बड़े निवेश कर रहे हैं. हाल ही में सैफ ने मुंबई में अपने नए ऑफिस सेटअप के लिए दो कमर्शियल स्पेस खरीदे हैं, जिनकी कीमत सुनकर हर कोई हैरान है. रिपोट्र्स की मानें तो सैफ अली खान ने मुंबई के पॉश इलाके अंधेरी में 30.45 करोड़ रुपये की भारी-भरकम कीमत चुकाकर दो कमर्शियल ऑफिस स्पेस खरीदे हैं. यह प्रॉपर्टी मुंबई के प्रीमियम बिज़नेस एड्रेस, 'कनकिया वॉल स्ट्रीट' में स्थित है. नई खरीदी गई जगह का कुल क्षेत्रफल 5,681 वर्ग फुट है. इसके साथ ही सैफ को इस डील में छह कार पार्किंग स्पॉट भी मिले हैं. रिपोर्ट्स के अनुसार यह पूरी प्रॉपर्टी अमेरिकी दवा कंपनी एपिओर फार्मास्युटिकल ने सैफ को बेची है. इस डील के साथ सैफ अली खान ने अपने रियल एस्टेट पोर्टफोलियो में एक और प्रीमियम स्पेस जोड़ लिया है. सैफ अली खान पहले भी भारत और विदेश में कई प्रीमियम प्रॉपर्टीज़ खरीद चुके हैं. उनकी लाइफस्टाइल और निवेश के फैसले अक्सर सुर्खियों में रहते हैं और यह नई खरीद उसी दूरदर्शी निर्णय क्षमता का एक और उदाहरण है.

फिल्म रिलीज़ की तैयारी के बीच निर्देशक राय खुलकर बताते हैं कि किस तरह उनकी रचनात्मक सोच बदली है. सालों के सफर में आनंद राय के किरदारों और रिश्तों को देखने का तरीका विकसित हुआ है. वे स्वीकारते हैं कि समय के साथ उनके भीतर नए विचार जन्मे हैं. वह कहते हैं, अगर मैं बदल रहा हूं, तो मुझे चाहिए कि मेरी ऑडियंस भी मेरे साथ बदले. मैं किसी पुरानी कहानी को नए नज़रिए से बताने से कभी नहीं डरूंगा. लंबे समय तक मैन वुमन रिलेशनशिप बराबरी से नहीं दिखाए गए, यह मेरी सीख है.

'तेरे इश्क में' 28 नवंबर को हिंदी, तमिल और तेलुगु में थिएटरों में दस्तक देगी

फिल्ममेकर आनंद एल राय अपने सिनेमा की भावनात्मक ईमानदारी, मानवीय रिश्तों की बारीकी और खुलकर बात करने वाले स्वभाव के लिए हमेशा सराहे गए हैं. धनुष और कृति सेनन स्टारर फिल्म 'तेरे इश्क में' 28 नवंबर को हिंदी, तमिल और तेलुगु में थिएटरों में दस्तक देगी. फिल्म रिलीज़ की तैयारी के बीच निर्देशक राय खुलकर बताते हैं कि किस तरह उनकी रचनात्मक सोच बदली है. सालों के सफर में आनंद राय के किरदारों और रिश्तों को देखने का तरीका विकसित हुआ है. वे स्वीकारते हैं कि समय के साथ उनके भीतर नए विचार जन्मे हैं. वह कहते हैं, अगर मैं बदल रहा हूं, तो मुझे चाहिए कि मेरी ऑडियंस भी मेरे साथ बदले. मैं किसी पुरानी कहानी को नए नज़रिए से बताने से कभी नहीं डरूंगा. लंबे समय तक मैन वुमन रिलेशनशिप बराबरी से नहीं दिखाए गए, यह मेरी सीख है. शायद 'तनु वेड्स मनु' या 'रांझणा' के समय मैं इस तरह नहीं सोचता था, अब सोचता हूं.

आनंद राय बताते हैं कि कैसे सफलता की उम्मीदें कभी-कभी कहानी कहने की सरलता पर भारी पड़ जाती हैं. वे कहते हैं, जब मैं कहानी को लेकर निर्भीक था और सिर्फ उसे ईमानदारी से सुनाने का दबाव लेता था, तब मेरी दुनिया सही चल रही थी. लेकिन जब लगा कि लोग एक 'सक्सेसफुल डायरेक्टर' से ज़्यादा उम्मीदें लगाने लगे हैं, और मुझे बड़ा सोचना चाहिए, तभी मैं लड़खड़ाया. आनंद राय स्वीकारते हैं कि उन्हें बार-बार अपनी जड़ें याद दिलानी पड़ती हैं. वे कहते हैं, जुड़े रहना बहुत ज़रूरी है. मेरी ज़मीन छूटती है तो मुझे उसे फिर पकड़ना पड़ता है. मैं अपने पेंटहाउस में चला जाता हूं, फिर खुद को याद दिलाता हूं, तू वही दिल्ली का लड़का है, तेरी आधी ज़िंदगी उन पीले घरों में गुज़री है. तेरी कहानियां वहीं हैं, तू सोच क्यों नहीं रहा? फिल्म की रिलीज़ नज़दीक आते-आते आनंद राय के ये विचार संकेत देते हैं कि वे अपने सबसे ईमानदार, संवेदनशील और ज़मीन से जुड़े फिल्ममेकिंग स्टाइल में लौट रहे हैं. उनकी बातों से साफ है कि 'तेरे इश्क में' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि उनकी कहानी कहने की नई समझ और पुरानी आत्मा का मिलन है.

मेष : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे. किसी से कहा सुनी न हो यही ध्यान रहें. अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे. लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी. कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी. पुराने मित्र मिलेगें. शुभांक-4-6-7

वृष : अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे. विशेष परिश्रम से अभिष्ट कार्य सिद्घ होंगे. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी. विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है. शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग-जनों से मतभेद रहेगा. शुभांक-3-5-7

मिथुन : आर्थिक उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे. रोजगार में तरक्की मिलेगी. जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है. आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी. कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है. शत्रुओं की पराजय होगी. कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होगी. नियोजित धन से लाभ होने लगेगा. शुभांक-2-4-6

कर्क : उच्च मनोबल रखकर कार्य करें, सफल होगे. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. शुभांक-1-3-5

सिंह : यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी. लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. बुद्घितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा. कुछ महत्त्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. शुभांक-4-6-8

कन्या : घर-परिवार में प्रसन्नता व सहयोग का वातावरण बनेगा. रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है. मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी. व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है. कामकाज की अधिकता रहेगी. लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी. मेहमानों का आगमन होगा. शुभांक-5-7-8

तुला : संतान की प्रगति से संतोष होगा. व्यर्थ की भाग-दौड़ में समय व्यतीत होगा. श्रम अधिक करना पड़ सकता हैं. वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं. समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है. कलह विवाद का डर बना रहेगा. पारिवारिक तनाव, अलगाव का सामना करना पड़ सकता है. शुभांक-5-7-9

वृश्चिक :अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेगें. प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. ज्ञान-विज्ञान की वृद्घि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. कुछ कार्य भी सिद्घ होंगे. किसी अपने की सलाह उपयोगी सिद्घ होगी. शुभांक-3-5-7

धनु : कार्यक्षेत्र में विवाद बढ़ेंगे. परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता है. मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी. किसी का अभद्र व्यवहार खिन्नता व तनाव बढ़ायेगा. कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा. मनोरथ सिद्घि का योग है. विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है. शुभांक-1-4-8

मकर : आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्घ हो रहे हैं. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. मान-सम्मान बढ़ेगा. धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. सुख-आनंद कारक समय है. लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. आय के अच्छे योग बनेंगे. संतान की उन्नति के योग हैं. शुभांक-3-5-7

कुंभ : बुद्घितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा. कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी. मनोविनोद बढ़ेगे. व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है. शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा. कामकाज की अधिकता रहेगी. संतान की उन्नति के योग हैं. शुभांक-1-4-6

मीन : व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है. जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है. मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी. आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. शुभांक-2-4-6

जमाना ऑनलाइन लर्निंग का

आज के दौर में आनलाइन लर्निंग का क्रेज बढ़ता जा रहा है। आप भी अपने पीसी या लैपटॉप के सामने बैठकर और इंटरनेट से जुड़कर पढ़ना चाहते है, तो आनलाइन-लर्निंग एक बेस्ट आप्शन हो सकता है। कुछ बातों को ध्यान में रखकर ऑनलाइन पढ़ाई कर सकते हैं। इससे आप कॉलेज में अटेंडेंस के चक्कर से भी बच जाएंगे। बस आपको ध्यान रखनी होगी डेट लाइन की। खास बात यह कि ऑनलाइन कोर्स के जरिए सर्टिफिकेट कोर्स का प्रचलन तेजी से बढ़ रहा है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

एलसीबीएस के फाउंडर एवं सीईओर अभय गुप्ता बताते हैं किसी भी विषय के कोर्स कितने महंगे होते जा रहे हैं। लेकिन ऑनलाइन कोर्स के शुरू होने से आज आप घर बैठे ही अपने मोबाईल या कंप्यूटर पर इंटरनेट के माध्यम से बड़े बड़े कॉलेज और यूनिवर्सिटी में होने वाले कोर्स कर सकते हैं।

कोर्स का विवरण

एक महीने की अवधि वाले इस नए कोर्स ऑनलाइन लग्जरी मैनेजमेंट को शुरू करने का मुख्य कारण स्टूडेंट को लग्जरी मैट्रिक्स की जटिलताओं को आसानी से समझाना और लग्जरी के उद्योग में मंदी के दौर में भी स्टूडेंट्स के करियर को एक अच्छा ट्रैक देना है। वहीं दूसरे कोर्स एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट जिसकी अवधि 6 महीने है, जिससे स्टूडेंट भारतीय लग्जरी उद्योग के अनुभवी विशेषज्ञों और यूरोप के लग्जरी एक्सपर्ट्स और प्रोफेसर द्वारा दुनिया भर में लग्जरी व्यापार के विभिन्न पहलुओं को समझने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण मिल रहा है। यह कोर्सेज युवाओं के लिए एक अच्छे करियर के रूप में बन सकते हैं।

योग्यता

इस कोर्स मे एडमिशन लेने के लिए छात्र-छात्राओं का ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही स्टूडेंट की लग्जरी और मैनेजमेंट में दिलचस्पी भी होनी बेहद जरुरी होती है। इसके अलावा वो छात्र-छात्राएं जिनकी पर्सनालिटी और कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी है और अंग्रेजी में अच्छी पकड़ है, वो इस क्षेत्र में एक सफल तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। कोई एक विदेशी भाषा की जानकारी लाभदायक साबित हो सकती है पर यह अनिवार्य नहीं है।

अवसर

ऑनलाइन कोर्स इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट और एग्जीक्यूटिव डिप्लोमा इन लग्जरी मैनेजमेंट कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स लग्जरी सेल्स एडवाइजर, मार्केटिंग मैनेजर, ब्रांड कंट्री हेड, विजुअल मर्चेडाइजर, लग्जरी इवेंट प्लानर, ब्रांड मैनेजर बन सकते है। फैशन और लग्जरी कंसल्टेंट या वार्डरोब मैनेजर के तौर पर भी काम पा सकते है।

वेतन - इस कोर्स के पूरा होने के बाद स्टूडेंट्स लग्जरी की इंडस्ट्री मे अलग-अलग कंपनियों में इंटर्नशिप के लिए आवेदन कर सकते है, जिसमें बतौर स्टा-इपेंड 20 से 22 हजार रुपए मिलते। अगर आप जॉब के लिए जाते है तो शुरुआती सैलरी प्रति माह 30,000 रु. से 40,000 रु. के बीच हो सकती है।

फोरेंसिक साइंस प्रति युवाओं का बढ़ा रुझान

फोरेंसिक साइंस एक अप्लाइड साइंस है। अपराधियों का पता लगाने के लिए इस में वैज्ञानिक सिद्धांतों व तकनीक का प्रयोग किया जाता है। इस कार्य में सहायक होते हैं अपराध स्थल से मिले साक्ष्य। आधुनिकता के साथ अपराध के तरीके बढ़े हैं, तो छानबीन के तरीके भी ईजाद हुए हैं। युवाओं का इस फील्ड के प्रति रुझान बढ़ा है।

देश में दिन प्रतिदिन अपराधों का ग्राफ बढ़ता ही जा रहा है। यदि देश का युवा चाहता है कि उसका देश, राज्य या शहर अपराधमुक्त हो तो उसे अवश्य ही फोरेंसिक साइंस के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाना चाहिए। युवाओं के लिए यह क्षेत्र अत्यंत ही रोमांचकारी एवं आह्वानात्मक है। इस क्षेत्र मे युवा अपनी पहचान बनाकर नाम कमा सकते हैं। हमें युवाओं को सबसे पहले ये बताना होगा कि फोरेंसिक साइंस है क्या? और कैसे यह रोमांचकारी और आह्वानात्मक होता है। उदाहरणार्थ किसी घटनास्थल पर कोई वारदात होती है और वारदात को अंजाम देने वाले अपराधी को पकड़ पाना आसान नहीं होता तो उसे घटना स्थल की छोटी से छोटी वस्तु को भी इस साइंस की प्रयोगशाला में जांचा परखा जा सकता है और अपराधी तक पहुंचा भी जा सकता है। अपराधी को सजा दिलाने के लिए गवाही की आवश्यकता होती है और कई बार घटनास्थल पर इसका होना संभव नहीं हो पाता ऐसी अवस्था में घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाने का प्रयत्न यह फोरेंसिक साइंस करता है। फोरेंसिक साइंस विज्ञान की ही एक व्यवहारिक शाखा है। इस साइंस के द्वारा अपराधी के शोध से संबंधित छोटी से छोटी वस्तु का भी परीक्षण प्रयोगशाला में कर अपराधी को तलाशने का प्रयास किया जाता है। इसमें आधुनिक तंत्र ज्ञान का वापर किया जाता है। घटनास्थल पर अपराधी जब घटना को अंजाम देता है तो उस वक्त वहां वह कोई न कोई वस्तु अवश्य छोड़ जाता है मसलन रक्त, शारीरिक द्रव्य, नाखून, बाल, हाथ या पैरों के निशान इत्यादि इन सबका परीक्षण फोरेंसिक साइंस की प्रयोगशाला में किया जाता है और आरोपी तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

इस प्रकार इस विज्ञान का महत्व अपराध जगत के लिए बहुत अधिक समझा और जाना जाता है। इस क्षेत्र में दाखिल होने के लिए युवाओं को बारहवीं कक्षा मे विज्ञान से संबंधित विषय लेने होते हैं। जब बारहवीं उत्तीर्ण हो तो इस शाखा मे प्रवेश लेकर उपाधि ग्रहण की जा सकती है। ऐसे युवा जिन्होंने उपाधि में विज्ञान से संबंधित विषय जैसे भौतिक शास्त्र, रसायनशास्त्र, वनस्पति शास्त्र, प्राणीशास्त्र, जैविक रसायनशास्त्र, सूक्ष्मजीवशास्त्र, बीफार्मा, या बीडीएस को भी इस क्षेत्र में दाखिल होने के अवसर प्राप्त है। इस क्षेत्र मे पुलिस विशेषज्ञ, फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट, व इन्वेस्टिगेटिंग आफिसर व पूरी न्याय संस्था से संबंधित पद होते हैं जिसमें दक्षता प्रमाणित करने व मान-प्रतिष्ठा मिलाने के लिए अपार संभावनाएं हैं। अपराध के बढ़ते ग्राफ को देखते हुए निजी गुप्तचर भी फोरेंसिक साइंस वालों को अच्छा अवसर प्रदान करने लगे हैं। इस क्षेत्र में यदि युवा दाखिल होने का इच्छुक है तो उसे अनिवार्य योग्यता हासिल कर लेने के पश्चात स्टेट पब्लिक सर्विस कमीशन द्वारा आयोजित परीक्षाओं में सफल होना आवश्यक होता है। उस परीक्षा में जो अभ्यार्थी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण होते हैं उन्हें तुरंत नियुक्ति मिल जाती है।

चुनौतियों भरा

यह प्रोफेशन चुनौतियों भरा है। इसलिए इस करियर में आना है, तो चुनौतियों से निपटना आना चाहिए। किसी केस को निपटाने के लिए कभी-कभी असफलता भी हाथ लगती है, तो ऐसे में धैर्य नहीं खोना चाहिए और उस केस को चुनौती के तौर पर लेना चाहिए। जांच-पड़ताल का क्षेत्र है, तो जाहिर सी बात है कि दोस्त कम होंगे और दुश्मन ज्यादा बन जाएंगे, तो इस बात से भी भयभीत होने की चुनौती भी इस करियर मे है। हर स्थिति से निपटने की चुनौती स्वीकार करने वाला ही इसमें सफल होता है।

वेतनमान

गवर्नमेंट संस्थान में नौकरी मिलने पर इस क्षेत्र मे आरंभिक दौर मे 20 हजार रुपए प्रतिमाह तक वेतन मिलता है। इस के अलावा प्राइवेट सेक्टर में भी इस जॉब में अच्छा सैलरी पैकेज मिलता है।

देश में अनेक विश्वविद्यालय और शैक्षणिक संस्थान इस फोरेंसिक साइंस के अभ्यासक्रम को संचालित करते है लेकिन उनमें कुछ चुनिंदा संस्थान है जहां से पास आउट विद्यार्थियों ने इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए बाजी मारी है।

संस्थाओं के नाम निम्नानुसार है-

- लोकनायक जय प्रकाश नायक नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमीनालॉजी एंड फॉरेंसिकसाइंस दिल्ली।
- डॉ.हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर मप्र।
- डिपार्टमेंट ऑफ फॉरेंसिक साइंस पंजाब विद्यापीठ पंजाब।
- लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ उप्र।
- दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली युवा चाहें तो इस क्षेत्र में नाम कमा सकते हैं।

लॉन्ड्री व्यवसाय में भी अच्छे अवसर

आज शहरों में अनेक आलीशान हॉस्टल्स, होटल और अनेक वसतीगृह खुल गए है जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नहीं लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते हैं। कपड़ों की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते हैं। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

एक जमाना था जब हम कपड़ों को धोने के लिए रजक, परीट या धोबी के भरोसे रहते थे, परन्तु आज इस इक्कीसवीं सदी में कपड़ों की धुलाई के लिए मशीनें उपलब्ध हैं जिसे हम लॉन्ड्री व्यवसाय के नाम से जानते हैं।

आज महानगरों में ही नहीं तो गांवों, शहरों में भागमभाग की जिन्दगी है। समय का अभाव है। ऐसे में उस व्यवसाय में कैरियर के लिए बहुत अच्छे चांसेस है।

आज जिस भारत को हम कृषिप्रधान देश के नाम से जानते थे। जिसकी 75 प्रतिशत आबादी गांवों में ही वास करती थी। उस भारत का सपाटे से शहरीकरण और व्यवसायीकरण हो रहा है और एक अनुमान के अनुसार, 2027 तक देश की कुल 60 प्रतिशत जनता शहरों में बसेगी। ऐसे में इस व्यवसाय के रूप में आगे चलकर और भी वृहद होने वाला है। आज पति-पत्नी दोनों ही या तो नौकरी में हैं या व्यवसाय में। इसलिए कपड़ों की धुलाई प्राय- लॉन्ड्री में ही होती है। एक सर्वेक्षण से ये सत्य सामने आया है कि देश के तीन करोड़ श्रीमंत लोग अपनी धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्री में देते हैं। औसतन यदि हम खर्च देखें तो एक परिवार का प्रति माह एक हजार रुपए कपड़े धुलाई और आयरन पर खर्च होता है। आज शहरों में अनेक आलीशान हॉस्टल्स, होटल और अनेक वसतीगृह खुल गए हैं जिससे लॉन्ड्री व्यवसाय को बल मिल रहा है। इस व्यवसाय को चलाने के लिए दूसरे अन्य व्यवसायों जैसी लागत भी नहीं लगती। इसका खर्च सहजता से किया जा सकता है। जगह के नाम पर 300 से 500 वर्गफीट की आवश्यकता होती है। मशीन का मूल्य तीन से पांच लाख रुपए होता है और कामगार के नाम पर 2 से 4 नौकर धुलाई के लिए रखे जा सकते हैं। कपड़ों की धुलाई को ध्यान में रखें तो इस मशीन से रोजाना सत्तर से सौ किलो कपड़े धोए जा सकते हैं। और रोजाना कमाई आठ से दस हजार रुपए अपेक्षित होती है।

इसका सबसे बड़ा ग्राहक रेल्वे है। उसके बाद बड़े-बड़े पश हॉस्पिटल्स, होटल्स, स्कूल कॉलेजों के होस्टल्स और अनेक रईस परिवार हैं। धुलाई का कोई तोटा नहीं है कहें तो शायद कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। आज की लॉन्ड्रिया पूरी तरह नई तकनीक से सुसज्जित है। इस तकनीक ने इस व्यवसाय को हाईटेक बना दिया है। आपको एक फोन करने या मोबाईल एप पर मैसेज डालने की आवश्यकता है कि कुछ ही क्षणों में लॉन्ड्री का पिकअप ब्वाय आपके घर के दरवाजे पर हाजिर होता है।

आपको ये सारे कपड़े धोकर आयरन चलाकर और एक आकर्षक पैकिंग के साथ आपके घर पहुंचाए जाते हैं। इसमें सिर्फ तीन की अवधि लगती है। कभी-कभी तो लॉंड्री के इस आकर्षक पैकिंग को देखकर तो ये भ्रम होने लगता है कि कहीं हमने नए कपड़ों की शॉपिंग तो नहीं की है। आज इस इक्कीसवीं सदी में मनुष्य का जीवन वेगवान है। भागमभाग की जिन्दगी में वह अपने कपड़ों की धुलाई और आयरन के लिए लॉन्ड्रियों पर ही निर्भर रहता है। आज शहर हो या गांव, महानगर की बात ही अलग है कोई भी व्यक्ति धोया कपड़ा बगैर आयरन के नहीं पहनता। आयरन कराना एक अनिवार्यता बन गई है। ऐसे मे इस व्यवसाय से कोई भी मनुष्य इस लॉन्ड्री व्यवसाय से चालीस से पचास हजार तक का नफा कमाया जा सकता है। आप इस डिजिटल युग में इस व्यवसाय को किस तरीके से और कैसा बढ़ाया जाए ये उद्योजक पर निर्भर करता है। समय बदल गया है। तकनीक बदल गई। अब न तो परीट या रजक नजर आते और न ही धोबीघाट। आजकल इन सब का काम लॉन्ड्री व्यवसाय में वापरी जाने वाली आधुनिक मशीनें ही करती हैं।

कमाई का बढ़िया जरिया किचन गार्डन

साग-सब्जियों का हमारे दैनिक भोजन में महत्वपूर्ण स्थान है। विशेषकर शाकाहारियों के जीवन में। आजकल लोगों को शुध्द सब्जी मिलना बहुत ही मुश्किल है इसलिए आप आपके घर के आंगन में, घर की छत पर या अगर आपके पास कोई जमीं है तो आप आसानी से सब्जी बगीचा (किचन गार्डन) बना सकते हैं, इससे आपको शुध्द सब्जियां भी मिलेगी और साथ ही आप इन सब्जियों को बेच कर पैसे भी कमा सकते हैं !

साग-सब्जी भोजन में ऐसे पोषक तत्वों के स्रोत है, हमारे स्वास्थ्य को ही नहीं बढ़ाते, बल्कि उसके स्वाद को भी बढ़ाते हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग-सब्जियों का सेवन करना चाहिए, परंतु हमारे देश में साग-सब्जियों का वर्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है। इसलिए हमें इनका उत्पादन बढ़ाना चाहिए।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन

सब्जी बगीचा के लिए स्थल चयन में सीमित विकल्प है। हमेशा अंतिम चयन घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योंकि परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते है तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है। सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संख्या पर निर्भर करता है। सब्जी बगीचा के आकार की कोई सीमा नहीं है परंतु सामान्य रूप से वर्ग की अपेक्षा समकोण बगीचा को पसंद किया जाता है। चार या पांच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

बनाएं सब्जी बगीचा

स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते हैं। इससे एक तो एकत्रित अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और दूसरे उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही, सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी। सबसे अहम बात यह कि सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी। यह एक सुरक्षित पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगे।

पौधा लगाना को खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंटीमीटर की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 किलोग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंटीमीटर या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएं।

बीज की बुआई, पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे हृ भिंडी, बीन एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंटीमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है। प्रतिरोपित फसल, जैसे हृ टमाटर, बैंगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढककर उसके ऊपर 250 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर के लिए 30 दिनों की बुआई के बाद तथा बैंगन, मिर्ची तथा बड़ी प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है। टमाटर, बैंगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। बड़ी प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर 10 सेंटीमी की जगह छोड़ी जाती है। रोपण के तीसरे दिन पौधों की सिंचाई की जाती है। प्रारंभिक अवस्था में इस प्रतिरोपण को दो दिनों में एक दिन बाद पानी दिया जाए तथा बाद में चार दिनों के बाद पानी दिया जाए। सब्जी बगीचा का मुख्य उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्षभर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाएं। इससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी साग-सब्जी जैसे – धनिया, पालक, मेथी, पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

एशिया कप राइजिंग स्टार्स: ओमान पर 6 विकेट से जीत के साथ भारत ने सेमीफाइनल में बनाई जगह

भारत और पाकिस्तान सेमीफाइनल में पहुंचे, रोमांच चरम पर

एजेंसियां । नई दिल्ली

एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2024 में अब रोमांच अपने चरम पर है. टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत और पाकिस्तान की टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बना ली है. दोनों टीमें 21 नवंबर को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबलों में ग्रुप-ए की शीर्ष टीमों के खिलाफ खेलेंगी और फाइनल का टिकट हासिल करने की कोशिश करेंगी. मंगलवार को दोहा में खेले गए अहम मुकाबले में भारत ने ओमान को 6 विकेट से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ओमान ने

निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 135 रन बनाए. उनकी ओर से वसीम अली ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 45 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाए, जिसमें 1 छक्का और 5 चौके शामिल थे. भारत की ओर से गुरजप्रीत सिंह और सुयश शर्मा सबसे सफल गेंदबाज रहे, दोनों ने 2-2 विकेट अपने नाम किए. लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय बल्लेबाजों ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाया. भारत ने 17.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया. वैभव सूर्यवंशी 12 रन बनाकर आउट हुए, लेकिन हर्ष दुबे ने नाबाद 53 रन की मैच जिताऊ पारी खेली. वहीं नमन धीर ने भी 30 रन का अहम योगदान दिया.

ग्रुप बी में पाकिस्तान टॉप, भारत दूसरे स्थान पर: ग्रुप बी के मुकाबले काफी स्पष्ट रहे. पाकिस्तान ने अपने तीनों मैच जीतकर पहला स्थान हासिल किया, जबकि भारत ने तीन में से दो मैच जीतकर दूसरे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल में जगह बनाई. भारत को पाकिस्तान के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 8 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन अन्य मैचों में शानदार प्रदर्शन ने टीम इंडिया को अंतिम चार में पहुंचा दिया.

ग्रुप ए में मुकाबला अभी भी रोमांचक: दूसरी ओर ग्रुप-ए में स्थिति बेहद दिलचस्प बनी हुई है. बांग्लादेश शुरुआती दो मुकाबले जीतकर शीर्ष पर है, जबकि श्रीलंका और अफगानिस्तान ने एक-एक जीत के साथ क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया है. हांगकांग की टीम अब तक जीत का खाता नहीं खोल पाई है और तालिका में सबसे नीचे है. ग्रुप ए में बांग्लादेश, श्रीलंका और अफगानिस्तान के बीच सेमीफाइनल की दो बची हुई जगहों के लिए जोरदार जंग जारी है. 19 नवंबर को होने वाले मैचों के बाद तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी. बुधवार को अफगानिस्तान ए का मुकाबला हांगकांग ए से होगा, जबकि श्रीलंका ए की टीम बांग्लादेश ए के सामने उतरेगी. इन दोनों मैचों के नतीजे तय करेंगे कि कौन सी दो टीमें भारत और पाकिस्तान के साथ सेमीफाइनल में भिड़ेंगी. इस तरह 21 नवंबर को एशिया कप राइजिंग स्टार्स के सेमीफाइनल मुकाबले क्रिकेट प्रेमियों को खासा रोमांच देने वाले हैं.

आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 का शेड्यूल जारी

एजेंसियां । नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अंडर-19 पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2026 का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया है. यह टूर्नामेंट 15 जनवरी से 6 फरवरी तक जिम्बाब्वे और नामीबिया में संयुक्त रूप से खेला जाएगा. इस बार 16 टीमें कुल 41 मैचों में खिताब के लिए भिड़ेंगी. फाइनल मुकाबला 6 फरवरी को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में होगा. इस टूर्नामेंट की खास बात यह है कि तंजानिया पहली बार अंडर-19 विश्व कप में हिस्सा लेगा और अपने पदार्पण मैच में उसका सामना वेस्ट इंडीज से होगा. सभी वार्म-अप मैच 9 से 14 जनवरी के बीच खेले जाएंगे. उद्घाटन दिवस के मुकाबले 15 जनवरी को होंगे: भारत बनाम अमेरिका, जिम्बाब्वे बनाम स्कॉटलैंड, और तंजानिया बनाम वेस्ट इंडीज. टूर्नामेंट में चार-चार टीमों के चार ग्रुप होंगे, जिसके बाद सुपर सिक्स चरण, फिर सेमीफाइनल और अंत में फाइनल मुकाबला खेला जाएगा. मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया अपना पहला मैच 16 जनवरी को आयरलैंड के खिलाफ खेलेगी. भारत और बांग्लादेश की भिड़ंत 17 जनवरी को बुलावायो में होगी. आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने कहा कि यह टूर्नामेंट हमेशा से भविष्य के सितारों को दुनिया के सामने लाने का मंच रहा है. उन्होंने तंजानिया का पहली बार स्वागत करते हुए कहा कि 2026 संस्करण युवा खिलाड़ियों को अपने सपनों को उड़ान देने का बड़ा अवसर देगा.

ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 के दूसरे दौर में पहुंचे प्रणय, आयुष व थारुन

एजेंसियां । सिडनी

भारतीय शटलर्स ने ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 में जोरदार शुरुआत की है. 4,75,000 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में एचएस प्रणय, आयुष शेट्टी और थारुन मन्नेपल्ली ने अपने-अपने पहले दौर के मुकाबले जीतकर पुरुष एकल के दूसरे दौर में जगह बना ली है. अनुभवी 33 वर्षीय एचएस प्रणय को अपने पहले मैच में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा. वे शुरुआती गेम में लय नहीं पकड़ सके और दुनिया के 85वें नंबर के खिलाड़ी योहानेस सॉट मार्सेलिनो से 6-21 से पिछड़ गए. हालांकि, एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता प्रणय ने शानदार वापसी करते हुए डिफेंस मजबूत किया, लंबी रैलियों पर नियंत्रण रखा और अगले दो गेम 21-12, 21-17 से जीतकर 57 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया. दूसरे दौर में उनका सामना इंडोनेशिया के आठवीं वरीयता प्राप्त अल्वी फरहान से होगा.

कर्नाटक के 20 वर्षीय उभरते खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने भी प्रभावी प्रदर्शन किया. बीडब्ल्यूएफ टूर पर शानदार शुरुआत कर रहे आयुष, जिन्होंने इस वर्ष यूएस ओपन सुपर 300 खिताब जीता था, ने कनाडा के सैम युआन को मात्र 33 मिनट में 21-11, 21-15 से मात दी. विश्व जूनियर चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता आयुष अब चौथी वरीयता प्राप्त कोडाई नाराओका और शियाओडोंग शेंग के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे. थारुन मन्नेपल्ली ने भी अपने पहले दौर के मैच में दम दिखाया. उन्होंने डेनमार्क के मैग्नस जोहानसन को 21-13, 17-21, 21-19 से हराकर 66 मिनट में कड़े संघर्ष वाली जीत हासिल की. 2023 के राष्ट्रीय खेलों के स्वर्ण पदक विजेता थारुन अगले दौर में चीन ताइपे के पांचवीं वरीयता प्राप्त लिन चुन-यी का सामना करेंगे.

बीसीसीआई ने दी फिटनेस पर बड़ी अपडेट, शनिवार से दूसरा टेस्ट मैच

भारतीय टीम के साथ जाएंगे गुवाहाटी कप्तान शुभमन गिल

एजेंसियां । मुंबई

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच जारी दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा और निर्णायक मुकाबला शनिवार से गुवाहाटी में खेला जाएगा. इस अहम मैच से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कप्तान शुभमन गिल की फिटनेस को लेकर बड़ा अपडेट साझा किया है. बोर्ड के अनुसार गिल बुधवार को टीम के साथ गुवाहाटी यात्रा करेंगे, हालांकि मैदान पर उनके उतरने पर अंतिम फैसला मेडिकल टीम की निगरानी के बाद ही लिया जाएगा.

बीसीसीआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल को साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गर्दन में चोट लगी थी. जांच और उपचार के बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है. उनकी रिकवरी सकारात्मक है और

वह 19 नवंबर को टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे. मेडिकल टीम उनकी स्थिति का लगातार आकलन करेगी और उनके खेलने पर उसी आधार पर निर्णय लिया जाएगा." कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए पहले टेस्ट के दूसरे दिन गिल बल्लेबाजी के दौरान चोटिल हुए थे. भारतीय पारी के 35वें ओवर में साउथ अफ्रीका के ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर की गेंद पर चौका लगाने के बाद उन्हें गर्दन में तेज दर्द महसूस हुआ, जिसके बाद वे रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए. दर्द इतना ज्यादा था कि वे मैच में दोबारा बल्लेबाजी के लिए नहीं उतर सके.

दिन का खेल समाप्त होने के तुरंत बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी गर्दन में सर्वाइकल कॉलर लगाया गया. तीसरे दिन बीसीसीआई ने औपचारिक रूप से घोषणा की कि गिल पूरे मैच से बाहर हो चुके हैं. कप्तान की अनुपस्थिति में टीम इंडिया को इस रोमांचक मुकाबले में 30 रन से हार झेलनी पड़ी और इसके साथ ही साउथ अफ्रीका ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली. अब गुवाहाटी टेस्ट भारत के लिए 'करो या मरो' जैसा बन गया है. सीरीज बराबर करने के लिए टीम इंडिया को हर हाल में जीत की जरूरत है. ऐसे में गिल की उपलब्धता टीम की रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी.

यह पहली बार नहीं है जब गिल गर्दन की परेशानी से जूझ रहे हैं. अक्टूबर 2024 में भी उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट से पहले गर्दन में अकड़न की समस्या हुई थी, जिसके चलते वे उस मैच से बाहर हो गए थे. इसी समस्या के कारण वे जुलाई 2024 में श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 में भी हिस्सा नहीं ले पाए थे. गुवाहाटी में होने वाला दूसरा टेस्ट भारतीय टीम के लिए सीरीज बचाने का अंतिम मौका है और अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि कप्तान शुभमन गिल मैदान पर उतर पाते हैं या नहीं.

स्कॉटलैंड ने 26 साल बाद फीफा कप में बनाई जगह

एजेंसियां । ग्लासगो

स्कॉटलैंड ने मंगलवार रात फुटबॉल इतिहास का नया अध्याय लिखते हुए 26 साल बाद फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई कर लिया. डेनमार्क पर 4-2 की रोमांचक जीत ने न सिर्फ पूरे देश को जश्न में डूबो दिया, बल्कि टीम की जुझारू मानसिकता भी दुनिया के सामने रख दी. मैच का सबसे बड़ा आकर्षण था स्कॉट मैक्टोमिने का शुरुआती मिनट में आया शानदार ओवरहेड गोल. तीसरे ही मिनट में नेपोली मिडफील्डर मैक्टोमिने ने हवा में उछलकर आकर्षक ओवरहेड किक से स्कॉटलैंड को 1-0 की बढ़त दिलाई. स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शक इस गोल के साथ ही उत्साह से झूम उठे. डेनमार्क ने इसके बाद मैच को नियंत्रित किया, लेकिन पहले हाफ में गोल नहीं कर सके.

दूसरे हाफ में 57वें मिनट पर रासमुस होइलुंड ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर बराबर कर दिया. थोड़ी ही देर बाद डेनमार्क की मुश्किलें बढ़ीं जब रासमुस क्रिस्टेनसन को दूसरा पीला कार्ड मिला और टीम 10 खिलाड़ियों की रह गई. 78वें मिनट में लॉरेंस शेंकलैंड ने कॉर्नर से

अच्छा फिनिश करते हुए स्कॉटलैंड को 2-1 की बढ़त दिलाई, लेकिन पैट्रिक डॉर्गु ने जल्द ही स्कोर 2-2 कर दिया. इंजरी टाइम में स्कॉटलैंड ने अपने खेल का असली दम दिखाया. 93वें मिनट पर कीरन टियरनी ने बाहर से जोरदार शॉट लगाकर गोल किया, जबकि अंतिम क्षणों में केनी मैकलीन ने आधे मैदान से गेंद को नेट में डालकर स्कॉटलैंड की ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी. 13 अंकों के साथ ग्रुप सी जीतकर स्कॉटलैंड ने सीधे विश्व कप का टिकट हासिल किया, जबकि डेनमार्क को अब प्लेऑफ खेलना होगा. मैनेजर स्टीव क्लार्क ने कहा, "मैक्ट्रोमिने का ओवरहेड किक मेरी जिंदगी का सबसे बेहतरीन गोल था." कप्तान एंड्रयू रॉबर्टसन ने भावुक होकर कहा, "हम कभी हार नहीं मानते—और आज इसका फल मिला. हम विश्व कप में जा रहे हैं."

इंग्लैंड की घातक बॉडीलाइन रणनीति भी नहीं रोक सकी थी डॉन ब्रैडमैन का जुनून

एजेंसियां । नई दिल्ली

क्रिकेट इतिहास की सबसे प्रतिष्ठित टेस्ट सीरीज एशेज का जादू पिछले 140 वर्षों से बरकरार है. 1882 में शुरू हुई यह द्विपक्षीय सीरीज हर दो साल में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेली जाती है, लेकिन इसका रोमांच पूरी दुनिया के क्रिकेट प्रेमियों को बांधे रखता है. एशेज का हर संस्करण नई कहानी लिखता है—कभी इंग्लैंड अपनी चालाकियों से चौंकाता है, तो कभी ऑस्ट्रेलिया अपने दमदार खेल से इतिहास रचता है. इन तमाम कहानियों में सबसे चर्चित अध्याय है 1932-33 की एशेज सीरीज, जिसे बॉडीलाइन श्रृंखला के नाम से जाना जाता है. इंग्लैंड इस सीरीज में खतरनाक और विवादित रणनीति के साथ मैदान में उतरा था. कप्तान डगलस जार्डिन ने अपने तेज गेंदबाजों को निर्देश दिया कि वे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के शरीर पर लगातार शॉर्ट-पिच गेंदें फेंके ताकि डराकर विकेट हासिल किए जा सकें. उस समय बाउंसर को लेकर कोई स्पष्ट नियम नहीं था, इसलिए इंग्लैंड के गेंदबाज जैसे हैरॉल्ड लारवुड और बिल वोस ने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर तीखी बाउंसरों की बौछार कर दी. रणनीति इतनी खतरनाक थी कि

सीरीज क्रिकेट इतिहास में खेल से ज्यादा विवादों के लिए याद की जाने लगी. ऑस्ट्रेलियाई दर्शक और खिलाड़ी इसे खेल भावना के विरुद्ध बताते रहे. हालांकि इस रणनीति का नतीजा यह रहा कि इंग्लैंड ने सीरीज 4-1 से जीत ली. लेकिन जिस उद्देश्य से यह बॉडीलाइन रणनीति बनाई गई थी—डॉन ब्रैडमैन को रोकना—उसमें इंग्लैंड पूरी तरह नाकाम रहा. क्रिकेट इतिहास के महानतम बल्लेबाज ब्रैडमैन ने दिखा दिया कि क्यों उन्हें 'द डॉन' कहा जाता है.

ब्रैडमैन पहले टेस्ट में नहीं खेले थे और दूसरे टेस्ट की पहली पारी में शून्य पर आउट हो गए. यह इंग्लैंड के लिए उम्मीद की किरण जैसा था, लेकिन ब्रैडमैन ने तुरंत वापसी करते हुए दूसरी पारी में शानदार 103 रन जड़ दिए. इसके बाद उन्होंने अगले तीन टेस्ट की छह पारियों में 8, 66, 76, 24, 48 और 71 रन की पारी खेली और इंग्लैंड की बॉडीलाइन गेंदबाजी को अपने खेल पर हावी नहीं होने दिया. उनके दृढ़ संकल्प और तकनीक ने साबित कर दिया कि महान खिलाड़ी किसी भी परिस्थिति में अपने प्रदर्शन से दबाव को मात दे सकते हैं. यही वजह है कि बॉडीलाइन सीरीज के बावजूद ब्रैडमैन का कद और भी बढ़ गया.

अब एशेज 2025-26 एक बार फिर ऑस्ट्रेलिया में 21 नवंबर से शुरू होने जा रही है. इस बार इंग्लैंड 'बैजबॉल' की आक्रामक खेल शैली के साथ उतरेगा. क्रिकेट जगत की नजरें इस बात पर टिकी रहेंगी कि कप्तान बेन स्टोक्स ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों के लिए कौन-सी रणनीति अपनाते हैं और क्या इतिहास का यह पुराना अध्याय फिर किसी रूप में दोहराया जाता है.

अवसर और समावेशन से उभरा एक चैंपियनः अंगद की प्रेरणादायक कहानी

शुभम संदेश । रामगढ़

प्रेरणा कभी भी, कहीं से भी मिल सकती है—और अंगद कुमार के लिए यह प्रेरणा क्षण आया 2020 टोक्यो ओलंपिक में नीरज चोपड़ा की ऐतिहासिक स्वर्ण जीत से. उस जीत ने उनके भीतर खेल के प्रति ऐसा जुनून जगाया, जिसके होने का एहसास उन्हें पहले कभी नहीं था. अंगद 2024 में टाटा स्टील के वेस्ट बोकारो डिवीजन में शामिल हुए, जहाँ वे दिव्यांग कर्मचारियों के लिए शुरू किए गए विशेष पहल के पहले बैच का हिस्सा बने. यहाँ वे सिक्योरिटी विभाग में सीसीटीवी ऑपरेटर के रूप में कार्यरत हैं. समावेशी और सहयोगपूर्ण वातावरण में उन्हें न सिर्फ काम का अवसर मिला, बल्कि खेल करियर को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक समर्थन और प्रशिक्षण भी प्राप्त हुआ. टाटा स्टील के प्रोत्साहन ने उनके प्रतिभा को नई दिशा दी. अंगद ने 21वीं झारखंड राज्य पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भाला फेंक और गोला फेंक दोनों में स्वर्ण पदक जीते. इसके अलावा उन्होंने चौथी राष्ट्रीय पैरा थ्रोबॉल चैंपियनशिप 2025 में रजत पदक हासिल किया और खेलो इंडिया पैरा गेम्स एवं राष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप

में भी गर्व से भाग लिया. अपनी सफलता पर अंगद कहते हैं, "टाटा स्टील ने मेरी यात्रा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है. कंपनी के सहयोग से ही मैं अपने सपनों के करीब पहुंच सका. निरंतर मेहनत से मैं और बेहतर प्रदर्शन कर भारत, टाटा स्टील और अपने परिवार का नाम रोशन करना चाहता हूं." उन्होंने अपने कोच राजीव सिंह (स्पोर्ट्स विभाग, वेस्ट बोकारो) के मार्गदर्शन और निरंतर सहयोग के लिए भी धन्यवाद दिया. जमशेदपुर निवासी अंगद का परिवार लंबे समय से टाटा स्टील से जुड़ा रहा है. उनके पिता कंपनी के पूर्व कर्मचारी हैं, जबकि दोनों भाई वर्तमान में कार्यरत हैं. अंगद कुमार की यह प्रेरणादायक यात्रा बताती है कि यदि अवसर, सही मार्गदर्शन और समावेशी वातावरण मिले, तो हर व्यक्ति अपनी सीमाओं से आगे बढ़कर असाधारण उपलब्धियां हासिल कर सकता है.

अभिनव देशवाल व प्रांजली धुमाल की जोड़ी ने एयर पिस्टल मिश्रित टीम में जीता स्वर्ण

एजेंसियां । टोक्यो

टोक्यो में जारी 25वें समर डेफलिम्पिक्स में भारतीय निशानेबाज़ों का शानदार प्रदर्शन बुधवार को भी जारी रहा. अभिनव देशवाल और प्रांजली प्रशांत धुमाल ने 10एम एयर पिस्टल मिश्रित टीम इवेंट में चीन की जोड़ी या-जू काओ और मिंग-जुई हसु को 16-6 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया. इस जीत के साथ भारत ने शूटिंग में अपने पदकों की संख्या 11 कर दी, जो टोक्यो में अभी तक भारत द्वारा जीते गए कुल पदक हैं. स्वर्ण पदक मैच की शुरुआत से ही अभिनव और प्रांजली ने दबदबा बनाए रखा और प्रतिद्वंद्वियों को वापसी का कोई मौका नहीं दिया. क्वालिफिकेशन में दोनों ने डेफ वर्ल्ड और ओलंपिक रिकॉर्ड की बराबरी की, जो पिछले डेफलिम्पिक्स में इसी जोड़ी ने स्थापित किया था. भारतीय जोड़ी ने 569-20x का संयुक्त स्कोर हासिल किया, जिसमें अभिनव ने 287-12x (97, 95, 95) और प्रांजली ने 282-8x (95, 94, 93) स्कोर किया. उल्लेखनीय है कि दोनों निशानेबाज़ सोमवार को व्यक्तिगत वर्ग में भी रजत पदक जीत चुके हैं.

भारत की दूसरी जोड़ी, महिलाओं की व्यक्तिगत चैंपियन अनुया प्रसाद और

रुदार विनोद कुमार, क्वालिफिकेशन में 553-10x के संयुक्त स्कोर के साथ सातवें स्थान पर रही. अनुया ने 280-5x (93, 91, 96) और रुदार ने 273-5x (92, 90, 91) स्कोर किया. कांस्य पदक ईरान की जोड़ी महला सामीई और बिजान गफ़ारी को मिला. दूसरी ओर, 50एम राइफल प्रोन में कुशाग्र सिंह राजावत ने 224.3 के स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता. यूक्रेन के दिमित्रो पेट्रेंको ने 251.0 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीतते हुए डेफ वर्ल्ड और ओलंपिक रिकॉर्ड तोड़ा, जबकि जर्मनी के कॉलिन म्यूएलर ने 245.4 के साथ रजत पदक अपने नाम किया.

भारतीय निशानेबाज़ महित संधू और नताशा जोशी कल महिलाओं की 50एम थ्री पोज़िशन्स इवेंट में हिस्सा लेंगी. महित पहले ही 10एम एयर राइफल मिश्रित टीम और व्यक्तिगत वर्ग में क्रमशः स्वर्ण और रजत जीत चुकी हैं. इस शानदार प्रदर्शन के साथ भारत की निशानेबाज़ी टीम ने टोक्यो डेफलिम्पिक्स में अपनी मजबूत पकड़ और पदकों की बढ़ती संख्या के जरिए अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी क्षमता साबित कर दी है.

फुटबॉल डेढ़ लाख की आबादी वाले कैरेबियाई द्वीप कुराकाओ ने रचा इतिहास

पहली बार फीफा विश्व कप में बनाई जगह

एजेंसियां । किंग्स्टन

दुनिया भर के फुटबॉल प्रेमियों को चौंकाते हुए कैरेबियाई द्वीप कुराकाओ ने इतिहास रच दिया है. करीब डेढ़ लाख की आबादी वाला यह छोटा-सा देश पहली बार फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने वाला अब तक का सबसे कम आबादी वाला राष्ट्र बन गया है. इस उपलब्धि के साथ उसने आइसलैंड का वह रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जिसने 2018 में 3.5 लाख की आबादी के साथ विश्व कप में जगह बनाई थी. किंग्स्टन में खेले गए निर्णायक मुकाबले में कुराकाओ ने मेजबान जमैका के खिलाफ 0-0 से ड्रॉ खेला. इस ड्रॉ ने टीम को वह एक महत्वपूर्ण अंक दिलाया जिसकी उसे वर्ल्ड कप टिकट के लिए जरूरत थी.

जैसे ही अंतिम सीटी बजी, कुराकाओ के खिलाड़ी और समर्थक खुशी से झूम उठे—छोटा-सा देश अब विश्व फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर कदम रखने वाला था.

मैच में जमैका का दबदबा, लेकिन कुराकाओ की रक्षा रही मजबूत जमैका ने घरेलू दर्शकों से भरे स्टेडियम में शुरू से ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा. खासकर दूसरे हाफ में उन्होंने कई गोल अवसर बनाए, लेकिन कुराकाओ की रक्षापंक्ति ने शानदार अनुशासन दिखाया. टीम का हर टैकल, ब्लॉक और क्लीयरेंस मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ. समय बीतता गया और दबाव बढ़ता गया, लेकिन कुराकाओ की डिफेंस दीवार की तरह खड़ी रही. गोलरहित मुकाबले ने बदली तालिका की तस्वीर 0-0 के इस ड्रॉ के बाद कुराकाओ ने ग्रुप-बी में शीर्ष स्थान सुनिश्चित कर लिया. टीम के पास अब 12 अंक हैं, जो जमैका से एक अंक ज्यादा हैं. इसी के साथ वह सीधे विश्व कप में क्वालीफाई करने में सफल रही. त्रिनिदाद एंड टोबैगो 9 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है, जबकि बरमूडा एक भी अंक हासिल नहीं कर सका.

48 टीमों वाला ऐतिहासिक विश्व कप: अगले साल जून-जुलाई में होने वाला फीफा विश्व कप 48 टीमों के नए फॉर्मेट में खेला जाएगा. ऐसे में वैश्विक फुटबॉल में छोटा लेकिन दमदार कदम रखते हुए कुराकाओ पर दुनिया भर की निगाहें होंगी. टीम ने यह उपलब्धि हेड कोच डिक एडवोकाट की गैरमौजूदगी में हासिल की, जो पारिवारिक कारणों से नीदरलैंड लौट गए थे. उनके बिना मिली इस सफलता ने खिलाड़ियों का आत्मविश्वास कई गुना बढ़ा दिया है.

कुराकाओ की उपलब्धि छोटे देशों के लिए प्रेरणा: कुराकाओ की यह ऐतिहासिक उपलब्धि न सिर्फ उसके लिए बल्कि दुनिया के तमाम छोटे देशों के लिए प्रेरणा बनकर उभरी है. लगभग डेढ़ लाख की जनसंख्या वाले इस द्वीप राष्ट्र ने साबित कर दिया है कि संकल्प और सामूहिक प्रयास से फुटबॉल का सपना किसी भी सीमा को नहीं मानता. आगामी विश्व कप में कुराकाओ किस तरह प्रदर्शन करता है, यह देखना रोमांचक होगा, लेकिन इतना तय है कि उसने दुनिया के सामने अपनी काबिलियत का बड़ा परिचय दे दिया है.

मिचेल बने वनडे के नए बादशाह, रोहित को पछाड़कर हासिल किया नंबर-1 स्थान

एजेंसियां । नई दिल्ली

न्यूज़ीलैंड के स्टार बल्लेबाज़ डेरिल मिचेल ने वेस्ट इंडीज़ के खिलाफ क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले वनडे में शानदार शतक जमाकर आईसीसी पुरुष वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर कब्ज़ा जमा लिया है. मिचेल की 118 गेंदों पर खेली गई 119 रनों की मैच विजेता पारी ने उन्हें भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान से आगे पहुंचा दिया. इसके साथ ही वह 1979 में ग्लेन टर्नर के बाद पहले ऐसे न्यूज़ीलैंड खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर-1 स्थान हासिल किया है. रोहित शर्मा केवल एक रेटिंग अंक से पीछे रहते हुए शीर्ष से नीचे खिसक गए. शीर्ष पर उनका कार्यकाल केवल 22 दिनों तक ही चल सका.

पाकिस्तानी खिलाड़ियों की रैंकिंग में बड़ा सुधार: पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज़ बाबर आज़म नाबाद 102 रन की बदौलत एक स्थान ऊपर चढ़कर अब छठे स्थान पर पहुंच गए हैं. मोहम्मद रिज़वान और फ़खर ज़मान ने लगातार दो-दो अर्धशतक जड़कर क्रमशः 22वें और 26वें स्थान पर छलांग लगाई है.

वनडे गेंदबाजी रैंकिंग,अबरार अहमद की पहली बार टॉप-10 में एंट्री: पाकिस्तान के लेग-स्पिनर अबरार अहमद ने 11 स्थान की शानदार छलांग लगाते हुए नौवां स्थान हासिल किया है. इसके अलावा हारिस रऊफ़ (23वां), जेडन सील्स (20वां) और रोस्टन चेज़ (46वां) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है.

टेस्ट रैंकिंग, बवुमा और कुलदीप का करियर बेस्ट: दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बवुमा नाबाद 55 रन की पारी के बाद करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं. उनके साथी खिलाड़ी साइमन हार्मर भी 20 स्थान की बढ़त के साथ 24वें स्थान पर पहुंच गए हैं. भारत के लिए अच्छी खबर यह है कि कुलदीप यादव 13वें और रविंद्र जडेजा 15वें स्थान पर पहुंच गए हैं. बांग्लादेश के नजमुल हुसैन शांतो (34वां) और महमुदुल हसन जॉय (74वां) ने भी प्रगति दर्ज की है.

टी20 रैंकिंग में बदलाव: न्यूज़ीलैंड के टिम रॉबिनसन आठ स्थान की छलांग के साथ अब 15वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि तेज़ गेंदबाज़ जैकब डफी दूसरे स्थान पर आ गए हैं. इसके अलावा मिचेल सेंटनर (18वां) और पाकिस्तान के मोहम्मद नवाज़ (27वां) की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है. डेरिल मिचेल की यह उपलब्धि न्यूज़ीलैंड क्रिकेट के लिए ऐतिहासिक है.

न्यूज अपडेट

तेज रफ्तार ऑटो ने ली महिला की जान

मुजफ्फरपुर। एनएच-77 स्थित मेडिकल फ्लाईओवर के पास एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ, जिसमें 24 वर्षीय काजल कुमारी की मौत हो गई. काजल अपने परिवार के साथ पटना से मुजफ्फरपुर पहुंची थीं और वहां से गांव जाने के लिए ऑटो का इंतजार कर रही थीं. इसी दौरान एक तेज रफ्तार ऑटो ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी. दुर्घटना इतनी भयावह थी कि काजल के सिर में गंभीर चोटें आ गईं और उनकी हालत मौके पर ही नाजुक हो गई. परिजनों ने तुरंत उन्हें एसकेएमसीएच (मेडिकल कॉलेज) पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. हादसे के बाद ऑटो चालक घबराकर घायल महिला को उसी वाहन में अस्पताल छोड़कर मौके से फरार हो गया. परिजनों का कहना है कि वे मेडिकल फ्लाईओवर के पास रामपुर हरि थाना क्षेत्र के छपरा चौक जाने के लिए ऑटो का इंतजार कर रहे थे, तभी यह हादसा हुआ. घटना की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया. वहीं पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है.

दरभंगा जंक्शन पर प्लेटफॉर्म नं 1 पर टावर गिरने से दो लोगों की मौत

दरभंगा। जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर सोमवार देर रात बड़ा हादसा हो गया, जब स्टेशन परिसर में काम कर रहे दो युवकों की टावर गिरने से मौत हो गई. दोनों युवक टेलीकॉम कंपनी शिवांशी ग्रुप यूनिट नालंदा के संवेदक राजू कुमार के अधीन काम करते थे. मृतकों की पहचान खगड़िया जिले के शेर गांव, वार्ड 14 के जयवीर कुमार और घनश्याम पासवान के रूप में हुई है. परिजनों के अनुसार, 16 नवंबर को संवेदक राजू कुमार ने दोनों को दरभंगा बुलाकर टावर का काम करने को कहा था और एक हजार रुपये भेजे थे. इसी निर्देश पर दोनों युवक दरभंगा पहुंचे और प्लेटफॉर्म–1 के पास स्थापित पुराने टावर पर काम कर रहे थे. 17 नवंबर की रात कार्य के दौरान अचानक कमजोर और जंग लगे टावर के टूटकर गिरने से जयवीर की मौके पर ही मौत हो गई. वहीं गंभीर रूप से घायल घनश्याम ने राजपुर ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया. हादसे की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण स्टेशन पहुंचे तो देखा कि जयवीर का शव रेल थाना के सामने प्लेटफॉर्म पर पड़ा था.

पुलिस वर्दी और हथियार के साथ प्राइवेट ड्राइवर की फोटो वायरल

बेगूसराय। चेरिया बरियारपुर थाना से जुड़े एक प्राइवेट ड्राइवर की पुलिस वर्दी और हथियार के साथ ली गई तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है. तस्वीर में युवक हाथ में हथियार लिए दिखाई दे रहा है और पीछे पुलिस वाहन भी खड़ा नजर आ रहा है. इसके सामने आते ही पुलिस सुरक्षा व्यवस्था और प्रोटोकॉल पर गंभीर सवाल उठने लगे हैं. सूत्रों के अनुसार, तस्वीर में दिख रहा युवक कैथ पंचायत निवासी ललन यादव बताया जा रहा है, जो थाने में प्राइवेट वाहन चालक के रूप में कार्यरत था. सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि एक गैर-पुलिसकर्मी को वर्दी और हथियार तक पहुंच कैसे मिली. कानूनी विशेषज्ञों के मुताबिक, बिना अनुमति सरकारी हथियारों का इस्तेमाल करना या पुलिस वर्दी पहनकर खुद को पुलिसकर्मी दिखाना दंडनीय अपराध है. मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस प्रशासन ने जांच शुरू कर दी है. थाने से स्पष्टीकरण मांगा गया है और यह पता लगाया जा रहा है कि हथियार असली था या नकली, तथा वह युवक तक कैसे पहुंचा.

विधानसभा चुनाव में राजद की करारी हार पर तेज प्रताप का तेजस्वी पर वार, कहा

हार से मौजूदा नेतृत्व की विफलता उजागर होती है

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में राजद को मिली करारी हार के बाद पार्टी के भीतर उथल-पुथल थमने का नाम नहीं ले रही. लालू प्रसाद यादव के परिवार में जारी खींचतान अब खुलकर सियासी मंच पर दिखाई देने लगी है. इसी कड़ी में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेज प्रताप यादव ने एक बार फिर अपने छोटे भाई और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के नेतृत्व पर तीखा हमला बोला है. तेज प्रताप की पार्टी जनशक्ति जनता दल के इंस्टाग्राम अकाउंट से साझा की गई विस्तृत पोस्ट ने एक बार फिर परिवार और पार्टी के भीतर गहरे विवाद को उजागर कर दिया है. तेज प्रताप ने अपनी पोस्ट में बहन रोहिणी आचार्य के पार्टी और परिवार दोनों से अलग होने पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई. उन्होंने सवाल उठाया "सबको निकालोगे तो रहेगा कौन?" तेज प्रताप का कहना है कि यह सवाल केवल उनका नहीं, बल्कि अब जनता भी यही पूछ रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी की स्थिति तेजी से बिगड़ रही है और इसी से मौजूदा नेतृत्व की विफलता उजागर होती है. अपने बयान में तेज प्रताप ने याद दिलाया कि जब उन्हें पार्टी से बाहर किया गया था, तब कई लोगों को लगा था कि "तेज प्रताप फ़ालतू है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा." उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें लगातार हाशिए पर डाला गया, आवाज़ दबाई गई, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने पार्टी को मजबूत करने की कोशिश छोड़ी नहीं. मगर जैसे ही उन्होंने बाहर आकर 'नई राजद' की वास्तविकता लोगों के सामने रखी, पार्टी नेतृत्व को एहसास होने लगा कि उन्होंने क्या खो दिया.

तेज प्रताप ने पार्टी के पिछली तीन चुनावों में प्रदर्शन का हवाला देकर तेजस्वी के नेतृत्व पर गंभीर सवाल उठाए. उन्होंने कहा कि 2015 में राजद के पास 80 सीटें थीं, 2020 में यह घटकर 75 रह गईं और अब संख्या गिरकर 25 पर आ गई है. तेज प्रताप ने चेतावनी दी कि यदि "दरबारी राजनीति" ऐसे ही चलती रही तो पार्टी 25 से 5 सीट पर आने में देर नहीं लगेगी. तेज प्रताप का हमला यहीं तक सीमित नहीं रहा. उन्होंने कहा कि पहले उन्हें निकाला गया और अब "देवी समान" बहन रोहिणी आचार्य को पार्टी से दूर कर दिया गया है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि "पूरा बिहार हंस रहा है जिस परिवार ने लोगों को हंसाया और रुलाया, वही आज खुद मजाक बन चुका है." पोस्ट के अंत में तेज प्रताप ने महाभारत का उदाहरण देते हुए लिखा "इज़्ज़त का तमाशा जब-जब हुआ है पार्थ धर्म ने सिर्फ हस्तिनापुर नहीं, पूरा इतिहास बदल दिया है." उनकी यह टिप्पणी संकेत देती है कि परिवार और पार्टी के भीतर की लड़ाई अभी और गहरी हो सकती है. बिहार की राजनीति में तेज प्रताप और तेजस्वी के बीच बढ़ती दूरी, रोहिणी आचार्य की नाराज़गी और राजद के चुनावी प्रदर्शन की गिरती रफ्तार ने सियासी हलकों में नए तूफान को जन्म दे दिया है. आने वाले दिनों में राजद के भीतर यह विवाद किस रूप में सामने आएगा, यह देखना दिलचस्प होगा.

152 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ फारबिसगंज के दो युवक गिरफ्तार

अररिया। नेपाल विराटनगर की नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने फारबिसगंज के दो युवकों को 152 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है.मंगलवार की देर रात विराटनगर बस स्टैंड के पास से दोनों युवक को गिरफ्तार किया गया.गिरफ्तार युवकों में फारबिसगंज भागकोहलिया के 28 मो. मोजाहित और पलासी के 20 वर्षीय राजकुमार दास है. मोरंग जिला पुलिस ने गिरफ्तार दोनों युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है. इससे पहले विराटनगर नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने विराटनगर के ही दो नेपाली युवकों को भी ब्राउन शुगर के पास गिरफ्तार किया.दोनों युवक मोटरसाइकिल संख्या 14 पीए 4587 पर थे और संदिग्ध अवस्था में एक दूसरे से बातचीत कर रहे थे. सब इंस्पेक्टर प्रकाश चंद्र अधिकारी के नेतृत्व में नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने जब दोनों संदिग्ध युवकों की तलाश ली तो इनके पास से 140.18 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया. गिरफ्तार युवक विराटनगर वार्ड संख्या 16 के रहने वाले 16 वर्षीय अजय कुमार राउत और विराटनगर 8 के रहने वाले 28 वर्षीय अजय कुमार मुखिया है. ब्राउन शुगर अजय कुमार मुखिया से बरामद किया गया है. नेपाल नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और मोरंग जिला पुलिस गिरफ्तार दो भारतीय सहित चारों से मादक पदार्थ के कारोबार से जुड़े बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज को खंगालने में जुटी है.

बढ़ती ठंड से जनजीवन प्रभावित, तापमान में हल्की बढ़ोतरी की संभावना

पटना। बिहार में पड़ रही कड़ाके की ठंड ने आम लोगों के जीवन को काफी प्रभावित किया है. पूरे राज्य में रात का तापमान लगातार 5C से 10C के बीच बना हुआ है और पिछले सात दिनों से न्यूनतम तापमान एक अंक में दर्ज किया जा रहा है. मंगलवार की रात पारा गिरकर 8.2C तक पहुंच गया, जिससे ठिठुरन और बढ़ गई. हालांकि मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि पछुआ हवा की रफ्तार कम होने लगी है, जिसके कारण तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है और लोगों को ठंड से कुछ राहत मिल सकती है. बिहार मौसम सेवा केंद्र के मुताबिक, बुधवार की सुबह और शाम धुंध छाए रहने की संभावना है. दिन के समय धूप निकलने से ठंड में थोड़ी कमी आ सकती है, लेकिन शाम होते ही ठिठुरन फिर पकड़ बनाएगी. अधिकांश क्षेत्रों में मौसम शुष्क रहेगा और पछुआ हवा की रफ्तार 25 किमी/घंटा तक पहुंच सकती है. मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में तापमान में 1–2C की क्रमिक बढ़ोतरी का अनुमान जताया है.

चुनाव में करारी हार मिलने के बाद जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा

अब सलाह देने का नहीं, बल्कि संघर्ष करने का समय आ गया है

शुभम संदेश। पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार मिलने के बाद जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे बिहार छोड़ने वाले नहीं हैं. प्रशांत किशोर ने कहा कि अब सलाह देने का नहीं, बल्कि संघर्ष करने का समय आ गया है. उन्होंने स्वीकार किया कि वे जनता के सामने अपनी बात प्रभावी तरीके से नहीं रख पाए और इसी कारण अपेक्षित जनसमर्थन नहीं मिल सका. हार की पूरी जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने कहा कि जिस विश्वास की उन्हें उम्मीद थी, वह विश्वास वे जीत नहीं पाए. प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जेडीयू पर बड़ा आरोप लगाते हुए दावा किया कि अगर चुनाव से पहले प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 60,000 से अधिक लाभार्थियों को 10,000 रुपये नहीं दिए गए होते, तो जेडीयू 25 सीट भी नहीं जीत पाती. उनके अनुसार, एनडीए सरकार ने जनता के पैसों से 40,000 करोड़ रुपये की घोषणाएं कीं और चुनाव से ठीक पहले बड़े पैमाने पर राशि बांटी, जिससे जेडीयू को सीटों का फायदा मिला.

उन्होंने कहा कि वे बिहार को ठीक से समझने में असफल रहे और अब आत्ममंथन और संघर्ष दोनों की जरूरत है. हार की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए प्रशांत किशोर ने घोषणा की कि वे 20 नवंबर को भितिहरवा आश्रम में एक दिन का मौन सामूहिक उपवास करेंगे. यह उपवास उनके द्वारा जनता को दिखाए गए सपने को पूरा न कर पाने का प्रायश्चित होगा. उन्होंने कहा कि उनका मकसद न तो समाज को बांटना था और न ही वोट खरीदना. "अंग्रेजी में एक कहावत है आप तब तक नहीं हारते, जब तक खेल छोड़ नहीं देते. यह हार अंत नहीं, बल्कि संघर्ष की शुरुआत है," उन्होंने कहा. चुनावी नतीजों के बाद सियासी गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि प्रशांत किशोर ने पहले कहा था कि यदि जेडीयू 25 से अधिक सीटें जीतती है तो वे राजनीति से संन्यास ले लेंगे. लेकिन अब उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि सीटें "10 हजार रुपये की मदद के सहारे" बढ़ाई गईं. इस बयान के बाद यह साफ है कि पीके पीछे हटने को तैयार नहीं हैं और नए सिरे से सियासी पारी शुरू कर चुके हैं. उन्होंने यह भी माना कि उनकी पार्टी से कोई विधायक नहीं बन सका, लेकिन जन सुराज अब पहले से ज्यादा मजबूती के साथ जनता के बीच जाएगा. प्रशांत किशोर ने कहा कि उनकी लड़ाई व्यवस्था बदलने की है और वे इस रास्ते से पीछे नहीं हटेंगे.

बिहार पुलिस भर्ती: सिपाही पीईटी 15 दिसंबर और चालक सिपाही परीक्षा 10 दिसंबर को

पटना। केंद्रीय चयन पर्षद (सिपाही भर्ती) ने बिहार पुलिस में बहुप्रतीक्षित सिपाही एवं चालक सिपाही भर्ती परीक्षाओं की तिथियां घोषित कर दी हैं. पर्षद के अनुसार, सिपाही के 19,838 पदों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) आगामी 15 दिसंबर को आयोजित होगी. वहीं चालक सिपाही के 4,361 पदों के लिए लिखित परीक्षा 10 दिसंबर को ली जाएगी. तिथियों की घोषणा होते ही अभ्यर्थियों में उत्साह के साथ तैयारियों की रफ्तार और तेज हो गई है. सिपाही पीईटी का आयोजन पटना में स्थित शहीद प्रसाद सिंह राजकीय उच्च विद्यालय (पटना हाई स्कूल), गर्दनीबाग में होगा. इसके लिए एडमिट कार्ड अभ्यर्थी 25 नवंबर से पर्षद की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध 'बिहार पुलिस' टैब के माध्यम से डाउनलोड कर सकेंगे. दूसरी ओर, चालक सिपाही की लिखित परीक्षा राज्य के 15 जिलों में एकल पाली में आयोजित की जाएगी. परीक्षा दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक चलेगी. पर्षद ने सभी अभ्यर्थियों को निर्देश दिया है कि वे सुबह 9:30 बजे तक अपने परीक्षा केंद्र पर पहुंच जाएं, ताकि प्रवेश प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित की जा सके. चालक सिपाही परीक्षा के एडमिट कार्ड 3 दिसंबर से 10 दिसंबर सुबह 10:30 बजे तक डाउनलोड किए जा सकेंगे. परीक्षाओं के निकट आते ही भर्ती प्रक्रिया को लेकर युवाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है. हाल के वर्षों में बिहार पुलिस में करियर बनाने की चाहत युवाओं के बीच तेजी से बढ़ी है, जिसका प्रमाण हसपुरा क्षेत्र में देखा जा सकता है, जहां स्थानीय उच्च विद्यालय के मैदान में सुबह और शाम अभ्यास करते अभ्यर्थियों की बड़ी संख्या उमड़ रही है. लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों ने अब पूरी ऊर्जा फिजिकल की तैयारी में लगानी शुरू कर दी है. हसपुरा के शिवा बाबा फिजिकल संस्थान में प्रशिक्षक विक्की कुमार की देखरेख में युवक-युवतियों को लंबी दौड़, हाई जंप, गोला फेंक और लंबी कूद का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है.

बिहटा में अमोनिया गैस रिसाव से दहशत, एनएच बंद, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

पटना। बिहटा थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब सिकंदरपुर के किशुनपुर गांव के पास बने नवनिर्मित कोल्ड स्टोरेज से अचानक अमोनिया गैस रिसने लगी. कुछ ही मिनटों में ज़हरीली गैस की गंध पूरे इलाके में फैल गई, जिससे अफरा-तफरी और चीख-पुकार का माहौल बन गया. लोग घरों से बाहर भागने लगे, बच्चों में चीख-पुकार मच गई और सांस लेने में दिक्कत होने से स्थिति भयावह होती चली गई. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके को क्राइम-साइट की तरह घेराबंदी कर दिया. तुरंत अग्निशमन विभाग, NDRF और SDRF की टीमों को अलर्ट कर बुलाया गया. टीमों ने पहुंचते ही रेस्क्यू अभियान शुरू किया और कोल्ड स्टोरेज में काम कर रहे मजदूरों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया. अमोनिया लीक को नियंत्रित करने के लिए विशेषज्ञ तकनीशियनों की टीम भी मौके पर जुट गई.

कारोबार

अमेरिकी शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव

नयी दिल्ली। अमेरिकी शेयर बाजार में मंगलवार को भारी उतार-चढ़ाव देखा गया. एशिया और यूरोप में बिकवाली के प्रभाव से वॉल स्ट्रीट भी दबाव में रही. दिन की शुरुआत में एसएंडपी 500 में 1.5% की गिरावट आई, लेकिन अंत तक अधिकांश नुकसान की भरपाई हुई और 0.2% की मामूली गिरावट दर्ज की गई. डाउ जोन्स 0.6% और नैस्डैक 0.5% गिरा. एशियाई और यूरोपीय बाजारों में भी बड़ी गिरावट रही; जापान का निक्केई 3.2% और दक्षिण कोरिया का कोस्पी 3.3% लुढ़के, जबकि फ्रांस का सीएसी 40 1.9% घटा. शेयर बाजार पर सबसे बड़ा दबाव कंप्यूटर चिप्स कंपनी एनवीडिया के शेयरों से आया. शुरुआती 1.4% गिरावट बाद में 3.7% तक बढ़ गई, और इस महीने कुल गिरावट 10% से अधिक हो चुकी है.

आरबीआई दिसंबर बैठक में ब्याज दर में कटौती कर सकता है: मॉर्गन स्टेनली

नयी दिल्ली। मॉर्गन स्टेनली की रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) दिसंबर की नीतिगत बैठक में रेपो दर में 25 आधार अंकों की कटौती कर सकता है. इस कटौती के बाद रेपो दर 5.25 प्रतिशत पर आ जाएगी. रिपोर्ट में कहा गया है कि यह कदम महंगाई में लगातार गिरावट को देखते हुए उठाया जा सकता है. रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई की नीतिगत प्रतिक्रिया विवेकपूर्ण रहने की संभावना है और केंद्रीय बैंक आंकड़ों पर आधारित "प्रतीक्षा करो और देखो" नीति अपनाएगा. केंद्रीय बैंक घरेलू वृद्धि और मुद्रास्फीति के रुझानों पर कड़ी नजर रखेगा. दरों, तरलता और नियामकीय ढील के संयुक्त प्रभाव का मूल्यांकन करने के बाद ही आगे के निर्णय लिए जाएंगे. मॉर्गन स्टेनली ने मुद्रास्फीति परिदृश्य भी पेश किया है. अनुमान है कि 2025 में सीपीआई निचले स्तर पर रहने के बाद 2026-27 में हल्की बढ़ोतरी कर सकता है.

फ्लेक्सी कैप और मिडकैप (मिडकैब) फंडों को प्राथमिकता दे रहे हैं निवेशक

लार्ज और स्मॉलकैप फंडों में गिरावट

एजेंसी। मुंबई

एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) ने अक्टूबर 2025 के म्यूचुअल फंड निवेश आंकड़े जारी किए हैं, जिनसे यह स्पष्ट होता है कि अब निवेशक इक्विटी म्यूचुअल फंड में सीधे निवेश की बजाय अपने पोर्टफोलियो में विविधता लाने की दिशा में बढ़ रहे हैं. आंकड़ों के मुताबिक, निवेशक अब फ्लेक्सी कैप और मिडकैप (मिडकैब) फंडों को प्राथमिकता दे रहे हैं, जबकि लार्जकैप और स्मॉलकैप फंडों की लोकप्रियता में गिरावट देखी गई है. एएमएफआई के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2025 में फ्लेक्सी कैप फंड में 7,029 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था, जो अक्टूबर में बढ़कर 8,929 करोड़ रुपये हो गया. वहीं, मिडकैप फंडों में निवेश 3,807 करोड़ रुपये रहा, जो सभी इक्विटी फंडों में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है. इसी दौरान, कुल इक्विटी म्यूचुअल फंड में शुद्ध निवेश लगभग 19% घट गया. विश्लेषकों का मानना है कि निवेशकों की बदलती प्राथमिकता का मुख्य कारण फ्लेक्सीकैप और मिडकैप फंडों के बेहतर रिटर्न और पोर्टफोलियो विविधता है. फ्लेक्सी कैप फंडों का दबदबा इस समय बाजार में सबसे अधिक है, जबकि मिडकैप फंडों में भी निवेशकों की रुचि लगातार बढ़ रही है.

मिडकैप फंडों की मजबूत प्रदर्शन दर का उदाहरण निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिडकैप फंड है, जिसने अक्टूबर 2025 तक 25.13% का रिटर्न दिया. इसी दौरान, यूटीआई मिडकैप फंड और डीएसपी मिडकैप फंड ने क्रमशः 21.22% और 18.44% का रिटर्न दर्ज किया. पिछले तीन वर्षों में 35 मिडकैप फंडों में से केवल पांच फंडों ने 20% से कम रिटर्न दिया, और सबसे कम रिटर्न भी 15% से ऊपर रहा, जो इस श्रेणी के मजबूत प्रदर्शन को दर्शाता है. विशेष रूप से, निप्पॉन इंडिया ग्रोथ मिडकैप फंड को ही लीजिए, जिसे 30 साल से अधिक समय पहले लॉन्च किया गया था. इस फंड ने अब तक 22.28% की प्रभावशाली सीएजीआर दर से रिटर्न दिया है. यह फंड उन कंपनियों में निवेश करता है, जिनमें औसत से अधिक विकास की क्षमता होती है और जो समय के साथ अच्छे रिटर्न देने में सक्षम हैं. इसका सफलता का मुख्य कारण सुस्पष्ट निवेश प्रक्रिया, कठोर जोखिम प्रबंधन और गहन शोध है. इसके मुकाबले, फ्रैंकलिन मिडकैप फंड, जिसे 1 दिसंबर को 33 साल पूरे हो गए, ने अपने पूरे इतिहास में 19.21% का रिटर्न दिया है. मिडकैप फंडों की इस सफलता के चलते निवेशक अब अपने पोर्टफोलियो में अधिक मिडकैप और फ्लेक्सी कैप फंड शामिल कर रहे हैं, जिससे उन्हें बेहतर रिटर्न के साथ जोखिम में संतुलन बनाए रखने का अवसर मिल रहा है. निवेशक अब पारंपरिक लार्जकैप और स्मॉलकैप फंडों से हटकर फ्लेक्सी कैप और मिडकैप फंडों की ओर रुख कर रहे हैं, जो न केवल पोर्टफोलियो विविधता बढ़ाते हैं, बल्कि बेहतर दीर्घकालिक रिटर्न की संभावना भी रखते हैं.

गैलार्ड स्टील का आईपीओ लॉन्च, 26 नवंबर को होगी लिस्टिंग

नयी दिल्ली। रेलवे और डिफेंस सेक्टर से जुड़े उद्योगों के लिए रेडी-टू-यूज कंपोनेंट्स तैयार करने वाली कंपनी गैलार्ड स्टील का 37.50 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया. इस आईपीओ में 21 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है. इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 25 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे. कंपनी के शेयर 26 नवंबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं. इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 142 रुपये से लेकर 150 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,000 शेयर का है. गैलार्ड स्टील के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स 2 लॉट यानी 2,000 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 3 लाख रुपये का निवेश करना होगा. इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 25 लाख नए शेयर जारी हो रहे हैं. आईपीओ खुलने से एक कारोबारी दिन पहले 18 नवंबर को गैलार्ड स्टील ने 4 एंकर इनवेस्टर्स से 10.64 करोड़ रुपये जुटाए.

एयर इंडिया को पाकिस्तान एयरस्पेस बंद होने से नुकसान

नई दिल्ली। पाकिस्तान एयरस्पेस पर उड़ानों पर प्रतिबंध के कारण भारत की एयरलाइंस लंबा रास्ता तय करने को मजबूर हैं, जिससे एयर इंडिया समेत कंपनियों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है. रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, टाटा ग्रुप की कंपनी एयर इंडिया अब चीन के शिनजियांग क्षेत्र के ऊपर से उड़ान भरने की अनुमति मांग रही है. कंपनी ने सरकार से अपील की है कि चीन को मनाया जाए ताकि संवेदनशील सैन्य क्षेत्र से होकर उड़ान भरी जा सके, जिससे उड़ान का समय कम होगा. भारत और चीन के बीच हाल ही में पांच साल के अंतराल के बाद डायरेक्ट फ्लाइट सेवा शुरू हुई है. जून 2020 में सीमा पर हुई झड़प के बाद दोनों देशों के बीच सीधी उड़ानें बंद कर दी गई थीं. एयर इंडिया अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का नेटवर्क फिर से स्थापित करने की कोशिश कर रही है. हाल ही में एयर इंडिया का लंदन जाने वाला बोइंग 787 ड्रीमलाइनर गुजरात में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें 260 लोगों की मौत हुई. इस हादसे के कारण कंपनी को सुरक्षा जांच के चलते कुछ समय के लिए उड़ानों में कमी करनी पड़ी. अब लंबी दूरी और समय बचाने के लिए चीन के शिनजियांग हवाई क्षेत्र का विकल्प एयर इंडिया के लिए महत्वपूर्ण बन गया है. कुल मिलाकर, पाकिस्तान एयरस्पेस प्रतिबंध और हाल की दुर्घटना ने एयर इंडिया के लिए अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में चुनौती बढ़ा दी है.

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला एक्सेल सॉफ्ट का आईपीओ, 21 नवंबर तक कर सकते हैं आवेदन

नई दिल्ली। एडटेक कंपनी एक्सेलसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का 500 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया. इस आईपीओ में 21 नवंबर तक बोली लगाई जा सकती है. इश्यू की क्लोजिंग के बाद 24 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 25 नवंबर को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे. कंपनी के शेयर 26 नवंबर को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट हो सकते हैं. इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 114 रुपये से लेकर 120 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 125 शेयर का है. एक्सेलसॉफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड के इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स कम से कम 1 लॉट यानी 125 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 14,874 रुपये का निवेश करना होगा. वहीं खुदरा निवेशक इस आईपीओ में 1,95,000 रुपये के निवेश से अधिकतम 13 लॉट के लिए बोली लगा सकते हैं.

शेयर

जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड के शेयरों में 17% से अधिक की जोरदार उछाल देखने को मिली

अडाणी के ऑफर को क्रेडिटर्स का मिला पूरा समर्थन

एजेंसी। नयी दिल्ली

जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड (जेपी पावर) के शेयरों में बुधवार को 17.29% की जोरदार उछाल देखने को मिली और यह 20.69 रुपये पर पहुंच गए. पिछले सत्र में कंपनी के शेयर 17.64 रुपये पर बंद हुए थे और 17.79 रुपये पर खुले. इस तेजी के पीछे जेपी पावर की सहयोगी कंपनी जेपी एसोसिएट्स से जुड़ी हाल की खबरें प्रमुख रही. रिपोर्ट के मुताबिक, जेपी एसोसिएट्स के क्रेडिटर्स ने अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की समाधान योजना के पक्ष में सर्वसम्मति से वोट किया है. क्रेडिटर्स ने अडानी के ऑफर को इसलिए चुना क्योंकि इसमें अधिक अग्रिम भुगतान की पेशकश की गई है. इसके मुकाबले, अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता ने जेपी एसोसिएट्स के लिए 17,000 करोड़ रुपये की बड़ी बोली लगाई थी. जेपी एसोसिएट्स पर कुल 55,000 करोड़ रुपये का कर्ज है. कंपनी को पिछले साल जून में इनसॉल्वेंसी प्रक्रिया के तहत स्वीकार किया गया था. जेपी एसोसिएट्स जेपी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी है और इसके तहत सीमेंट, पावर, इंजीनियरिंग, हॉस्पिटैलिटी, रियल एस्टेट और स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे कई व्यवसाय आते हैं.

जेपी पावर के शेयरों में आई इस तेजी के चलते निवेशकों में उत्साह देखा गया. कंपनी का 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 27.62 रुपये और न्यूनतम 12.35 रुपये रहा है. शेयरों में आज की तेजी के साथ ही निवेशकों को कंपनी के भविष्य को लेकर सकारात्मक संकेत मिले हैं. इसके अलावा, जेपी पावर ने हाल ही में एक अलग एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी दी कि उसके नॉन-एग्जीक्यूटिव प्रेजिडेंट मनोज गौड़ को प्रवर्तन निदेशालय ने पीएमएलए के तहत गिरफ्तार किया है. हालांकि, कंपनी ने स्पष्ट किया कि यह कथित अपराध जेपी पावर से संबंधित नहीं है और यह मामला जेपी इन्फ्राटेक लिमिटेड से जुड़ा था, जिसे अब सिक्योरिटी रियलिटी ने खरीद लिया है. विश्लेषकों के अनुसार, जेपी एसोसिएट्स की इनसॉल्वेंसी प्रक्रिया में अडानी के ऑफर को क्रेडिटर्स द्वारा मंजूरी मिलने से समूह की कंपनियों में विश्वास बढ़ा है, जिससे जेपी पावर के शेयरों में तेजी आई है. निवेशकों को उम्मीद है कि भविष्य में जेपी पावर की शेयर कीमतों में और सुधार देखने को मिल सकता है. इस तरह, जेपी पावर की शेयर तेजी और अडानी एंटरप्राइजेज की मंजूरी के फैसले ने बाजार में कंपनी के प्रति निवेशकों का भरोसा बढ़ाया है.

सुदीप फार्मा लि. का आईपीओ 21 नवंबर को खुलेगा, प्राइस बैंड 563-593 रुपये प्रति शेयर

नई दिल्ली। सुदीप फार्मा लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 14 नवंबर को खुलेगा. निवेशक इसमें 25 नवंबर तक निवेश के लिए बोली लगा सकते हैं. कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 563-593 रुपये प्रति शेयर तय किया है. सुदीप फार्मा लिमिटेड ने अपने पहले आईपीओ के लिए 1 रुपये अंकित मूल्य वाले प्रत्येक इक्विटी शेयर का मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 563 से 593 रुपये प्रति शेयर तय किया है. कंपनी की योजना इस आईपीओ से 895 करोड़ रुपये जुटाने की है. कंपनी के मुताबिक निवेशक इसमें न्यूनतम 25 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 25 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं. सुदीप फार्मा लिमिटेड का यह आईपीओ 95 करोड़ रुपये के नए निर्गम और प्रमोटर एवं प्रमोटर समूह द्वारा शेयरधारकों को 800 करोड़ रुपये में 13,490,726 शेयरों तक की बिक्री पेशकश का संयोजन है. कंपनी नए निर्गम से प्राप्त 75.8 करोड़ रुपये का उपयोग नंदेसरी फैसिलिटी 1, गुजरात स्थित उत्पादन लाइन के लिए मशीनरी की खरीद और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में पूंजीगत व्यय के लिए करेगी. इसके अलावा बाकी रकम का उपयोग सामान्य कॉर्पोरेट आवश्यकताओं के लिए किया जाएगा. इससे कंपनी अपने संचालन को विस्तार देने और टेक्नोलॉजी इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की योजना बना रही है. सुदीप फार्मा लिमिटेड एक टेक्नोलॉजी-ड्रिवन कंपनी है, जो एक्सीपियंट्स और स्पेशलिटी इंग्रेडिएंट्स का निर्माण करती है. इन उत्पादों का इस्तेमाल दवा उद्योग, खाद्य उद्योग और न्यूट्रिशन सेक्टर में किया जाता है. इसके अलावा कंपनी पूरी तरह इन-हाउस टेक्नोलॉजी पर काम करती है, जिसमें एनकैप्सूलेशन, स्प्रे ड्राइंग, ग्रेन्यूलेशन, ब्लेंडिंग और लिपोसोमल प्रिपरेशन जैसी एडवांस प्रक्रियाएं शामिल हैं. कंपनी की पहुंच 100 से ज्यादा देशों में है और यह अमेरिका, यूरोप, दक्षिण अमेरिका, मिडिल ईस्ट, अफ्रीका और एशिया-पैसिफिक जैसे बड़े बाजारों में मजबूत उपस्थिति रखती है.

उच्च स्तरीय वार्ता के लिए इजराइल जाएंगे मंत्री पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इजराइल के अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत के निमंत्रण पर 20-22 नवंबर तक इजराइल की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे. तेल अवीव की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान प्रस्तावित भारत-इजराइल मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की प्रगति की समीक्षा किए जाने की उम्मीद है. गोयल के साथ सीआईआई, फिक्की, एसोचैम और स्टार्ट-अप इंडिया का एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी जाएगा. वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक गोयल अपनी इस यात्रा के दौरान इजराइल के शीर्ष नेतृत्व के साथ उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय बैठकें करेंगे. वे अपने इजराइली समकक्ष, अर्थव्यवस्था एवं उद्योग मंत्री नीर बरकत के अलावा वह कुछ अन्य मंत्रियों से भी बातचीत करेंगे.

देश-विदेश

कश्मीर के पंपोर में खिलते हैं सुनहरे फूल, दुनिया भर में मशहूर केसर के खेत

श्रीनगर। कश्मीर, जिसे अक्सर धरती पर स्वर्ग कहा जाता है, अपनी मनमोहक वादियों, बर्फ से ढके पहाड़ों और शांत झीलों के लिए जाना जाता है. लेकिन यहां का असली खजाना हैं केसर के खेत, जो अपनी महक से पूरी घाटी को भर देते हैं. केसर, जिसे ₹सुनहरा मसाला₹ भी कहा जाता है, न केवल व्यंजनों में स्वाद और रंग जोड़ता है, बल्कि औषधीय गुणों के लिए भी प्रसिद्ध है. कश्मीर में केसर की खेती का मुख्य केंद्र पंपोर है, जिसे "केसर की घाटी" के नाम से जाना जाता है. यहाँ की ठंडी जलवायु और उपजाऊ मिट्टी केसर के लिए आदर्श मानी जाती है. इतिहासकारों के अनुसार, केसर का मूल स्थान प्राचीन फारस (आज का ईरान) है और इसे लगभग 500 ईसा पूर्व विदेशी व्यापारियों के माध्यम से कश्मीर लाया गया. मुगल बादशाह जहांगीर के समय में कश्मीर का केसर पूरी दुनिया में प्रसिद्ध हुआ. कश्मीरी केसर की उच्च गुणवत्ता, गहरा लाल रंग और विशिष्ट सुगंध इसे अन्य प्रकार के केसर से अलग बनाते हैं. यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर केसर रक्तचाप नियंत्रित रखने, तनाव कम करने और हृदय स्वास्थ्य के लिए उपयोगी है. इसके अलावा, इसे त्वचा के निखार और सौंदर्य उत्पादों में भी इस्तेमाल किया जाता है. कश्मीर के पंपोर में हर साल केसर की फसल का समय आने पर घाटी पूरी तरह से रंग और खुशबू में डूब जाती है. यह क्षेत्र न केवल पर्यटकों को आकर्षित करता है, बल्कि भारत और विदेशों में इसके निर्यात के कारण आर्थिक रूप से भी महत्वपूर्ण है.

न्यूज अपडेट

सरबजीत कौर को परेशान करना बंद करे पुलिस : लाहौर हाईकोर्ट

लाहौर। पाकिस्तान के लाहौर हाईकोर्ट ने पुलिस को भारतीय सिख महिला सरबजीत कौर को परेशान करना बंद करने का आदेश दिया. सरबजीत ने इस्लाम धर्म अपनाकर स्थानीय मुस्लिम व्यक्ति नासिर हुसैन से शादी की थी. बताया गया कि सरबजीत और नासिर की दोस्ती सोशल मीडिया पर हुई थी. सरबजीत कौर (48) इस महीने की शुरुआत में गुरुनानक जयंती उत्सव में भाग लेने के लिए 2,000 सिख तीर्थयात्रियों के साथ भारत से वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान आई थीं. तीर्थयात्रियों का समूह 13 नवंबर को भारत लौट आया, लेकिन सरबजीत लापता रही.

रायपुर में आईएसआईएस नेटवर्क से जुड़े दो नाबालिगों की पहचान

रायपुर। छत्तीसगढ़ में आईएसआईएस के नेटवर्क को लेकर आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने बड़ा खुलासा किया है. रायपुर एटीएस ने 2 ऐसे लड़कों की पहचान की है जिन्होंने इंस्टाग्राम के जरिए पाकिस्तानी हेंडलर्स ने संपर्क बनाया था. जिन दो नाबालिगों की पहचान की गई है, उनमें एक रायपुर और दूसरा भिलाई का रहने वाला है. खुफिया एजेंसी करीब डेढ़ साल से इन पर नजर रख रही थी. इनके पास मिले मोबाइल से कट्टरपंथ को बढ़ावा देने वाले कई मैसेज और वीडियो संदेश मिले हैं. आईएसआईएस इन नाबालिगों के जरिए से अंदरूनी जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहा था. ये दोनों लड़के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के संपर्क में थे. एटीएस ने गैरकानूनी गतिविधि (निवारण) अधिनियम, 1967 (यूएपीए) के तहत पहली एफआईआर दर्ज की है.

ड्रग कार्टेल के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की अनुमति नहीं देगा मेक्सिको

मेक्सिको। राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम ने स्पष्ट किया है कि उनका देश ड्रग कार्टेल के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्रवाई की अनुमति नहीं देगा. शिनबाम ने कहा कि अमेरिका की तरफ से सहयोग और जानकारी स्वीकार की जा सकती है, लेकिन देश में कोई भी कार्रवाई केवल मेक्सिको की एजेंसियों द्वारा ही होगी. उन्होंने किसी विदेशी सरकार के हस्तक्षेप को अस्वीकार किया. यह टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर आवश्यक हुआ तो ड्रग तस्करी रोकने के लिए मेक्सिको में हमले करना ठीक है. हालांकि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि अमेरिका एकतरफा सैन्य कार्रवाई नहीं करेगा.

वॉयस फॉर बलोच मिसिंग पर्सन्स के विरोध शिविर के 6003 दिन पूरे

क्वेटा (बलोचिस्तान)। वॉयस फॉर बलोच मिसिंग पर्सन्स (वीबीएमपी) के विरोध शिविर के 6003 दिन पूरे हो गए. वीबीएमपी बलोचिस्तान में जबरन गायब किए जा रहे लोगों के परिवारों की आवाज दुनिया के सामने उठा रहा है. यह शिविर संगठन के अध्यक्ष नसरुल्लाह बलोच के नेतृत्व में क्वेटा में जारी है. द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, आज विभिन्न विचारधाराओं के नागरिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और छात्र शिविर में पहुंचे.

भूटान के पारो से नेपाल के पोखरा के लिए नियमित उड़ान सेवा शुरू

काठमांडू। पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से आज से भूटान के लिए सीधी उड़ान सेवा शुरू हो गई . यूनिवर्सल टूर्स एंड ट्रैवल्स ने इससे पहले 28 सितंबर से चार चार्टर उड़ानें संचालित करने की घोषणा की थी, लेकिन विभिन्न कारणों से उनका संचालन नहीं हो सका. अब आज से आधिकारिक रूप से उड़ान का संचालन आरंभ किया गया है. पोखरा महानगरपालिका के मेयर धनराज आचार्य के अनुसार भूटान एयर द्वारा पोखरा–पारो (भूटान) सीधी उड़ान का औपचारिक शुभारंभ आज बुधवार सुबह पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से किया गया. भूटान एयर और उसके नेपाल स्थित प्रतिनिधि यूनिवर्सल टूर्स एंड ट्रैवल्स के निमंत्रण पर पहली उड़ान से थिम्पू पहुंचे. महानगर प्रमुख आचार्य ने बताया कि भूटान के पारो अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से खाली लौटे विमान ने पोखरा से कुल नौ अतिथियों और क्रू सदस्यों को लेकर पारो में सुरक्षित लैंडिंग की है.

विदेशी नागरिकों के लिए प्रतिदिन 50 अमेरिकी डॉलर शुल्क निर्धारित

काठमांडू। नेपाल–चीन सीमा पर उत्तरी कोरला नाका से सटे ऊपरी मुस्तांग क्षेत्र की यात्रा करने वाले विदेशी नागरिकों के लिए प्रतिदिन 50 अमेरिकी डॉलर शुल्क निर्धारित किया गया है. सरकार के प्रवक्ता एवं संचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री जगदीश खरेल ने मंत्रिपरिषद के निर्णयों का ब्योरा सार्वजनिक करते हुए यह जानकारी दी. उनके अनुसार अध्यागमन नियमावली के अनुसूची-12 में संशोधन करते हुए यह निर्णय लिया गया है. इस निर्णय के बाद ऊपरी मुस्तांग की यात्रा करने वाले विदेशी पर्यटकों के लिए अब 10 दिन की अनिवार्य पदयात्रा अनुमति शुल्क के रूप में 500 अमेरिकी डॉलर एकमुश्त जमा करने की बाध्यता समाप्त हो गई है.

शेख हसीना मामले में उनके बेटे ने भारत सरकार की तारीफ की, कहा

हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत सरकार के आभारी हैं

बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा, भारत ने सुरक्षा प्रदान की: बेटे सजीब ने तारीफ की

एजेंसी। वर्जीनिया

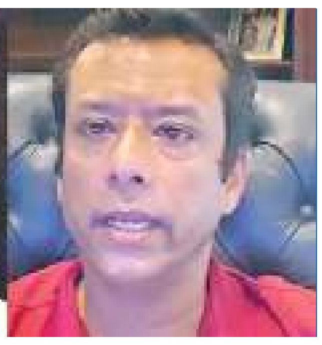

बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को हाल ही में मौत की सजा सुनाई गई है. इस बीच, वह फिलहाल सुरक्षित रूप से भारत में मौजूद हैं. भारत की ओर से उन्हें दी गई सुरक्षा को लेकर हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने भारत सरकार की तारीफ की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया. सजीब वाजेद, जो वर्तमान में अमेरिका के वर्जीनिया में रह रहे हैं, ने कहा कि भारत हमेशा से बांग्लादेश का मजबूत मित्र रहा है. उन्होंने बताया कि संकट के समय भारत ने उनकी मां की जान बचाई है. उन्होंने कहा, ₹अगर मेरी मां भारत नहीं आतीं, तो उग्रवादियों ने उनकी हत्या की योजना बना ली होती. इसलिए हम प्रधानमंत्री मोदी और भारत सरकार के आभारी हैं.₹ हसीना के प्रत्यर्पण पर सजीब ने कहा कि किसी भी प्रत्यर्पण के लिए न्यायिक प्रक्रिया का पालन जरूरी है. उन्होंने बांग्लादेश की मौजूदा सरकार को "अनिर्वाचित, असंवैधानिक और अवैध" बताया. उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी मां को दोषी ठहराने के लिए कानूनों में संशोधन किए गए और उन्हें अपने बचाव पक्ष के वकील चुनने की अनुमति नहीं थी.

इसके अलावा, ट्रायल शुरू होने से पहले अदालत के 17 जजों को बर्खास्त कर दिया गया और नए जज नियुक्त किए गए, जिनमें से कुछ को अनुभव नहीं था और वे राजनीतिक रूप से जुड़े हुए थे. सजीब ने कहा कि इस तरह की परिस्थितियों में कोई उचित प्रक्रिया नहीं हो सकती.

अमेरिका से किसी दबाव के सवाल पर सजीब ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी भी प्रकार की धमकी नहीं मिली. उन्होंने कहा कि अमेरिका ने 2024 के चुनावों पर नकारात्मक बयान जारी किया था, लेकिन चुनाव शांतिपूर्ण रहे. उन्होंने यह भी बताया कि नए प्रशासन के तहत अमेरिका की नीति में बदलाव आया है. पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि पिछले प्रशासन ने यूएसएआईडी के माध्यम से बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन पर लाखों डॉलर खर्च किए थे. सजीब ने कहा कि अब अमेरिका आतंकवाद और इस्लामवाद के उदय को लेकर अधिक सतर्क है. सजीब ने बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर भी निशाना साधा. उन्होंने कहा कि अगर यूनुस लोकप्रिय होते, तो वे चुनाव कराते और देश को वैध तरीके से चलाते. उन्होंने बताया कि यूनुस सरकार डेढ़ साल से बिना चुनाव के सत्ता में है और उनकी पार्टी का समर्थन लगभग नगण्य है. इसके विपरीत, उनके परिवार की सरकार ने सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखे हैं. सजीब ने चीन के साथ संबंधों पर भी टिप्पणी की. उन्होंने कहा कि उनकी सरकार की नीति के तहत चीन, भारत और अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंध मजबूत किए गए. उन्होंने यूनुस सरकार पर आरोप लगाया कि वह चीन के करीब आने की कोशिश कर रही है. इसके अलावा, विपक्षी पार्टी बीएनपी भी चीन के साथ सीधे संपर्क कर रही है. सजीब ने कहा कि बेल्ट एंड रोड पहल केवल परिवहन को सुगम बनाने के लिए एक आर्थिक पहल थी, न कि राजनीतिक दबाव के लिए. सजीब वाजेद के इन बयानों से स्पष्ट है कि शेख हसीना के प्रत्यर्पण और उनकी सुरक्षा को लेकर राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर स्थिति बनी हुई है. भारत द्वारा उन्हें संरक्षण देने और उनके बेटे द्वारा इसे सराहने से दोनों देशों के बीच पुराने मित्रवत संबंधों की पुष्टि होती है.

म्यांमार में ठगी के केंद्र बने साइबर कैफे, 346 विदेशी नागरिक गिरफ्तार किए गए

नेपीडॉ। म्यांमार की सेना ने थाई सीमा पर एक साइबर कैफे पर छापा मारकर 346 लोगों को गिरफ्तार किया है. सेना ने कहा कि युद्धग्रस्त म्यांमार के सीमावर्ती क्षेत्रों में धोखाधड़ी के ऐसे केंद्र बड़े पैमाने पर फैले हुए हैं. इन केंद्रों में बैठे साइबर अपराधी दुनिया भर के इंटरनेट उपयोगकर्ताओं को निशाना बनाते हैं. किसी को रोमांस के जाल में फंसाते हैं. किसी को रकम दोगुना करने प्रलोभन देकर ठग रहे हैं. यह लोग प्रतिवर्ष अरबों डॉलर की ठगी कर रहे हैं. बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार ने म्यांमार के सरकारी समाचार माध्यम 'द ग्लोबल न्यू लाइट ऑफ म्यांमार' की खबर के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी. रिपोर्ट में कहा गया है कि म्यांमार की सैन्य सरकार पर लंबे समय से इस मामले में आंखें मूंद लेने का आरोप लगाया जाता रहा है. विशेषज्ञों का कहना है कि चीन के दबाव के बाद म्यांमार सरकार फरवरी से ऐसी कार्रवाई का ढिंढोरा पीट रही है. पिछले महीने से कार्रवाई में तेजी लाई गई है.

पीएम किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त का लाभ किसानों को दिया गया

किसान हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता : चौहान

एजेंसी। धमतरी

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त का लाभ बुधवार को छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले के किसानों को भी प्रदान किया गया. इस अवसर पर एकलव्य खेल मैदान में आयोजित भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि, ग्रामीण विकास एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे. इस मौके पर उन्होंने किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं. अपने संबोधन में केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि किसान हित सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है. उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार खाद्य सुरक्षा, उचित उपज मूल्य, निःशुल्क राशन और पोषण आहार सुनिश्चित करने के लिए छह सूत्रीय कार्यक्रम पर काम कर रही है. कृषि मंत्री चौहान ने किसानों को धान के साथ चना, उड़द और मसूर की खेती करने का सुझाव देते हुए कहा कि सरकार इन सभी फसलों की पूरी खरीद करेगी. उन्होंने किसानों से पीएम फसल बीमा योजना का लाभ लेने की अपील भी की ताकि प्राकृतिक आपदा की स्थिति में फसल का पूरा मुआवजा मिल सके.

कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि पहले केंद्र से भेजे गए एक रुपये में से सिर्फ 15 पैसा जनता तक पहुंचता था, जबकि आज की सरकार में संपूर्ण राशि सीधे खातों में ट्रांसफर की जाती है. कांग्रेस पर हमला जारी रखते हुए मंत्री ने कहा कि "जहां-जहां कांग्रेस जाती है, वहां पार्टी कमजोर होती है." उन्होंने यह भी कहा कि "देश धर्मशाला नहीं है कि कोई भी घुसपैठिया आकर बस जाए,". उन्होंने कांग्रेस पर बाहरी लोगों को संरक्षण देने का आरोप भी लगाया. शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बीच के पांच वर्षों को छोड़ दिया जाए, तो छत्तीसगढ़ विकसित राज्यों की श्रेणी में आ चुका है. उन्होंने पूर्ववर्ती सरकार पर भ्रष्टाचार और बदले की राजनीति का आरोप लगाया. साथ ही कहा कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के सभी पात्र परिवारों को पक्का मकान देने के लिए प्रतिबद्ध है और वर्तमान में 19 लाख मकानों का निर्माण किया जा रहा है.

नए आपराधिक कानूनों का क्रियान्वयन पीड़ितों को न्याय दिलाने में प्रभावी: मुख्यमंत्री फडणवीस

मुंबई। नए आपराधिक कानूनों का क्रियान्वयन पीड़ितों को न्याय दिलाने में कारगर साबित हो रहा है. नए आपराधिक कानूनों में डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को स्वीकार किया जा रहा है, यद्यपि ब्रिटिशकालीन आपराधिक कानून डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक रूप में साक्ष्य स्वीकार करने की अनुमति नहीं देते थे, फिर भी अपराध के कई आरोपी साक्ष्य के अभाव में बरी हो जाते थे, लेकिन अब केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन के कारण पीड़ितों को एक निश्चित समय सीमा के भीतर न्याय मिल रहा है. महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को मुंबई में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ये बातें कही. मुंबई के आजाद मैदान में नए आपराधिक कानूनों पर आधारित पांच दिवसीय प्रदर्शनी को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि अंग्रेजों ने भारत पर शासन करने के लिए भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम तैयार किए थे. ये ऐसे कानून हैं, जो लगभग 125 से 150 साल पुराने हैं. इन कानूनों में भारत की प्रगति या यहां के पीड़ितों को त्वरित न्याय दिलाने का कोई प्रावधान नहीं था. हालांकि, अब नए कानूनों के निर्माण से यह व्यवस्था बदल गई है . मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अपराध दोषसिद्धि दर, जो 2013 में 9 प्रतिशत थी, अब बढ़कर 53 प्रतिशत हो गई है.

आदर्श डिजिटल गांव निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं एनआईटी जैसे संस्थान: राष्ट्रपति

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जैसे उच्च तकनीकी शिक्षण संस्थान देश में आदर्श डिजिटल गांवों के निर्माण में अहम योगदान दे सकते हैं. ये संस्थान सरल तकनीकी समाधान विकसित कर ग्रामीण क्षेत्रों तक तकनीक की पहुंच सुनिश्चित कर सकते हैं, लोगों को डिजिटल कौशल सिखा सकते हैं और उद्योगों के सहयोग से गांवों में बेहतर सुविधाओं के विकास को गति दे सकते हैं. राष्ट्रपति बुधवार को एनआईटी दिल्ली के पांचवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं. उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया अभियान ने देश में तकनीक को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है और इसके माध्यम से अनगिनत अवसरों के नए द्वार खुले हैं.

नोएडा में फर्जी रॉ अधिकारी गिरफ्तार किया गया

नोएडा। उत्तर प्रदेश विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने आज तड़के एक फर्जी रॉ अधिकारी को गिरफ्तार किया है. यह कहीं पर खुद को रॉ अधिकारी तो कहीं पर खुद को आर्मी का मेजर बताकर रहता था. इसने खुद को रॉ अधिकारी बताकर एक महिला जज से शादी की है. पत्नी बिहार के छपरा में तैनात हैं. आरोपित एक कंपनी बनाकर उसमें फर्जी तरीके से हैवी ट्रांजैक्शन करके, कंपनी के वर्थ को बढ़ाकर उसका शेयर मार्केट में जारी कर लोगों से ठगी करने की योजना बना रहा था. कंपनी से संबंधित दस्तावेज भी एसटीएफ ने बरामद किया है. इसके पास से भारी मात्रा में फर्जी आईडी, चेक बुक, फर्जी पुलिस वेरिफिकेशन पत्र, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, पैन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर आई कार्ड आदि बरामद हुआ है. एसटीएफ और गुप्तचर एजेंसियों के वरिष्ठ अधिकारी इससे गहनता से पूछताछ कर रहे हैं. इसके टैब में दिल्ली ब्लास्ट से संबंधित वीडियो भी अपलोड है.

सात मंदिरों पर भी ध्वज पताका फहराई जाएगी : मिश्र

अयोध्या। राम नगरी अयोध्या में आगामी 25 नवंबर को राम मंदिर के शिखर पर धर्म ध्वज पताका फहराने का ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा. इस संदर्भ में राम मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने बुधवार को बताया कि शेषावतार मंदिर और परकोटा क्षेत्र के छह पंचायती मंदिरों पर भी ध्वज पताका फहराई जाएगी. ध्वजारोहण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगभग चार घंटे अयोध्या में प्रवास करेंगे. उन्होंने बताया कि धर्म ध्वज पताका का दो बार सफल ट्रायल किया जा चुका है. सभी तकनीकी तैयारियां राम मंदिर निर्माण समिति की देखरेख में पूरी कर ली गई हैं. पताका 11 मीटर चौड़ी और 22 मीटर लंबी है, जिसे रस्सी, पुली और मशीन के द्वारा शिखर तक ले जाया जाएगा.

पाक नेता अनवारुल हक का कबूलनामा: लाल किला पर हमलों में पाकिस्तान की भागीदारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के नेता चौधरी अनवारुल हक ने खुलकर कबूला है कि भारत में हुए कई आतंकी हमलों में पाकिस्तान की भूमिका रही है. हक ने अपने भाषण में कहा कि आतंकवादी समूह "लाल किले से लेकर कश्मीर के जंगलों तक" हमले कर रहे हैं और इसमें उनका देश सीधे या परोक्ष रूप से शामिल है. अनवारुल हक ने विशेष रूप से 10 नवंबर को दिल्ली के लाल किले के सामने हुए बम धमाके का जिक्र किया, जिसमें 14 लोगों की मौत हुई थी. उन्होंने बताया कि इस हमले का मास्टरमाइंड डॉ. उमर उन नबी था, जो जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल का सदस्य था. यह मॉड्यूल हमले से कुछ दिन पहले फरीदाबाद में पकड़ाया गया था.इसके अलावा हक ने "कश्मीर के जंगलों" में हुए हमलों की ओर भी संकेत किया, जो अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले से संबंधित हैं. उस हमले में आतंकवादियों ने 26 पर्यटकों की हत्या कर दी थी. वायरल वीडियो में हक कहते सुनाई दे रहे हैं, "मैंने पहले कहा था कि अगर आप बलूचिस्तान को खून से लथपथ करते रहेंगे, तो हम लाल किले से लेकर कश्मीर के जंगलों तक हमला करेंगे. अल्लाह की कृपा से, हमने यह कर दिखाया." अनवारुल हक की यह टिप्पणी सीमा पार आतंकवाद में पाकिस्तान की भूमिका का बड़ा कबूलनामा मानी जा रही है. यह पहली बार नहीं है जब किसी पाक नेता ने इस तरह की बात स्वीकार की हो. इससे पहले खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी ने भी पाकिस्तान सरकार की आतंकवाद नीति का पर्दाफाश किया था. अफरीदी ने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान सरकार को प्रांत में "फर्जी" आतंकवादी हमलों से लाभ होता है और यह अशांत खैबर क्षेत्र में शांति स्थापित करने में बाधा डालता है.

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की व्हाइट हाउस में हाई-स्टेक बैठक

परमाणु तकनीक और एफ-35 डील पर की गई बड़ी घोषणाएं

एजेंसी। वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की व्हाइट हाउस में हुई हाई-स्टेक बैठक के दौरान रक्षा, परमाणु तकनीक, निवेश और इजरायल-सऊदी संबंधों को लेकर कई अहम बयान सामने आए. सात वर्षों बाद व्हाइट हाउस पहुंचे बिन सलमान का ट्रंप ने सैन्य सम्मान, कैनन सलामी और जेट फ्लाईओवर के साथ भव्य स्वागत किया. बैठक के दौरान ट्रंप ने संकेत दिया कि अमेरिका सऊदी अरब को परमाणु तकनीक स्थानांतरित करने के लिए एक समझौते पर विचार कर रहा है. उन्होंने कहा कि वह "एक डील होते हुए देख सकते हैं", हालांकि समयसीमा स्पष्ट नहीं की. दोनों नेताओं के बीच अब्राहम समझौतों पर भी चर्चा हुई. ट्रंप ने दावा किया कि उन्हें सऊदी से "सकारात्मक प्रतिक्रिया" मिली है, जबकि बिन सलमान ने कहा कि सऊदी अरब समझौतों में शामिल होना चाहता है, लेकिन दो-राज्य समाधान के लिए स्पष्ट रास्ते की भी गारंटी चाहता है. ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका सऊदी अरब को एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट्स की बिक्री की मंजूरी देने की दिशा में काम कर रहा है. उन्होंने कहा कि यह व्यवस्था "इज़रायल की तरह ही" होगी. यदि यह डील पूरी होती है तो मध्य-पूर्व के शक्ति समीकरण में बड़ा बदलाव माना जाएगा.

इसके अलावा, ट्रंप ने बताया कि अमेरिका और सऊदी अरब के बीच रक्षा सहयोग समझौता भी अंतिम रूप ले चुका है. उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी प्रशासन उन्नत एआई चिप्स की बिक्री को मंजूरी देने पर काम कर रहा है, जो अमेरिकी निर्यात नीति में बड़े बदलाव का संकेत है और दोनों देशों के बीच तकनीकी सहयोग को नई दिशा देगा. निवेश के मोर्चे पर भी बड़ा ऐलान हुआ. ट्रंप ने कहा कि सऊदी अरब ने 600 अरब डॉलर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में निवेश करने पर सहमति जताई है. उन्होंने मज़ाकिया अंदाज में कहा कि उम्मीद है, "एक ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ा देंगे." जवाब में बिन सलमान ने कहा कि सऊदी अरब "अमेरिका के भविष्य पर विश्वास करता है" और निवेश को लगभग 1 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाएगा. पत्रकारों द्वारा ट्रंप परिवार के बिज़नेस और संभावित हितों के टकराव पर प्रश्न पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा, "मेरा परिवार के बिज़नेस से कोई लेना-देना नहीं है. मैं 100% ऊर्जा राष्ट्रपति पद पर दे रहा हूं." जमाल ख़ासोगी की हत्या पर सवाल पूछे जाने पर ट्रंप ने अमेरिकी खुफिया निष्कर्षों के विपरीत दावा किया कि बिन सलमान "इसके बारे में कुछ नहीं जानते थे."

उन्होंने कहा, "चाहे उस व्यक्ति (ख़ासोगी) को कोई पसंद करे या नहीं, चीजें होती हैं." व्हाइट हाउस में यह मुलाकात ऐसे समय हुई है, जब ट्रंप प्रशासन सऊदी अरब के साथ रणनीतिक, रक्षा और आर्थिक साझेदारी को नए स्तर पर ले जाने की कोशिश कर रहा है.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.